शुक्रवार, 22 मई 2026

**मौसम**

तापमान 29 – 36
आर्द्रता 78%
सूर्योदय: 04:54 सूर्यास्त: 18:12

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

# समाज्ञा

बल्लेबाजों और गेंदबाजों के ऑलराउंड प्रदर्शन से टाइटंस ने सुपरकिंग्स को 89 रन से रौंदा पृष्ठ 6

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष षष्ठी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : जो बाहर है वो कुछ नहीं, जो भीतर है वही ऊपर ले जाता है।

# बांग्लादेशी घुसपैठियों को अदालतों में नहीं ले जाएं, उन्हें बीएसएफ को सौंपें : शुभेंदु अधिकारी

## मुख्यमंत्री ने कहा, दिसंबर तक हावड़ा और बाली नगर निकाय चुनाव कराने का लक्ष्य

**मुख्यमंत्री को जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में दिया गया 'गार्ड ऑफ ऑनर'**

**हावड़ा, समाज्ञा :** मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि राज्य में पकड़े गए बांग्लादेशी घुसपैठियों को अदालतों में पेश करने के बजाय सीधे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंप दिया जाएगा। शुभेंदु ने हावड़ा जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में प्रशासनिक समीक्षा बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि इस संबंध में पुलिस आयुक्त और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कल से नया नियम लागू हो गया है, जिसके तहत घुसपैठियों को अदालतों में नहीं भेजा जाएगा, बल्कि बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस आयुक्त और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि यदि बांग्लादेश से कोई अवैध प्रवासी, जो संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने का हकदार नहीं है, हावड़ा थाने में हिरासत में लिया जाता है, तो उसे अदालत में नहीं भेजा जाना चाहिए। संबंधित व्यक्ति को उचित भोजन कराया जाना चाहिए और फिर सीधे बोंगांव के पेट्रापोल सीमा पर या उत्तर 24 परगना जिले के बसीरहाट स्थित सीमा चौकी पर बीएसएफ कर्मियों के पास ले जाया जाना चाहिए। शुभेंदु ने यह भी कहा कि ऐसे बंदियों की संख्या पर साप्ताहिक रिपोर्ट डीजीपी के माध्यम से मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को प्रस्तुत करनी होगी। मुख्यमंत्री को हावड़ा जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जिसके बाद उन्होंने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने हुगली नदी के दूसरे किनारे पर स्थित हावड़ा शहर से संबंधित नागरिक अवसंरचना और विकास संबंधी मुद्दों की समीक्षा की। शुभेंदु ने कहा कि उन्हें इस वर्ष दिसंबर तक हावड़ा और उससे सटे बाली नगर निकायों के वार्ड के परिसीमन का काम पूरा होने की उम्मीद है। इन दोनों शहरी निकायों में लंबे समय से नगर निकाय चुनाव लंबित हैं। उन्होंने कहा कि हावड़ा नगर क्षेत्र के दीर्घकालिक विकास की योजना के तहत हमने इस वर्ष के अंत तक परिसीमन प्रक्रिया पूरी करने और उसके बाद शहर की जिम्मेदारी निर्वाचित नगर निकाय बोर्ड को सौंपने का फैसला किया है। अधिकारी ने कहा कि अगले तीन महीनों की अल्पकालिक योजना के तहत प्रशासन स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल आपूर्ति, कचरा सफाई, जल निकासी व्यवस्था की मरम्मत तथा पार्क, स्वास्थ्य सुविधाओं और शैक्षणिक संस्थानों जैसी नागरिक सुविधाओं के उन्नयन पर ध्यान देगा। उन्होंने बताया कि नागरिक अवसंरचना में सुधार के लिए योजना बनाने और उसे लागू करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक समन्वय समिति गठित की गई है, जिसमें रेलवे और नगर निकाय के अधिकारी सदस्य होंगे। उन्होंने कहा कि समिति की गतिविधियों की निगरानी नगर मामलों के सचिव खलील अहमद करेंगे। शुभेंदु ने कहा कि हमने हावड़ा में अवैध निर्माणों पर तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है और बिल्डरों के एक वर्ग द्वारा कथित भ्रष्टाचार की जांच शुरू की जाएगी। जिन जलाशयों को पाट दिया गया है, उनके स्थान पर प्रशासन वैकल्पिक जल निकाय विकसित करेगा। मुख्यमंत्री ने संस्थागत भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा गठित आयोग का भी उल्लेख किया, जिसकी अध्यक्षता न्यायमूर्ति बिस्वजीत बसु कर रहे हैं। आयोग के सदस्य सचिव वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के जयरामन हैं। इस पैनल को 'कट मनी' घोटाले समेत भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच का जिम्मा सौंपा गया है और यह एक जून से आधिकारिक रूप से काम शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि आयोग तेजी से कार्रवाई करेगा। यह साक्ष्य जुटाएगा और जनसुनवाई करेगा, जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज होगी, गिरफ्तारियां की जाएंगी और आगे दंडात्मक कार्रवाई होगी। उन्होंने यह भी कहा कि गबन की गई राशि दोषियों से वसूल की जाएगी। शुभेंदु ने कहा कि उन्होंने हावड़ा शहर पुलिस को राजनीतिक हिंसा, कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों और खासकर महिलाओं के खिलाफ अपराधों में नयी प्राथमिकी दर्ज कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

# पीओके में मारा गया पुलवामा हमले का गुनहगार हमजा बुरहान

## मुजफ्फराबाद में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारी

**इस्लामाबाद :** पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड हमजा बुरहान की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अज्ञात बंदूकधारियों ने हत्या कर दी है। यह घटना मुजफ्फराबाद में हुई, जहां उस पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई गईं। गोलियों से छलनी आतंकी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वह 2017 में यह कहकर पाकिस्तान गया था कि वह उच्च शिक्षा के लिए जा रहा है, लेकिन बाद में वह आतंकी संगठन अल-बद्र में शामिल हो गया और जल्दी ही कमांडर बन गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुजफ्फराबाद के एआईएसएस कॉलेज के बाहर हमजा की कार सड़क पर जाम में फंसी हुई थी, तभी हमलावरों ने उस पर कई गोलियां चलाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बुर्का पहने हमलवार बाइक से आए थे। अल-बद्र में शामिल होने के बाद वह कश्मीर लौटा। उस पर दक्षिण कश्मीर में युवाओं को कट्टरपंथ की ओर ले जाने और उन्हें आतंकी संगठनों में शामिल करने का आरोप था। उसका नेटवर्क मुख्य रूप से दक्षिण कश्मीर में सक्रिय था। हमजा बुरहान को केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 में आतंकवादी घोषित किया था। रिपोर्ट्स की मानें तो पाकिस्तान में हमजा अपनी पहचान छिपाने के लिए एक स्कूल में प्रिंसिपल के तौर पर काम कर रहा था। अपने लोगों के बीच वह डॉक्टर के नाम से प्रसिद्ध था। हमजा ने कश्मीर में रहने के दौरान उसने पुलवामा से शोपियां तक अपना नेटवर्क फैलाया। उसकी मौत को पाकिस्तान स्थित आतंकी नेटवर्क के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वह उन प्रमुख लोगों में से था जो जम्मू-कश्मीर में सक्रिय पाकिस्तान-आधारित आतंकी संगठनों के लिए काम करते थे। हमजा मारे गए आतंकियों अबू दुजाना, अबू कासिम, बुरहान वानी और जाकिर मूसा का करीबी सहयोगी था।

# फलता विधानसभा सीट पर 86.11 फीसदी मतदान

**कोलकाता, समाज्ञा :** दक्षिण 24 परगना जिले की फलता विधानसभा सीट पर गुरुवार को पुनर्मतदान शांतिपूर्ण तरीके से हुआ जहां 86 फीसदी से अधिक लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। केंद्रीय बलों की भारी तैनाती और दिनभर मतदान केंद्रों के बाहर लंबी कतारों के बावजूद, पुनर्मतदान बिना किसी बड़ी घटना के संपन्न हो गया। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि शाम पांच बजे तक 2.36 लाख मतदाताओं में से 86.11 प्रतिशत ने मतदान किया। बता दें कि इससे पहले 29 अप्रैल को हुए मतदान में इसी समय तक 86.71 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। अंतिम आंकड़ा आना अभी बाकी है। भारी मतदान पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने फलता के लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के दृश्य किसी उत्सव जैसे लग रहे हैं।

जहांगीर खान के चुनाव से हटने से फलता के राजनीतिक समीकरण में काफी बदलाव आ गया है। भाजपा, जो पहले से ही एकतरफा जीत का भरोसा जता रही है, टीएमसी उम्मीदवार के पुनर्मतदान से पहले ही चुनाव मैदान से हटने के बाद इस सीट पर अपनी जीत पक्की मान रही है। यदि भाजपा फलता सीट जीतती है, तो 2026 के विधानसभा चुनावों में उसकी सीटों की संख्या बढ़कर 208 हो जाएगी, हालांकि अधिकारी द्वारा भवानीपुर सीट बरकरार रखते हुए नंदीग्राम सीट खाली करने के फैसले के बाद विधानसभा की कुल संख्या 207 ही रहेगी। इस निर्वाचन क्षेत्र में कुल मतदाताओं में 1,21,300 पुरुष, 1,15,135 महिलाएं और नौ तृतीय-लिंगी व्यक्ति शामिल हैं। मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और शाम छह बजे तक चला। केंद्रीय बलों की लगभग 35 कंपनियां 285 मतदान केंद्रों पर तैनात हैं। इसके अतिरिक्त, किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की स्थिति में तुरंत कार्रवाई करने के लिए 30 त्वरित प्रतिक्रिया दलों को तैयार रखा गया है।

# लोगों के जीवन को आसान बनाने और अगली पीढ़ी के सुधारों पर जोर दें : प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से कहा

**नयी दिल्ली :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को अपनी मंत्रिपरिषद को 2047 का लक्ष्य निर्धारित करने को कहा ताकि तब तक विभिन्न सुधार पहलों के माध्यम से लोगों का जीवन अधिक सुविधा-नजनक बन सके। बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि अगली पीढ़ी के सुधारों पर अधिकतम जोर दिया जाना चाहिए, ताकि 2047 में भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक देश का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके। सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान मोदी ने उन सुधार पहलों की व्यापक रूपरेखा प्रस्तुत की, जिनके जरिए देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाया जा सके। उन्होंने मंत्रियों से बार-बार कहा कि उनका लक्ष्य और उद्देश्य हमेशा लोगों के जीवन को अधिक सहज और सुविधाजनक बनाना होना चाहिए तथा लोगों के लिए ''जीवन की सुगमता'' सुनिश्चित की जानी चाहिए। सूत्रों के मुताबिक, मोदी ने यह भी कहा कि लोगों के जीवन में किसी भी प्रकार का अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से कहा कि वे हरसंभव कदम उठाएं ताकि लोगों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि यह आगे की ओर देखने का समय है, न कि अतीत में किए गए कार्यों में उलझे रहने का। मोदी ने कहा कि सरकार 2014 से सत्ता में है और 2026 में ध्यान भविष्य के लक्ष्यों और उपलब्धियों पर केंद्रित होना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने मंत्रियों को सुशासन और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित रखने की सलाह दी। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकारी कामकाज में किसी तरह का विलंब नहीं होना चाहिए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने प्रधानमंत्री की हालिया विदेश यात्रा पर प्रस्तुति दी, जिसके दौरान उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की यात्रा की थी।

### प्रधानमंत्री मोदी पांच देशों की यात्रा के बाद भारत लौटे

**नयी दिल्ली :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों की यात्रा पूरी कर बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी लौटे। 15 मई से शुरू हुई इस यात्रा में उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा किया। इस दौरान ऊर्जा, रक्षा, महत्वपूर्ण खनिज और व्यापार से जुड़े कई समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। यूएई के साथ पेट्रोलियम, एलपीजी आपूर्ति और रक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी, साथ ही अबू धाबी ने भारत में पांच अरब डॉलर निवेश की घोषणा की।नीदरलैंड, स्वीडन और नॉर्वे के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत किया गया। इटली में प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा हुई। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को कई अंतरराष्ट्रीय सम्मान भी प्रदान किए गए।

# भारत के 'चंद्रयान-3' मिशन को मिला गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स पुरस्कार

**वाशिंगटन :** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को बृहस्पतिवार को अमेरिकी वैमानिकी और अंतरिक्षयानिकी संस्थान (एआईएए) द्वारा 'चंद्रयान-3 मिशन' के लिए 2026 के 'गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने एआईएए सम्मेलन में यह पुरस्कार प्राप्त किया। प्रशस्ति पत्र के अनुसार, इसरो को यह पुरस्कार ''चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र के निकट 'चंद्रयान-3' की ऐतिहासिक लैंडिंग के लिए दिया गया है, जिससे चंद्रमा की हमारी समझ बेहतर करने में मदद मिली है।'' क्वात्रा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि एआईएए द्वारा प्रदत्त प्रतिष्ठित 2026 गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स पुरस्कार के लिए इसरो और चंद्रयान 3 टीम को बधाई। उन्होंने कहा, ''इसरो की ओर से यह पुरस्कार स्वीकार करना और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अंतरिक्ष विजन 2047 तथा आगामी गहन अंतरिक्ष अन्वेषण एवं मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन तथा भारत में बढ़ते वाणिज्यिक अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को रेखांकित करना मेरे लिए सम्मान की बात है।''

# राज्य में गोवंश वध पर पाबंदी रहेगी जारी

## हाई कोर्ट ने सभी याचिकाएं की खारिज

**कोलकाता, समाज्ञा :** कलकत्ता उच्च न्यायालय ने गुरुवार को राज्य सरकार को अगले सप्ताह मनाए जाने वाले ईद उल अजहा के मद्देनजर मांगी गई छूट के संबंध में पश्चिम बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम, 1950 की धारा 12 के अनुसार निर्णय लेने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने निर्देश दिया कि ये तथ्य ध्यान में रखते हुए कि यह त्योहार 27 या 28 मई को हो सकता है, राज्य इस आदेश की सूचना मिलने से 24 घंटों के भीतर संबंधित मामले में निर्णय लेगा। अदालत ने कहा कि हम यह निर्देश देते हैं कि राज्य कुछ याचिकाकर्ताओं द्वारा मांगी गई छूट के संबंध में 1950 के अधिनियम की धारा 12 के अनुसार निर्णय ले। बता दें कि याचिकाकर्ताओं ने बकरीद पर कुर्बानी के लिए पशु वध नियंत्रण अधिनियम, 1950 की धारा 12 के तहत छूट का अनुरोध किया है। एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील बिकास रंजन भट्टाचार्य ने अदालत के समक्ष दलील दी कि यह अधिनियम 1950 में बनाया गया था, जब कृषि घरेलू पशुओं पर निर्भर थी, लेकिन वर्तमान में खेती के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिनियम की धारा 12 धार्मिक उद्देश्यों के लिए छूट प्रदान करती है। भट्टाचार्य ने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ वर्षों में मवेशियों की संख्या में अच्छी वृद्धि हुई है। इन याचिकाओं का विरोध करते हुए, राज्य और केंद्र के वकीलों ने कहा कि कुछ प्रतिबंध लगाने वाली अधिसूचना अधिनियम के प्रावधानों और इस उच्च न्यायालय के 2018 के निर्णय के अनुसार जारी की गई थी। उन्होंने बताया कि अधिसूचना में दिए गए प्रावधानों के अनुसार, मवेशियों की उम्र और स्वास्थ्य की जांच कानून के अनुसार की जानी चाहिए।

# रुपया सर्वकालिक निचले स्तर से उबरा, 50 पैसे बढ़कर 96.36 प्रति डॉलर पर

**मुंबई :** अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबर गया और 50 पैसे की तेजी के साथ 96.36 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भू-राजनीतिक तनाव में कमी के संकेतों और केंद्रीय बैंक के संभावित हस्तक्षेप से रुपये में यह तेजी आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालिया भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के बाद रुपये में मजबूती आई है। हालांकि, निवेशक अब भी भू-राजनीतिक जोखिम और तेल की कीमतों को लेकर सतर्क हैं। उन्होंने बताया कि एक साल के 'फॉरवर्ड' बाजार में रुपये की दर बुधवार को महत्वपूर्ण 100 प्रति डॉलर के स्तर तक पहुंच गई थी। यह संकेत देता है कि बाजार पहले से ही अगले 12 महीनों में डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर रहने का अनुमान जता रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया बृहस्पतिवार को डॉलर के मुकाबले 96.25 पर खुला। इसके बाद कारोबार के दौरान 96.05 के उच्च और 96.60 के निचले स्तर तक गया। अंत में यह 96.36 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 50 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.95 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर को छूने के बाद अपने सर्वकालिक निचले स्तर 96.86 पर बंद हुआ था। यह भी एक नया निचला बंद स्तर था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, भू-राजनीतिक तनाव में कमी के शुरुआती संकेतों और केंद्रीय बैंक के सक्रिय हस्तक्षेप से रुपया संभला है।

### भोजशाला मामले में मुस्लिम पक्ष ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी

**नयी दिल्ली :** भोजशाला मामले में मुस्लिम पक्ष ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के फैसले को बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था राज्य के धार जिले में स्थित विवादित भोजशाला परिसर देवी सरस्वती को समर्पित मंदिर है। हिंदू समुदाय भोजशाला को देवी सरस्वती का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला मस्जिद कहता है। धार जिले में स्थित यह विवादित परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है। मस्जिद के कार्यवाहक काजी मोइनुद्दीन द्वारा दायर अपील में उच्च न्यायालय के 15 मई के आदेश को चुनौती दी गई है।

# मोदी की पांच देशों की यात्रा से देश के हर वर्ग के हित में ठोस परिणाम हासिल हुए : गोयल

**नयी दिल्ली :** केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पांच देशों की यात्रा से देश के हर वर्ग के हित में ठोस परिणाम हासिल हुए हैं। साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री को गद्दार कहे जाने पर तीखा पलटवार किया। भाजपा मुख्यालय में आयोजित 'प्रेस वार्ता' को संबोधित करते हुए गोयल ने प्रधानमंत्री की हाल में संपन्न यूएई, नॉर्वे, स्वीडन, नीदरलैंड और इटली की यात्रा के परिणामों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मोदी इस दौरे से देश के हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ लेकर लौटे हैं। गोयल ने कहा कि चाहे देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना हो, रक्षा क्षेत्र को सशक्त बनाना हो, विदेशी निवेश आकर्षित करना हो या निर्यात बढ़ाना - प्रधानमंत्री की इस विदेश यात्रा से विभिन्न क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि अपने पांच दिवसीय विदेश दौरे के दौरान प्रधानमंत्री को तीन अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, ''एक ओर पूरा विश्व प्रधानमंत्री मोदी पर अपार विश्वास जताता है, वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी, जिनकी सोच नकारात्मक है, अपने शब्दों और भाषा के माध्यम से बार-बार अपना असली स्वभाव और चरित्र उजागर करते हैं। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिये ओछी भाषा का इस्तेमाल करना और अपशब्द कहना वास्तव में निंदनीय है। मंत्री ने कहा, ''मुझे बताइए, क्या नक्सलवाद का अंत करना 'गद्दारी' का काम है, या वर्षों तक कांग्रेस के शासन में नक्सलवाद को बढ़ने देना असली 'गद्दारी' थी? क्या तिरंगे का वैश्विक सम्मान बढ़ाना 'गद्दारी' है? उन्होंने सवाल किया, या उसे 'गद्दारी' माना जाएगा जब कोई विदेश जाकर भारत के तिरंगे का अपमान करता है?'' वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, क्या आतंकवाद की कमर तोड़कर उसे करारा जवाब देना 'गद्दारी' माना जाएगा, या फिर आतंकवादियों को बिरयानी खिलाने और उनसे समझौते करने को 'गद्दारी' कहा जाना चाहिए? गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को सुरक्षित रखा है, जो उनके सच्चे देशभक्त होने को दर्शाता है।

# ट्रंप और पुतिन की चीन यात्रा, दोनों नेताओं ने बीजिंग के साथ अपने अलग-अलग संबंधों को प्रदर्शित किया

**बीजिंग :** चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप और रूसी नेता व्लादिमीर पुतिन के साथ हाल में हुई शिखर बैठकें काफी हद तक एक जैसी दिखीं, जिनमें तियानमेन चौराहे पर औपचारिक रुप से हाथ मिलाना, गु-लदस्ते लहराते बच्चों द्वारा उत्साहपूर्ण अभिवादन करना और सैन्य टुकड़ियों का मार्च शामिल था। इन यात्राओं से भी यह भी सामने आया कि कैसे अमेरिका और रूस के साथ चीन के रिश्ते अलग-अलग हैं। ट्रंप की यात्रा के दौरान, चीन ने अमेरिका के साथ संबंधों को स्थिर करने की कोशिश की, जबकि रूसी राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा ने रूस एवं चीन के बीच रणनीतिक साझेदारी को प्रगाढ़ करने का काम किया। शी ने ट्रंप की यात्रा के दौरान औपचारिक आतिथ्य सत्कार पर जोर दिया, जिसमें झोंगनानहाई का दौरा भी शामिल था। यह पूर्व शाही उद्यान है लेकिन अब चीन सरकार का मुख्यालय है। 'ग्रेटर चाइना प्रैक्टिस फोर द एशिया ग्रुप' से संबद्ध जार्ज चेन ने कहा, ''शी जानते हैं कि ट्रंप के लिए यही मायने रखता है। वीआईपी जैसा व्यवहार किया जाना, कैमरों के सामने सम्मान पाना।'' चेन ने कहा कि पुतिन के साथ शी ने संबंधों की गहराई पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा, ''मैत्री संधि की पुष्टि करना, नये ऊर्जा समझौतों पर हस्ताक्षर करना और अपनी असीमित साझेदारी पर फिर से जोर देना।'' अमेरिकी राष्ट्रपति तीन दिन चीन में रहे, जबकि पुतिन ने दो दिवसीय यात्रा की। दोनों ने तियानमेन चौक के पास स्थित 'ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल' में शी के साथ अकेले में बैठकें भी कीं। हालांकि, ट्रंप की यात्रा में कोई सार्वजनिक समझौता-हस्ताक्षर समारोह शामिल नहीं था, पुतिन और शी की भेंटवार्ता में द्विपक्षीय समझौतों एवं समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए। ट्रंप ने 'टेंपल ऑफ हेवन' का व्यक्तिगत दौरा भी किया और झोंगनानहाई के शाही उद्यानों में सैर की। इसके विपरीत, पुतिन ने शी के साथ अपना अधिकांश समय 'ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल' के अंदर बिताया। पिछले सप्ताह की यात्रा राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप की चीन की दूसरी यात्रा थी। पुतिन के लिए चीन की उनकी यह 25वीं यात्रा थी। दोनों शिखर सम्मेलनों के बीच मुख्य अंतर उनके संदेशों में था। ट्रंप के साथ बातचीत में शी ने दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच महीनों के तनाव और व्यापार युद्ध के बाद अपेक्षाकृत स्थिर संबंध बनाए रखने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया। पुतिन के साथ, शी ने एक दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत और प्रगाढ़ करने की कोशिश की, जो दोनों देशों के लिए रणनीतिक और आर्थिक, दोनों रूप से महत्वपूर्ण है।

# साइप्रस भारतीय कंपनियों के लिए यूरोप का प्रवेश द्वार, मुंबई में खोलेगा व्यापार केंद्र

**मुंबई :** साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह द्वीपीय देश यूरोप में विस्तार करने की इच्छुक भारतीय कंपनियों के लिए प्रवेश द्वार के रूप में काम कर सकता है। उन्होंने सीमा-पार साझेदारियों को सुगम बनाने के लिए भारत की वित्तीय राजधानी में एक व्यापार केंद्र स्थापित करने की घोषणा भी की। द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश संबंधों को प्रगाढ़ करने के उद्देश्य से 'मुंबई व्यापार केंद्र' एक सितंबर 2026 से चालू हो जाएगा। 'साइप्रस-भारत व्यापार मंच' को संबोधित करते हुए साइप्रस के राष्ट्रपति ने कहा कि भूमध्यसागरीय देश भारतीय व्यवसायों के लिए न केवल यूरोपीय संघ बल्कि व्यापक पूर्वी भूमध्य, खाड़ी और उत्तरी अफ्रीका के बाजारों तक पहुंच बनाने के लिए एक आधार के रूप में कार्य करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, '' साइप्रस व्यापार केंद्र को व्यापारिक संपर्क के एक आधार के रूप में काम करने के लिए तैयार किया गया है, जो भारतीय कंपनियों को साइप्रस और पूरे यूरोप में अवसरों का पता लगाने में मदद करेगा। साइप्रस की कंपनियों के साथ साझेदारी को प्रोत्साहित करेगा और स्थिर, पारदर्शी तथा पूर्ण रूप से यूरोपीय संघ-अनुपालन वाले कारोबारी माहौल के जरिये यूरोपीय संघ तक पहुंच को आसान बनाएगा।'' राष्ट्रपति ने कहा कि साइप्रस डिजिटल प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा (एआई), वित्तीय सेवाएं एवं वित्तीय प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स व माल ढुलाई अवसंरचना, पर्यटन व समुद्री सेवाओं जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ सहयोग की मजबूत संभावनाएं देखता है। साइप्रस को भारतीय व्यवसायों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करते हुए, उन्होंने यूरोपीय संघ और यूरो क्षेत्र की सदस्यता, 45 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं के यूरोपीय संघ के एकल बाजार तक पहुंच, एक सामान्य कानून-आधारित कानूनी ढांचा और अंग्रेजी भाषी व्यावसायिक माहौल का उल्लेख किया। उन्होंने साइप्रस के 15 प्रतिशत कॉरपोरेट आयकर दर (जो यूरोपीय संघ में सबसे कम में से एक है) और 65 से अधिक देशों (जिनमें भारत भी शामिल है) के साथ दोहरे कराधान समझौतों के व्यापक नेटवर्क का भी उल्लेख किया। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय कंपनियां खासकर प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं और डिजिटल नवाचार के क्षेत्रों में, यूरोप में प्रवेश के लिए तेजी से साइप्रस का उपयोग कर रही हैं।

## महंगी मशीनें विलासिता नहीं बुनियादी जरूरत

गाल बजाते राजनेता और लोक कल्याणकारी होने का दावा करती सरकारों की नाक के नीचे सरकारी अस्पतालों की कैसी बदहाली है, ये किसी से नहीं छिपा है। लोकलुभावन कार्यक्रमों पर पैसा पानी की तरह बहाने वाली सरकारों व मंत्रियों की प्राथमिकताओं में, वे सरकारी अस्पताल कभी नहीं रहे हैं, जो गरीबों व साधनविहीन लोगों का अंतिम आश्रय होते हैं। कायदे से तो सरकारों को इस मुद्दे को प्राथमिकता मानते हुए तत्काल प्रभाव से अस्पतालों की दशा सुधारनी चाहिए। लेकिन विडंबना है कि हर बार न्यायालय को ही जनहित से जुड़े मुद्दों पर सख्ती दिखाकर सरकारों को कार्रवाई करने को कहा जाता है। एक बार फिर पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश से पंजाब तथा हरियाणा सरकारों की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के संचालकों को एक बेहद जरूरी झटका लगा है। हाईकोर्ट ने दोनों राज्यों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिला अस्पताल में आईसीयू सुविधाओं के साथ-साथ सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निश्चित रूप से न्यायालय के इस तरह के सकारात्मक हस्तक्षेप से स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सत्ताधीशों के वायदों और उनके क्रियान्वयन के बीच बढ़ती खाई ही उजागर होती है। वहीं अदालत की कार्यवाही के दौरान पंजाब सरकार की ओर से न्यायालय को सूचित किया गया कि राज्य के 23 जिलों में से केवल छह जिला अस्पतालों में ही एमआरआई की सुविधा उपलब्ध है। दूसरी ओर राज्य के अस्पतालों में दो हजार से अधिक जनरल मेडिकल ऑफिसरों के पद और अन्य सैकड़ों विशेषज्ञों के पद खाली पड़े हुए हैं। वहीं कई जिलों के सरकारी अस्पतालों में कार्यशील आईसीयू की कमी है। अदालत ने हरियाणा सरकार से भी गहन देखभाल व निदान सुविधाओं की कमियों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। निस्संदेह, इन खामियों से फिर उजागर हुआ है कि अनेक सरकारी अस्पतालों में महंगे चिकित्सा उपकरण अक्सर बिना इस्तेमाल के या कम उपयोग में क्यों रहते हैं। वहीं दूसरी ओर विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा भी गरीब व जरूरतमंद मरीजों की तात्कालिक जरूरतों को अनदेखा ही किया जाता है।

न्यायालय की इस बात से बिल्कुल सहमत हुआ जा सकता है कि मौजूदा दौर में सीटी स्कैन,एमआरआई और आईसीयू तक मरीजों की पहुंच विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकता बन गई है। जो इस बात पर भी बल देता है कि सरकारें जिला स्तरीय क्रियाशील बुनियादी ढांचा बनाने के बजाय अनिश्चित काल तक आउटसोर्सिंग या रेफरल प्रणालियों पर निर्भर नहीं रह सकती हैं। वास्तव में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली केवल खरीद की कमी से ही नहीं, बल्कि बिना योजना के भारी-भरकम खरीद की प्रवृत्ति से भी ग्रस्त है। वहीं दूसरी ओर अकसर तकनीशियनों की अनुपलब्धता से एमआरआई मशीनें स्थापित नहीं हो पाती हैं। वहीं अनुबंध समाप्त होने के कारण अक्सर वेंटिलेटर धूल खाते रहते हैं। दूसरी तरफ रेडियोलॉजिस्ट और बायोमेडिकल इंजीनियरों की अनुपस्थिति के कारण निदान सेवाओं को आउटसोर्स किया जाता है। बार-बार की गई ऑडिट रिपोर्टों से पता चलता है कि सरकारी अस्पतालों में करोड़ों रुपये के जीवन रक्षक उपकरण महीनों से लेकर वर्षों तक बेकार ही पड़े रहते हैं। जिसका खमियाजा जरूरतमंद मरीजों को उठाना पड़ता है। किसी भी अस्पताल में एक खराब सीटी स्कैनर की वजह से दुर्घटना पीड़ितों, कैंसर के मरीजों और हृदयाघात के रोगियों के उपचार में देरी होती है। दूसरी ओर सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों का हर एक खाली पद कमजोर वर्ग के लोगों को महंगे निजी अस्पतालों में उपचार के लिये धकेल देता है। यह विडंबना ही है कि दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों के मरीज अक्सर लंबी दूरी तय करके सरकारी अस्पतालों तक पहुंचते हैं। अक्सर देखा जाता है कि उन्हें या तो मशीनें काम न करने वाली मिलती हैं या चलाने वाले कर्मचारी नहीं मिलते। निर्विवाद रूप से केवल मशीनें लगाने से ही मरीजों की समस्या का समाधान नहीं हो जाता। सही मायनों में सरकारी अस्पतालों में उपकरणों की उपलब्धता के साथ ही डॉक्टरों, तकनीशियनों आदि की जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी ही चाहिए। वास्तव में किसी भी स्वास्थ्य सेवा का मूल्यांकन खरीदी गई महंगी मशीनों से नहीं, बल्कि सही समय पर उपचार का लाभ पाने वाले मरीजों की संख्या से होता है।

## आज का पंचांग

**कोलकाता :** 22 मई, शुक्रवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष षष्ठी, 06:25 तक, नक्षत्र : आश्लेषा, 26:07 तक, योग : वृद्धि, 08:17 तक, सूर्योदय: 04:54, सूर्यास्त: 18:12, चन्द्रोदय : 10:59, चन्द्रास्त: 24:19, शक सम्वत: 1948 पराभव, सूर्य राशि : वृषभ, चन्द्र राशि : कर्क, राहू काल : 10:32 से 12:10

## राशिफल

**मेष :** आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदों और बड़ी राहत का संदेश लेकर आया है। लंबे समय से अटका कोई काम आखिरकार पूरा हो सकता है, जिससे मन हल्का महसूस करेगा।

**वृष :** आज कुछ खास लोगों से मुलाकात आपके करियर और बिजनेस के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। हालांकि किसी दूर के रिश्तेदार से मिली खबर थोड़ी चिंता बढ़ा सकती है।

**मिथुन :** आज आपकी सूझबूझ और फैसले लेने की क्षमता आपको दूसरों से आगे रखेगी। विरोधियों की बातों में आकर कोई गलती करने से बचें। घर में शादी-विवाह की चर्चा भी जोर पकड़ सकती है।

**कर्क :** आज वैवाहिक जीवन में प्यार और समझदारी का सुंदर संतुलन देखने को मिलेगा। माताजी से किया गया वादा पूरा करने का अवसर मिलेगा। कोई सूचना दिन को और खास बना सकती है।

**सिंह :** आज का दिन खुशियों और उपलब्धियों से भरा रहेगा। कोई महत्वपूर्ण जानकारी आपके लिए नए रास्ते खोल सकती है। परिवार के साथ बिताया गया समय रिश्तों में और मजबूती लाएगा।

**कन्या :** आज आर्थिक मामलों में किस्मत आपका पूरा साथ दे सकती है। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने के योग हैं और आय बढ़ने से मन प्रसन्न रहेगा। सोच-समझकर कदम उठाना जरूरी होगा।

**तुला :** आज का दिन काफी भागदौड़ और व्यस्तता से भरा रह सकता है। अपने काम खुद करने की कोशिश करें और दूसरों पर ज्यादा निर्भर न रहें। पुराने मित्र से मुलाकात दिल को खुश कर देगी।

**वृश्चिक :** आज सेहत में थोड़ा उतार-चढ़ाव रह सकता है, इसलिए खान-पान पर विशेष ध्यान दें। अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है। रक्त संबंधों में मजबूती आएगी।

**धनु :** आज मन की कोई इच्छा अधूरी रहने से थोड़ी बेचैनी महसूस हो सकती है। काम में मन कम लगेगा, इसलिए खुद को सकारात्मक रखने की कोशिश करें।

**मकर :** आज अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। बिजनेस में अच्छा मुनाफा मिलने से मन प्रसन्न रहेगा और पुराना अटका पैसा भी वापस मिल सकता है। सहयोगी की बात दिल को चुभ सकती है।

**कुम्भ :** आज का दिन सामान्य से बेहतर साबित हो सकता है। अचानक यात्रा के योग बन रहे हैं। संतान यदि किसी परीक्षा में शामिल हुई थी तो उसका परिणाम खुशी दे सकता है।

**मीन :** आज बिजनेस में उतार-चढ़ाव के कारण मन थोड़ा अस्थिर रह सकता है। पार्टनरशिप में सतर्क रहना जरूरी होगा, क्योंकि धोखे की संभावना बन रही है।

# राजनीति सनातन विरोध की बजाय आममुद्दों पर केंद्रित हो

ललित गर्ग

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है-सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।

सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। सत्यं वद, धर्मं चर, वसुधैव कुटुम्बकम्, सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है।

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्म, विशेषकर सनातन और हिंदू आस्था को लेकर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमूक आदि विपक्षी दलों एवं उनके कुछ नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को व्यापक जनसमुदाय ने सनातन पर आक्षेप या हिंदू भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता के रूप में देखा, जिसके राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई दिए। किंतु इस विषय को केवल हिंदू विरोध बनाम राजनीतिक विरोध के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत एक लोकतांत्रिक और बहुलतावादी राष्ट्र है, जहां किसी भी राजनीतिक दल को सरकार, नीतियों या नेतृत्व का विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यदि वह विरोध आस्था, संस्कृति और बहुसंख्यक समाज की भावनाओं से टकराता हुआ प्रतीत हो, तो उसका राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई दलों के लिए यह धारणा चुनौती बनी कि वे सत्ता-विरोध की राजनीति करते-करते सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनाओं से दूर हो गए हैं। भारत में सनातन केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, परंपरा, संस्कृति, सहिष्णुता और सभ्यता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उसके प्रति असावधान भाषा या नकारात्मक संकेत जनमानस में प्रतिकूल प्रतिक्रिया उत्पन्न करते रहे हैं। दूसरी ओर लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा यह भी अपेक्षा करती है कि राजनीतिक विमर्श व्यक्तियों, नीतियों और शासन के मुद्दों पर केंद्रित रहे, न कि धार्मिक ध्रुवीकरण पर। राजनीतिक दलों के लिए यह आवश्यक है कि वे मतभेद रखें, आलोचना करें, लेकिन भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक संवेदनशीलता और आस्था के सम्मान का संतुलन बनाए रखें, क्योंकि जनता अंततः उसी नेतृत्व को स्वीकार करती है जो उसकी भावनाओं, परंपराओं और राष्ट्रीय मानस को समझने का प्रयास करता है। भारत की राजनीति को धर्म बनाम धर्म की लड़ाई से ऊपर उठकर जन बनाम जनसमस्या के विमर्श की ओर बढ़ना होगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता मंदिर भी चाहती है और रोजगार भी, आस्था भी चाहती है और अवसर भी, संस्कृति भी चाहती है और आधुनिकता भी। केवल धार्मिक ध्रुवीकरण किसी राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार नहीं बन सकता। आज आवश्यकता है कि राजनीतिक दल सनातन विरोध या हिंदू विरोध जैसे आरोप-प्रत्यारोपों की राजनीति से बाहर निकलें। यदि किसी परंपरा में सुधार की बात करनी है, तो वह सम्मानजनक भाषा और रचनात्मक दृष्टि से हो। सामाजिक न्याय का अर्थ सांस्कृतिक अस्वीकार नहीं होना चाहिए और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अन्य दृष्टियों का निषेध भी नहीं होना चाहिए। भारतीय सभ्यता की शक्ति उसकी विविधता और सहिष्णुता रही है। यहां शंकराचार्य भी हैं, बुद्ध भी हैं, महावीर भी हैं, कबीर भी हैं, वेद भी हैं और संविधान भी। भारत ने सदैव संवाद को संघर्ष से ऊपर रखा है। इसलिए राजनीति का भी दायित्व है कि वह समाज को जोड़ने वाली भाषा बोले। आज जब विश्व संघर्षों, सांस्कृतिक तनावों और पहचान की राजनीति से जूझ रहा है, तब भारत के पास वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश है। यही सनातन का वास्तविक स्वरूप भी है-समावेश, करुणा और सहअस्तित्व।

राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करना होगा कि वे जनता को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं-धार्मिक टकराव की ओर या राष्ट्रीय निर्माण की ओर? यदि राजनीति केवल आस्था के विवादों में उलझी रही, तो जनजीवन के वास्तविक प्रश्न पीछे छूट जाएंगे। लेकिन यदि राजनीति संस्कृति का सम्मान करते हुए विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता को केंद्र बनाएगी, तो भारत एक संतुलित और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ेगा। सनातन का अर्थ शाश्वत है, और शाश्वत वही होता है जो सबको साथ लेकर चले। इसलिए किसी भी प्रकार का अंध-विरोध या अंध-समर्थन समाधान नहीं हो सकता। आवश्यकता है विवेकपूर्ण दृष्टि, संतुलित राजनीति और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की। भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि वह आस्था का सम्मान करे, लेकिन राजनीति को जनहित का माध्यम बनाए। तभी लोकतंत्र भी मजबूत होगा और समाज भी समरस बनेगा।.

-लेखक,पत्रकार एवं स्तंभकार

# सुप्रीम कोर्ट का आवश्यक हस्तक्षेप

रोहित माहेश्वरी

देश में आवारा कुत्तों के हमलों और काटने की बढ़ती घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद महत्वपूर्ण और बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने अधिकारियों को उन पागल, गंभीर रूप से बीमार और भूखे आवारा कुत्तों को कानूनी रूप से इच्छा मृत्यु देने का निर्देश दिया है जो मानव जीवन के लिए खतरा बन चुके हैं। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की तीन सदस्यीय पीठ ने पशु प्रेमियों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश जारी किया। अदालत ने पिछले साल नवंबर में दिए गए अपने उस आदेश में संशोधन करने से इनकार कर दिया, जिसमें आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में स्थानांतरित करने की बात कही गई थी। पिछले साल जुलाई में रेबीज के कारण एक छह साल की बच्ची की मौत की खबर के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को स्वत: संज्ञान में लिया था, जिसके बाद लंबी सुनवाई के बाद यह ऐतिहासिक फैसला आया है।

फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा, गरिमा के साथ जीने के अधिकार में यह अधिकार भी शामिल है कि व्यक्ति कुत्तों के हमलों के डर के बिना स्वतंत्र रूप से जीवन जी सके। राज्य मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकता। अदालत भी उन कठोर जमीनी हकीकतों से आंखें नहीं मूंद सकती, जहां बच्चे, विदेशी यात्री और बुजुर्ग कुत्तों के काटने की घटनाओं का शिकार हुए हैं। संविधान ऐसे समाज की कल्पना नहीं करता, जहां बच्चों और बुजुर्गों का जीवन केवल शारीरिक ताकत या किस्मत के भरोसे हो। इसमें दो राय नहीं कि स्थानीय निकायों द्वारा आवारा कुत्तों को हटाने के संबंध में विगत में दिए अपने निर्देशों को नरम न करने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला बिगड़ते जन-सुरक्षा संकट में एक आवश्यक हस्तक्षेप है।

हाल के वर्षों में, देश भर में स्थानीय प्रशासन व निकाय कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार हो रही चिंताजनक वृद्धि को रोकने में विफल ही रहे हैं। ऐसे में शासन व प्रशासन स्तर पर इस समस्या के निराकरण की कोई सार्थक पहल न होते देख ही, शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के अनुसार, साल 2023 में तीस लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए थे। उसके अगले साल 2024 में रोकथाम के कोई ठोस प्रयास न होने के कारण 37 लाख मामले दर्ज किए गए। आंकड़े बता रहे हैं कि औसतन प्रतिदिन दस हजार घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं कई राज्यों व शहरों में इन घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। अदालत ने गौर किया कि एबीसी ढांचे की शुरुआत के बाद से लगभग दो दशक बीत जाने के बावजूद, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से लगातार बढ़ती आवारा कुत्तों की आबादी को प्रबंधित करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का विस्तार और सुदृढ़ करने के लिए निरंतर, व्यवस्थित और क्रमिक प्रयासों का स्पष्ट अभाव रहा है।

अदालत ने आवारा कुत्तों से जुड़ी घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि को उजागर करने वाली कई समाचार पत्रों की रिपोर्टों का भी हवाला दिया। अदालत ने कहा कि उदयपुर में 2026 में लगभग 1,750 कुत्ते के काटने के मामले दर्ज किए गए, जबकि भीलवाड़ा में एक ही दिन में 42 लोगों को कुत्ते ने काटा। अदालत ने यह भी बताया कि तमिलनाडु में 2026 के पहले चार महीनों में लगभग 2.63 लाख कुत्ते के काटने के मामले और 17 संबंधित मौतें दर्ज की गईं। पीठ ने यह भी टिप्पणी की कि यह मुद्दा आवासीय इलाकों से आगे बढ़कर हवाई अड्डों और अन्य सार्वजनिक स्थानों तक फैल गया है, और यह भी बताया कि नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के अधिकारियों ने 1 जनवरी, 2026 से हवाई अड्डे के टर्मिनलों में कम से कम 31 कुत्ते के काटने की घटनाओं को स्वीकार किया है।

केरलम राज्य के आंकड़ों के अनुसार, वहां एक साल के भीतर ही 3.6 लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले सामने आए हैं। वहीं दूसरी दिल्ली से सटे नोएडा में कुछ ही महीनों में हजारों शिकायतों के बाद हॉटस्पॉट की पहचान की गई। इन शिकायतों में स्कूलों के पास उनका जमावड़ा होना, चलने में असमर्थ बुजुर्ग नागरिकों का शिकार बनना व आम नागरिकों के आवारा कुत्तों के भय में जीने के मामले उजागर हुए हैं। दरअसल, विगत में भी इस संकट के कारगर समाधान के लिये शीर्ष अदालत ने सख्त निर्देश दिए थे। स्थानीय नगर निगम व नगर पालिकाओं की जवाबदेही तय की थी कि कुत्तों को शेल्टर होम ले जाकर उनकी नसबंदी की जाए और टीकाकरण किया जाए। लेकिन इस दिशा में कारगर पहल होती नजर नहीं आई। वहीं तसवीर का दूसरा पहलू है कि यह संकट समाज और संस्थाओं द्वारा जानवरों के प्रति किए जाने वाले व्यवहार में परेशान करने वाली विफलता को भी दर्शाता है।

साल 2022 में मत्स्य पालन और पशुपालन मंत्रालय ने संसद में जानकारी दी थी कि देश में सबसे अधिक आवारा कुत्तों की संख्या उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में है जबकि दादरा और नगर हवेली, लक्षद्वीप और मणिपुर में सड़कों पर कोई भी आवारा कुत्ता नहीं है। हालांकि मंत्रालय ने बताया था कि 2012 के मुक़ाबले 2019 में उत्तर प्रदेश में आवारा कुत्तों की संख्या घटकर 20.59 लाख हो गई थी।

निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट द्वारा कानूनी रूप से जानवरों को स्थानांतरित करने पर दिए गए जोर के साथ अब आश्रय स्थलों, नसबंदी केंद्रों, टीकाकरण अभियानों और पशु चिकित्सा सुविधाओं में अधिक निवेश करने की सख्त जरूरत है। निश्चय ही यह चुनौती एक जटिल विषय है। सही मायनों में चुनौती यह भी है कि एक मानवीय, जवाबदेह और प्रभावी आवारा पशु प्रबंधन व्यवस्था का निर्माण किया जाए, जो नागरिकों और कुत्तों, दोनों के हितों की रक्षा कर सके।

सदैव से ही कुत्ते की गिनती मनुष्य के वफादार साथी के रूप में की जाती रही है। सदियों से दोनों एक साथ रहे हैं। उन कारणों की भी पड़ताल की जानी चाहिए, जिनके चलते कुत्ते अचानक आक्रामक व्यवहार दिखाने लगे हैं।

निश्चय ही बढ़ता तापमान बदलते मौसमों के प्रति संवेदनशील इन जीवों को बेचैन किए हुए है। भूख व आश्रय के अभाव से उपजे असुरक्षा बोध ने भी उन्हें आक्रामक बनाने में भूमिका निभाई है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि यदि राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों ने समय रहते दूरदर्शिता के साथ काम किया होता, तो आज स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस मुद्दे पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। अदालत के निर्देशों के बाद अब राज्यों और नगर निकायों पर संस्थागत क्षेत्रों को आवारा कुत्तों से मुक्त रखने और प्रभावी नियंत्रण नीति लागू करने का दबाव बढ़ गया है।

फिलहाल सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद लागू इन नियमों को लेकर जहां पशु प्रेमियों में निराशा है वहीं कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं और पीड़ितों को इस आदेश से जरूर खुशी मिली होगी। यह आदेश लागू हैं और अब सख्ती से इनको अमल में लाया जाना बाकी है। देखना है कि इन आदेशों के बाद किस तरह की कार्रवाई को अंजाम दिया जाता है। ये समाधान सिर्फ सरकार या स्थानीय निकायों के बूते होना संभव नहीं है। पशु प्रेमियों की बड़ी पहल के परिणाम बदलाव लाने में सकारात्मक भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

-स्वतंत्र पत्रकार

## विदेश

### भारत ने नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर को विशेष प्रकार की चंदन की लकड़ी भेंट की

**काठमांडू :** भारत ने बृहस्पतिवार को नेपाल सरकार को चंदन की एक विशेष किस्म भेंट की, जिसका उपयोग काठमांडू के बाहरी इलाके में स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में किया जाएगा। बागमती नदी के किनारे स्थित पशुपतिनाथ मंदिर सबसे प्रतिष्ठित हिंदू मंदिरों में से एक है, जहां नेपाल और भारत दोनों देशों के लोग दर्शन करने आते हैं। मंदिर के कामकाज का प्रबंधन करने वाले पशुपति क्षेत्र विकास ट्रस्ट के अधिकारियों के अनुसार, भारत के गृह मंत्री अमित शाह ने पशुपतिनाथ मंदिर के श्री यंत्र की पूजा के लिए 40 किलोग्राम से अधिक चंदन की लकड़ी भेजी है। भारत द्वारा उपहार में दी गई चंदन की लकड़ी नेपाल की प्रतिनिधि सभा के सदस्य संदीप राणा के समन्वय से पशुपतिनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी गणेश भट्ट को सौंपी गई।

### यूक्रेन ने रूस के अंदरुनी इलाके में तेल रिफाइनरी को निशाना बनाने का दावा किया

**कीव :** यूक्रेन ने बुधवार रात ड्रोन हमले कर रूस के अंदरुनी इलाके में तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया, जिससे उसमें आग लग गई और धुएं का गुबार देखा गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बृहस्पतिवार को यह दावा किया। यूक्रेन द्वारा रूस के महत्वपूर्ण तेल उद्योग पर लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों से हमला करने की यह नवीनतम घटना है।

## वर्ग पहेली नं. 3446

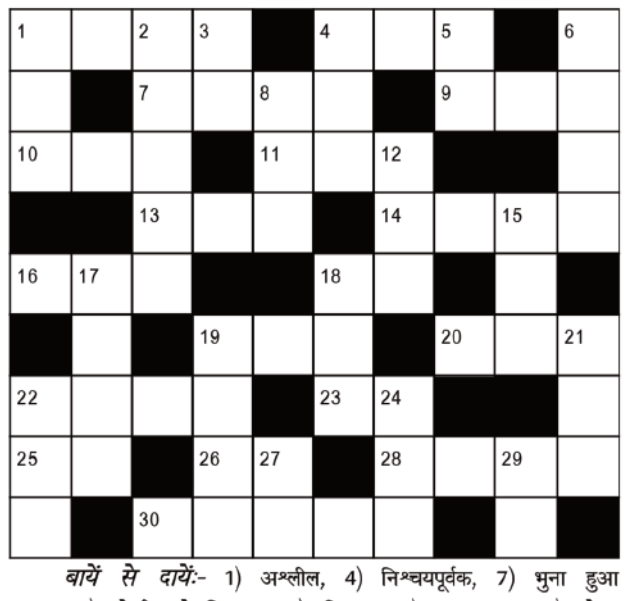

*ऊपर से नीचे:-* 1) दुश्मनी, 2) असंभव, 3) हाथ का पंजा, 4) बोतल, 5) अर्थात, 6) निकटता, 8) दरबारी सलाम, 12) गधा, 15) ढोल, 17) हिटलर, 18) हाथी, 19) हठ; प्रतिष्ठा; वैभव, 21) सावधान, 22) लंबा; ख़ाना, 24) ठीक नहीं, 27) रक्तवाहिनी, 29) विराट. *(उत्तर: अगले अंक में)*

*बायें से दायें:-* 1) अश्लील, 4) निश्चयपूर्वक, 7) भुना हुआ चावल, 9) बोली; घोषविक्रय, 10) शिक्षा, 11) जबरदस्त, 13) छोर; तीर, 14) भेदभावहीनता, 16) नटखट, 18) घड़ा, 19) पुत्र, 20) अभिव्यक्ति इच्छा; तीव्रोन्माद, 22) दशकंठ, 23) नस, 25) रास्ता, 26) वकीलों का समूह; मद्यकक्ष, 28) अनुमानित, 30) काल्पनिक.

*पिछली पहेली का उत्तर*

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मु | क़ | द | मा | ■ | आ | रं | भ | ■ | म |
| ■ | ■ | म | ल | म | ल | ■ | ला | ग | त |
| अ | मु | क | ■ | का | य | र | ■ | द | ब |
| भ | ■ | ■ | म | न | ■ | ह | ल्ल | ■ | ता |
| क | रा | मा | त | ■ | नी | म | ■ | नं | ■ |
| ■ | के | ■ | ल | हू | ■ | त | ब | दी | ल |
| ■ | श | रा | बी | ■ | चा | ■ | द | ■ | श |
| हा | ■ | स्ट्री | ■ | ह | ट | क | ना | ■ | क |
| नि | हा | य | त | ■ | ना | ■ | म | यू | र |

*Mob. No.* 08329510310

## सुडोकू-पहेली-3404

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | |
| 4 | 1 | | | | | 7 | | |
| | | | 4 | 9 | | 1 | 2 | |
| | 6 | | | 2 | | | | |
| | | 7 | 3 | | | 6 | | 4 |
| | | | 1 | | 7 | | 3 | |
| | 7 | | | | 5 | | | |
| | 8 | | | | | | | 3 |
| 9 | 2 | 4 | | | 1 | | | |

**प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।**

••••

**आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।**

**सूडोकू पहेली - 3403 का उत्तर**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 9 | 5 | 3 | 1 | 7 | 8 | 4 | 6 |
| 8 | 4 | 7 | 9 | 2 | 6 | 1 | 5 | 3 |
| 6 | 3 | 1 | 5 | 8 | 4 | 9 | 7 | 2 |
| 1 | 8 | 9 | 2 | 4 | 3 | 5 | 6 | 7 |
| 4 | 6 | 3 | 7 | 9 | 5 | 2 | 8 | 1 |
| 5 | 7 | 2 | 1 | 6 | 8 | 4 | 3 | 9 |
| 7 | 2 | 6 | 4 | 5 | 9 | 3 | 1 | 8 |
| 3 | 1 | 4 | 8 | 7 | 2 | 6 | 9 | 5 |
| 9 | 5 | 8 | 6 | 3 | 1 | 7 | 2 | 4 |

## दुर्गापुर में प्रशासनिक बैठक : फिजूलखर्ची पर रोक, पारदर्शी शासन और जल्द चुनाव का संकेत

# राज्य सरकार नगर निकायों के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही : शुभेंदु अधिकारी

**पश्चिम बर्दवान**



मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार पंचायतों और नगर निकायों के कामकाज को सामान्य करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पश्चिम बर्दवान जिले के दुर्गापुर स्थित श्रीजानी हॉल में प्रशासनिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कई कस्बों और शहरों में नगर निकायों का कामकाज ठप्प हो जाने से लोगों को असुविधा हो रही है। उन्होंने कहा कि पंचायतें और नगरपालिकाएं बंद हैं, और इसके चलते आम लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। किसी को भी पंचायतों और नगरपालिकाओं के कामकाज को ठप्प करने का कोई अधिकार नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) को निर्देश दिए गए हैं कि वे कल्याणकारी योजनाओं के निर्बाध कार्यान्वयन और जमीनी स्तर पर प्रशासनिक कार्यों की निरंतरता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बीडीओ पंचायत समिति के कार्यकारी अधिकारी होते हैं। वे यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी योजनाएं लागू हों। हमने केंद्र सरकार की सभी योजनाओं को अपनाया है और आयुष्मान भारत, विश्वकर्मा योजना और उज्ज्वला योजना का लाभ लोगों तक पहुंचना चाहिए। शुभेंदु ने कहा कि मानसून के दौरान की तैयारियों और सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना उनकी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में चर्चा किया गया चौथा मुद्दा मानसून के दौरान की तैयारियों से संबंधित है। पांचवां मुद्दा जबरन वसूली की संस्कृति को पूरी तरह से बंद करना और सरकारी राजस्व में होने वाले रिसाव को रोकना है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बर्दवान और पूर्व बर्दवान जिलों में अवैध रेत खनन के कारण राजस्व का भारी नुकसान हुआ है, और भाजपा के सत्ता में आने के बाद ऐसी खदानें बंद कर दी गईं। अधिकारी ने कहा कि वह 'डबल इंजन सरकार' के लाभ जनता तक पहुंचाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने आसनसोल, चित्तरंजन, आंदल और दुर्गापुर की उपेक्षा की। हमें दो से तीन महीने का समय दीजिए। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री पांच मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ यहां आए थे। क्या सड़कें बंद थीं? पहले ऐसी बैठकों में 2-4 करोड़ रुपये का खर्च होता था। हम अनावश्यक खर्च कम करने के लिए कदम उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में आधिकारिक कार्यक्रमों के दौरान अधिकारियों और पुलिस कर्मियों की भारी तैनाती से अनावश्यक खर्च हुआ। पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तंज कसते हुए अधिकारी ने कहा कि पहाड़ी इलाकों में बाढ़ से लोग परेशान होंगे और मुख्यमंत्री दुर्गा पूजा उत्सव का आनंद लेंगी - अब ऐसा नहीं होगा।

# आरजी कर दुष्कर्म-हत्या मामले में हाई कोर्ट ने नई तीन सदस्यी एसआईटी की गठित

## सबूत नष्ट करने और मामले को दबाने की होगी जांच

**कोलकाता, समाज्ञा**



कलकत्ता उच्च न्यायालय ने आरजी कर दुष्कर्म-हत्या मामले में गुरुवार को सीबीआई की तीन सदस्यीय विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया, जो पीड़िता प्रशिक्षु डॉक्टर द्वारा नौ अगस्त 2024 की रात को भोजन करने से लेकर उनके अंतिम संस्कार तक के घटनाक्रम की जांच करेगी। आरोप हैं कि सबूतों को नष्ट किया गया और घटना के तुरंत बाद मामले को दबाने की कोशिश की गई। न्यायमूर्ति शम्पा सरकार और न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की खंडपीठ ने कहा कि सीबीआई के संयुक्त निदेशक (पूर्वी क्षेत्र) एसआईटी का नेतृत्व करेंगे। टीम के अन्य दो सदस्यों का चयन न्यायालय के आदेश के 48 घंटों के भीतर किया जाएगा। पीठ ने कहा कि इस भयावह घटना के सामाजिक परिणामों को ध्यान में रखते हुए, तीन सदस्यीय एसआईटी साक्ष्यों को नष्ट करने और मामले को दबाने के आरोपों की जांच करेगी। एसआईटी को घटना की रात प्रशिक्षु डॉक्टर के अस्पताल में भोजन करने से लेकर अगली शाम उनके अंतिम संस्कार तक की घटनाओं की जांच करने का निर्देश दिया गया है। अदालत ने एसआईटी को 25 जून तक एक विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया, जिस दिन मामले की अगली सुनवाई होगी।

उल्लेखनीय है कि पीड़िता के माता-पिता ने अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म और हत्या की विस्तृत जांच का अनुरोध करते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की, जिसमें उन्होंने दावा किया कि इस जघन्य अपराध में एक से अधिक व्यक्ति शामिल थे।


**परीक्षार्थीगण ध्यान दें!!**

**सियालदह मंडल की ट्रेनों के आवागमन में विशेष व्यवस्था**

वेस्ट बंगाल जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (डब्ल्यूबीजेईई-2026) और सिविल सर्विसेज (प्रिलिमिनरी) एग्जाम 2026 के लिए अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए, सियालदह मंडल में रविवार को रद्द रहने वाली उपनगरीय ट्रेन सेवाएं **दिनांक 24.05.2026 (रविवार)** को दिन की पहली निर्धारित सेवा से शुरू करके सुबह 11.00 बजे तक (यात्रा शुरू के स्टेशन से प्रस्थान के आधार पर) अपने सप्ताह के दिनों की अनुसूची के अनुसार चलेंगी।

सभी **वातानुकूलित ईएमयू लोकल ट्रेनें रविवार की अनुसूची का अनुसरण करेंगी**; अर्थात, निम्नलिखित वातानुकूलित लोकल ट्रेनें दिनांक 24.05.2026 (यात्रा शुरू की तारीख) को चलेंगी: (1) **31638/31637** रानाघाट-सियालदह-रानाघाट वातानुकूलित ईएमयू लोकल। (2) **31847/31848** सियालदह-कृष्णनगर सिटी-सियालदह वातानुकूलित ईएमयू लोकल।

**मंडल रेल प्रबंधक, सियालदह**

**पूर्व रेलवे**



**पूर्व रेलवे**

**ई-नीलामी आमंत्रण सूचना**

**ई-नीलामी सूचना सं. : सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/26/13** **दिनांक : 19.05.2026**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा हावड़ा मंडल के तहत वीडियो वॉल एवं ईएमयू रेक के वाणिज्यिक प्रचार का अनुबंध प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। **कैटलॉग सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-26-13, नीलामी शुरू होने की तिथि और समय:** 03.06.2026 को 12.00 बजे। **क्रम सं., अनुक्रम सं., लॉट सं. और विवरण** निम्नानुसार हैं: **(1) एए/1, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केडब्ल्यूई-ओएच-156-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम),** हावड़ा मंडल के कटवा रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। **(2) एए/2, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एनडीएई-ओएच-157-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम),** हावड़ा मंडल के नबद्वीपधाम रेलवे स्टेशन के अस्थायी बुकिंग कार्यालय के पास सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। **(3) एए/3, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-डीकेएई-ओएच-160-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम),** हावड़ा मंडल के डानकुनी रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से रेलवे सूचना और वाणिज्यिक विज्ञापन के परिचालन, रखरखाव और प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। **(4) एए/4, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एजेड-ओएच-163-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम),** हावड़ा मंडल के आजिमगंज रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। **(5) एए/5, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एएमबीजी-ओएच-164-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम),** हावड़ा मंडल के तहत आरामबाग रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के पास सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। **(6) एबी/1, एडीवीटी-आईएनटीईएक्सटी-एस1-ईएमयूआर15-26-1 (विज्ञापन-ट्रेन इंटीरियर एवं एक्सटीरियर),** हावड़ा मंडल में चलने वाली 12 कोच की ईएमयू रेक (आर-15) के कोचों के अंदर निर्दिष्ट स्थानों पर और संपूर्ण साइड वॉल (खिड़कियों और अनिवार्य साइनेज को छोड़कर) की बाहरी सतह पर विनाइल रैपिंग (आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन के अनुसार ग्राफिक फिल्म) के माध्यम से तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए वाणिज्यिक प्रचार का अधिकार प्रदान करना। **(7) एबी/2, एडीवीटी-आईएनटीईएक्सटी-एस1-ईएमयूरेक31-26-1 (विज्ञापन-ट्रेन इंटीरियर एवं एक्सटीरियर),** हावड़ा मंडल में चलने वाली 12 कोच की ईएमयू रेक के कोचों के अंदर निर्दिष्ट स्थानों पर और संपूर्ण साइड वॉल (खिड़कियों और अनिवार्य साइनेज को छोड़कर) की बाहरी सतह पर विनाइल रैपिंग (आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन के अनुसार ग्राफिक फिल्म) के माध्यम से तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए वाणिज्यिक प्रचार का अधिकार प्रदान करना। **(8) एबी/3, एडीवीटी-आईएनटीईएक्सटी-एस1-ईएमयूरेक32-26-1 (विज्ञापन-ट्रेन इंटीरियर एवं एक्सटीरियर),** हावड़ा मंडल में चलने वाली 12 कोच की ईएमयू रेक के कोचों के अंदर निर्दिष्ट स्थानों पर और संपूर्ण साइड वॉल (खिड़कियों और अनिवार्य साइनेज को छोड़कर) की बाहरी सतह पर विनाइल रैपिंग (आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन के अनुसार ग्राफिक फिल्म) के माध्यम से तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए वाणिज्यिक प्रचार का अधिकार प्रदान करना। HWH-87/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter



**NAME CHANGE**

I ARUN DAS Unit-58 WEU R/o. Vill+ PO-Tilkhoja, P.S-Moyna, Dist-Purba Medinipur, State-West Bengal, Pin-721629. My. service No-15679641P, Rank. HAV. I am citizen of India. SAHADEB DAS is my father. In my Army Service Records, My Father's Name & D.O.B is wrongly recorded as SAHADEV DAS 01.07.1957. As per his identified Document I Aadhaar card, his correct Name & D.O.B is SAHADEB DAS 01.01.1953 which may be amended accordingly for all further Purposes. I am producing this Affidavit for the purpose of evidence for my father's Name & D.O.B.Affidavit date -12.05.2026,Notary Public at Tamluk. SAHADEV DAS and SAHADEB DAS both are the same and one identical person.

**NAME CHANGE**

I ARUN DAS Unit-58 WEU R/o. Vill + P.O-Tilkhoja. P.S- Moyna, Dist- Purba Medinipur, State-West Bengal, Pin-721629. My Service No-15679641P, Rank. HAV. I am citizen of India. SANDHYARANI DAS is my Mother. In my Army Service Records, My Mother's Name & D.O.B is wrongly recorded as SANDYA RANI DAS - 01.07.1967. As per her identified Document/ Aadhaar card, her correct Name & D.O.B IS SANDHYARANI DAS 01.01.1965 which may be amended accordingly for all further purposes. I am producing this Affidavit for the purpose of evidence mother's Name & D.O.B. for my Affidavit date-12-05-2026,Notary Public at Tamluk. SANDHYARANI DAS and SANDYA RANI DAS both are the same and one identical person.



**Khanakul-II Development Block**

Senhat, Rajhati, Bandar, Hooghly

**NOTICE INVITING TENDER**

The BDO Kh-II, **NIeT No. 01/BDO KH-II/2026-27, dt. 19.05.2026. Tender ID- 2026_ZPHD_1024804_1** for C.C. Road. Bids Submission Ends **06.06.2026 up to 03.00 P.M.** For details visit **wbtenders.gov.in**

Sd/-

**Block Development Officer**

**Khanakul-II Development Block**



GARHBETA-I DEVELOPMENT BLOCK

GARHBETA:: PASCHIM MEDINIPUR

ABRIDGED TENDER NOTICE

**e-NIT No.- WBPMID/GBT1/BDO/Tribal Dev./State Development Fund (25-26)/eNIT-01(02)/2026-27**

2 (two) nose e-Tender are invited by the Block Development Officer, Garhbeta-1 Dev, Block from the reliable bonafide resourceful bidders **of the following works under Teibal Development (Sate Fund)** within **Amlagora & Dhadika** Gram Panchayat having e-Tender ID: 2026_DMPMM_5014182_1 and 2026_ DMPMM_ 5014182_2. Details may be had from the website: **https:// tenders.wb.gov.in/ nicgep/ app.** Publishing Date **18.05.2026 at 6:00 P.M**, Bid submission start **19.05.2026 at 10:00 A.M** , Bid submission end **01.06.2026 at 04:00 P.M**

Sd/-

Block Development Block

Garhbeta- I Development Block.


# सरकारी अधिकारियों के लिए सख्त गाइडलाइन, बिना अनुमति मीडिया में बयान देने पर रोक

**कोलकाता, समाज्ञा**

राज्य सरकार ने एक परिपत्र जारी कर अपने कर्मचारियों के लिए लागू आचरण नियमों को दोहराया है, जिनके तहत बिना अनुमति मीडिया के साथ आधिकारिक दस्तावेज या जानकारी साझा करने और सार्वजनिक रूप से राज्य या केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करने पर रोक है।

मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से जारी परिपत्र में कहा गया है कि अखिल भारतीय सेवाओं, पश्चिम बंगाल सिविल सेवा, पश्चिम बंगाल पुलिस सेवा तथा अन्य राज्य सरकारी कर्मचारियों पर लागू मौजूदा आचरण नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। एक अधिकारी ने कहा कि इसका उद्देश्य कर्मचारियों को मीडिया से बातचीत और सूचनाओं के प्रसार से संबंधित आचरण नियमों में पहले से मौजूद प्रावधानों की याद दिलाना है। परिपत्र में एआईएस आचरण नियम, 1968 और पश्चिम बंगाल सरकारी कर्मचारी आचरण नियम, 1959 के प्रावधानों का उल्लेख किया गया है।

अधिकारी ने बताया कि सरकारी कर्मचारियों को बिना अनुमति के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मीडिया के साथ कोई भी दस्तावेज या जानकारी साझा करने से प्रतिबंधित किया गया है। इसमें कर्मचारियों को पूर्व अनुमति के बिना निजी तौर पर निर्मित या प्रायोजित मीडिया कार्यक्रमों में भाग लेने और सरकार से मंजूरी के बिना लेख, प्रसारण या प्रकाशन में योगदान देने से भी प्रतिबंधित किया गया है। परिपत्र में यह भी कहा गया है कि कर्मचारियों को किसी भी मीडिया में प्रकाशन, संवाद, कथन, प्रसारण या योगदान के माध्यम से राज्य या केंद्र सरकार की नीतियों या निर्णयों की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने की अनुमति नहीं होगी।

इसमें कहा गया है कि सार्वजनिक संचार जिससे राज्य और केंद्र सरकारों के बीच, राज्यों के बीच या विदेशों के साथ संबंधों में तनाव पैदा हो सकता है, वह भी प्रतिबंधित है। अधिकारी ने बताया कि परिपत्र में केवल 'मौजूदा सेवा आचरण मानदंडों' का उल्लेख किया गया है। यह निर्देश राज्य सरकार द्वारा पर्याप्त रूप से वित्त पोषित स्वायत्त निकायों, बोर्ड, निगमों, उपक्रमों और शैक्षणिक संस्थानों के कर्मचारियों पर भी लागू होता है।

### हिंसा मामले में तृणमूल विधायक जावेद खान ने किया आत्मसमर्पण, मिली जमानत

**कोलकाता, समाज्ञा :** कसबा विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस विधायक जावेद खान ने गुरुवार को अलीपुर अदालत में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद अदालत ने उन्हें व्यक्तिगत मुचलके पर जमानत दे दी। यह मामला विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के दिन तिलजला इलाके में हुई हिंसा से जुड़ा है। आरोप है कि चुनाव नतीजों के बाद क्षेत्र में तनाव और झड़प की घटनाएं हुई थीं, जिनमें जावेद खान समेत कुल 10 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में शामिल अन्य नौ आरोपित पहले ही अदालत में आत्मसमर्पण कर चुके हैं और फिलहाल जमानत पर हैं। जावेद खान ने गुरुवार को अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश होकर राहत की मांग की, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

## राज्य में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 500 कंपनियों की तैनाती 20 जून तक बढ़ायी गयी

**कोलकाता, समाज्ञा :** केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार के अनुरोध पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की 500 कंपनियों की तैनाती चुनाव बाद कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 20 जून तक बढाने का फैसला किया है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने केंद्रीय बलों की तैनाती चुनाव के बाद अक्टूबर के अंत तक बढ़ाने का अनुरोध किया था। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार के अनुरोध पर विचार किया गया है। राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि सीएपीएफ की 500 कंपनियां 20 जून तक राज्य में तैनात रहेंगी। इनमें सीआरपीएफ की 200, बीएसएफ की 150 और सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी की 50-50 कंपनियां शामिल हैं। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विधानसभा चुनाव के बाद संवेदनशील क्षेत्रों में कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की मदद के लिए इन बलों को रखा गया है। अधिकारी ने कहा कि तैनाती का उद्देश्य संवेदनशील क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करना और किसी भी अप्रिय घटना को रोकना है। राज्य पुलिस और सीएपीएफ के बीच समन्वय जारी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सरकार से राज्य में तैनात केंद्रीय बलों के लिए आवश्यक साजोसामान, आवास और अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा है।

# अभिषेक बनर्जी को राहत, हाई कोर्ट ने 31 जुलाई तक दंडात्मक कार्रवाई पर लगाई रोक

❑ **कोर्ट ने तृणमूल नेता की टिप्पणियों की आलोचना, विदेश यात्रा की लेनी होगी अनुमति**

**कोलकाता, समाज्ञा :** कलकत्ता उच्च न्यायालय ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी को पिछले महीने एक जनसभा में दिए गए उनके बयानों को लेकर दर्ज प्राथमिकी में 31 जुलाई तक दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण प्रदान किया। न्यायालय ने यह भी सवाल उठाया कि क्या किसी सांसद के लिए इस तरह के अनुचित बयान देना सही है। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी को जांच में सहयोग करने और जांच अधिकारी द्वारा पेश होने के लिए भेजे गए नोटिस का अनुपालन करने का निर्देश दिया। अदालत ने उन्हें न्यायालय की अनुमति के बिना विदेश यात्रा न करने का भी निर्देश दिया। न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने निर्देश दिया कि यदि याचिकाकर्ता जांच एजेंसी के साथ सहयोग नहीं करता है, तो एजेंसी को इस न्यायालय में आने की स्वतंत्रता होगी। अदालत ने निर्देश दिया कि अभिषेक बनर्जी को पेशी के लिए 48 घंटे पहले नोटिस दिया जाएगा।

बता दें कि डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर उस प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया। इस दिन, अभिषेक बनर्जी द्वारा 'गैर-जिम्मेदाराना बयान' दिए जाने पर सवाल उठाते हुए न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने कहा कि अगर तृणमूल चुनाव जीत जाती तो क्या होता। उन्होंने यह भी कहा कि इस राज्य का चुनाव के बाद हिंसा का पुराना इतिहास रहा है।

अदालत ने कहा कि अभिषेक बनर्जी की टिप्पणियां समाचार चैनलों में दिखाई गईं और समाचार पत्रों में प्रकाशित हुईं। न्यायाधीश ने सवाल किया कि क्या सार्वजनिक सभा में उनकी टिप्पणियां तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव और लोकसभा सांसद के पद के अनुरूप थीं? उनके वकील कल्याण बनर्जी ने जवाब दिया कि शायद नहीं, लेकिन सवाल यह है कि भाषण का कोई प्रभाव पड़ा या नहीं। कल्याण बनर्जी भी तृणमूल के सांसद हैं। अदालत ने उन्हें 31 जुलाई तक दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण देते हुए कहा कि वह 20 जुलाई को इस मामले की फिर से सुनवाई करेगी।


**पूर्व रेलवे**

**ई-निविदा सूचना सं. ओटीआर-ट्रैवर्सर-18-193-2026, दिनांक 19.05.2026,** उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/सी, पूर्व रेलवे वर्कशॉप, काँचरापाड़ा, कैरिज कॉम्प्लेक्स, उत्तर 24 परगना, पीओ काँचरापाड़ा, पिन-743145 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **निविदा सूचना सं. ओटीआर-ट्रैवर्सर-18-193-2026, कार्य का नाम और उसका स्थान:** खुली निविदा के आधार पर काँचरापाड़ा वर्कशॉप में (01 वर्ष की वारंटी सहित) बाहरी एजेंसी द्वारा विद्युत रूप से संचालित (पिट टाइप) मल्टीट्रैक ट्रैवर्सर, 80 टन कैपासिटी, प्रस्तुतकारक-मेटको, प्लांट नं. 18/193 की एक बार के लिए मरम्मत। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 27,59,834/-, **निविदा कागजात की लागत (टीडीसी):** शून्य। **वेबसाइट जहां से निविदा कागजात उपलब्ध होगा:** निविदा कागजात का संपूर्ण सेट भारतीय रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से 19.05.2026 से 02.06.2026 को 15.00 बजे तक उपलब्ध होगा। **प्रतिभूति राशि जमा की जाएगी:** रु. 55,200/-, **कार्य पूरा करने की अवधि :** एलओए की तिथि से 60 दिन। **विज्ञापन अवधि:** 19.05.2026 से 02.06.2026 को 15.00 बजे तक। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** दिनांक 19.05.2026, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 02.06.2026 को 15.00 बजे तक। **प्रस्ताव की वैधता :** 20 (बीस) दिन। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** निविदा 02.06.2026 को 15.00 बजे एवं उसके बाद खोली जाएगी। MISC-46/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter



**पूर्व रेलवे**

**एनआईटी सं.: 32_2026-27, दिनांक 18.05.2026** मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा, पूर्व रेलवे, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 **(वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा** के क्षेत्राधिकार हेतु) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **कार्य का विवरण :** वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा और वरिष्ठ डीईएन/मुख्यालय एवं लाइन/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र में ठेकेदारों के मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट के साथ साइट पर 60 केजी/52 केजी (90 यूटीएस/72 यूटीएस, आर-260) (नई/एसएच/एसआर/एसडब्ल्यूआर/एलडब्ल्यूआर) रेल की फ्लैश बट वेल्डिंग। **अनुमानित मूल्य :** रु. 2,29,47,345.43, **बयाना राशि:** रु. 4,59,000/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य। **समापन अवधि :** 12 (बारह) माह। माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 01.06.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। **ईएमडी और टीडीसी का भुगतान**-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा। HWH-88/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter



**पूर्व रेलवे**

**ई-नीलामी आमंत्रण सूचना**

**ई-नीलामी सूचना सं. : सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/26/14** **दिनांक :19.05.2026**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा हावड़ा मंडल के तहत हावड़ा रेलवे स्टेशन (ओल्ड कॉम्प्लेक्स एवं न्यू कॉम्प्लेक्स) में रिटेल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव का अनुबंध प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। **कैटलॉग सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-26-14, नीलामी शुरू होने की तिथि एवं समय:** दिनांक 03.06.2026 को 14.00 बजे। **क्रम सं.:** एए/1, **लॉट सं.: एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-एसटीजीईएन-82-26-1 (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल), विवरण** : हावड़ा मंडल के हावड़ा स्टेशन (ओल्ड कॉम्प्लेक्स/नॉर्थ कॉनकोर्स) में रिटेल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव के लिए दस (10) वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। **क्रम सं.:** एए/2, **लॉट सं.:एमएसएस - एचडब्ल्यूएच - एचडब्ल्यूएच - एसटीजीईएन - 81 - 26 - 1 (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टैटिक जनरल) , विवरण** : हावड़ा मंडल के हावड़ा स्टेशन (न्यू कॉम्प्लेक्स/साउथ कॉनकोर्स) में रिटेल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव के लिए दस (10) वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। HWH-86/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter



**हावड़ा मंडल के तहत विभिन्न स्टेशनों पर एटीवीएम फैसिलिटेटर की नियुक्ति**

**एटीवीएम के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने हेतु**

आवेदन सूचना सं.: सीओएम/सीएफ/एटीवीएम-एफएसी/एचडब्ल्यूएच/26/2 दिनांक 21.05.2026

हावड़ा मंडल में स्टेशनों पर स्थापित ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनों (एटीवीएम) के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने हेतु फैसिलिटेटरों की नियुक्ति के लिए **सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों और आम जनता** से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा मंडल आवेदन आमंत्रित करते हैं। ● सबसे पहले चयन सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी और सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी के पति या पत्नी/बच्चों में से किया जाएगा। फैसिलिटेटर की नियुक्ति के लिए प्राथमिकता का क्रम निम्नानुसार होगा: (i) सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी, (ii) सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी के पति या पत्नी/वयस्क बच्चे (एक सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी के लिए केवल एक व्यक्ति को उनके द्वारा नामित किया जाएगा)। यदि कोई सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी और सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी के पति या पत्नी/बच्चे उपलब्ध नहीं हैं, तो आम जनता के आवेदन पर विचार किया जाएगा। ● यदि आवश्यकता से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं, तो **चयन लॉटरी के द्वारा किया जाएगा।** ● एटीवीएम फैसिलिटेटर का कार्यकाल **दिनांक** 30.06.2028 तक होगा। ● रेलवे द्वारा कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जाएगा। लागू नियमों के अधीन बेचे गए टिकटों के मूल्य के 3% कमीशन के लिए फैसिलिटेटर पात्र हैं। ● **आवेदक केवल एक स्टेशन के लिए आवेदन कर सकता है।** ● यदि आम जनता को फैसिलिटेटर के रूप में नियुक्त किया जाता है तो उसे कार्य शुरू होने से पहले वापसी योग्य सुरक्षा जमा राशि निम्नानुसार जमा करनी होगी : एनएसजी-1 और एनएसजी-2 कैटेगरी स्टेशनों के लिए रु.50,000/- एवं अन्य स्टेशनों के लिए रु.25,000/-● एटीवीएम फैसिलिटेटर की नियुक्ति से रेलवे में कोई रोजगार पाने का अधिकार नहीं मिलता है। यह नियुक्ति पूर्णतया अनुबंध के आधार पर है और इसमें फैसिलिटेटर को रेलवे सेवा में बहाली, रोजगार का नियमितीकरण, बोनस या रेलवे पास की विशेष सुविधाएँ आदि जैसे लाभों का अधिकार नहीं प्राप्त होगा। ● नियुक्ति की सामान्य शर्तें, प्रत्येक स्टेशन पर नियुक्त किए जाने वाले फैसिलिटेटरों की संख्या, आवेदन फॉर्म, पात्रता मानदंड, कार्यकाल, चयन प्रक्रिया और कार्यप्रणाली आदि निविदा प्रपत्र में उपलब्ध होंगे और इसे वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in** के 'टेंडर' टैब और **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा मंडल, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग (प्रथम तल), रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101** के कार्यालय से डाउनलोड किया जा सकता है। ● मुहरबंद लिफाफे में आवेदन वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा मंडल, पूर्व रेलवे के कार्यालय में इस उद्देश्य के लिए रखे गए बॉक्स में डाला जाना चाहिए। **डाक द्वारा प्राप्त आवेदन को तत्काल अस्वीकार कर दिया जाएगा।** ● **महत्वपूर्ण तिथियाँ:** वेबसाइट पर आवेदन फॉर्म का प्रकाशन और डाउनलोडिंग **दिनांक 21.05.2026 को 18.30 बजे** से शुरू होगा। **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा मंडल** के कार्यालय से आवेदन फॉर्म की उपलब्धता और आवेदन फॉर्म जमा करने की तिथि **22.05.2026 को 11.30 बजे** से। **आवेदन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि और समय:** 11.06.2026 को 12.15 बजे। **आवेदन फॉर्म खुलने की तिथि:** 11.06.2026 को 12.30 बजे।

**वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, हावड़ा**

**पूर्व रेलवे**

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter



**सियालदह-लालगोला खंड में स्पेशल ईएमयू सेवाएँ**

ईद-उल-अधा के कारण सियालदह-लालगोला खंड में यात्रियों की प्रत्याशित भारी भीड़ को संभालने के लिए, निम्नलिखित ईएमयू स्पेशल ट्रेनें निम्नानुसार चलाई जाएंगी:

**25.05.2026 को**

**03119 सियालदह-लालगोला अप ईएमयू स्पेशल**

| स्टेशन | आ. | प्र. |
|---|---|---|
| सियालदह ↓ | – | 15.20 |
| दमदम जंक्शन | 15.32 | 15.33 |
| बैरकपुर | 15.55 | 15.56 |
| नैहाटी | 16.21 | 16.22 |
| रानाघाट | 17.03 | 17.04 |
| कृष्णनगर सिटी जंक्शन | 17.42 | 17.52 |
| बहरमपुर कोर्ट | 19.27 | 19.28 |
| लालगोला | 20.20 | – |

**26.05.2026 को**

**03120/03119 लालगोला-सियालदह-लालगोला ईएमयू स्पेशल**

| लालगोला-सियालदह डाउन ईएमयू (03120) आ. | प्र. | स्टेशन | सियालदह-लालगोला अप ईएमयू (03119) आ. | प्र. |
|---|---|---|---|---|
| 09.55 | – | सियालदह ↓ | – | 15.20 |
| 09.34 | 09.35 | दमदम जंक्शन | 15.32 | 15.33 |
| 09.09 | 09.10 | बैरकपुर | 15.55 | 15.56 |
| 08.48 | 08.49 | नैहाटी | 16.21 | 16.22 |
| 08.07 | 08.08 | रानाघाट | 17.03 | 17.04 |
| 07.21 | 07.31 | कृष्णनगर सिटी जंक्शन | 17.42 | 17.52 |
| 05.35 | 05.36 | बहरमपुर कोर्ट | 19.27 | 19.28 |
| – | 04.50 | ↑ लालगोला | 20.20 | – |

**27.05.2026 को**

**03120/03121 लालगोला-सियालदह-लालगोला ईएमयू स्पेशल**

| लालगोला-सियालदह डाउन ईएमयू (03120) आ. | प्र. | स्टेशन | सियालदह-लालगोला अप ईएमयू (03121) आ. | प्र. |
|---|---|---|---|---|
| 09.55 | – | सियालदह ↓ | – | 11.55 |
| 09.34 | 09.35 | दमदम जंक्शन | 12.07 | 12.08 |
| 09.09 | 09.10 | बैरकपुर | 12.29 | 12.30 |
| 08.48 | 08.49 | नैहाटी | 12.57 | 12.58 |
| 08.07 | 08.08 | रानाघाट | 13.44 | 13.45 |
| 07.21 | 07.31 | कृष्णनगर सिटी जंक्शन | 14.16 | 14.25 |
| 05.35 | 05.36 | बहरमपुर कोर्ट | 15.57 | 15.58 |
| – | 04:50 | ↑ लालगोला | 16.55 | – |

**03154 लालगोला-रानाघाट डाउन ईएमयू स्पेशल**

| स्टेशन | आ. | प्र. |
|---|---|---|
| लालगोला ↓ | – | 17.45 |
| बहरमपुर कोर्ट | 18.34 | 18.35 |
| कृष्णनगर सिटी जंक्शन | 20.30 | 20.31 |
| रानाघाट | 21.02 | – |

**29.05.2026 को**

**03153/03122 रानाघाट-लालगोला-सियालदह ईएमयू स्पेशल**

| रानाघाट-लालगोला अप ईएमयू (03153) आ. | प्र. | स्टेशन | लालगोला-सियालदह डाउन ईएमयू (03122) आ. | प्र. |
|---|---|---|---|---|
| – | – | सियालदह | 19.10 | – |
| – | – | दमदम जंक्शन | 18.52 | 18.53 |
| – | – | बैरकपुर | 18.30 | 18.31 |
| – | – | नैहाटी | 18.06 | 18.07 |
| – | 09.50 | ↓ रानाघाट | 17.22 | 17.23 |
| 10.21 | 10.22 | कृष्णनगर सिटी जंक्शन | 16.40 | 16.50 |
| 11.54 | 11.55 | बहरमपुर कोर्ट | 15.04 | 15.05 |
| 12.50 | – | लालगोला ↑ | – | 14.15 |

**टिप्पणी:** उपर्युक्त सभी ईएमयू स्पेशल ट्रेनें मार्ग में सभी स्टेशनों पर रुकेंगी।

**मंडल रेल प्रबंधक, सियालदह**

**पूर्व रेलवे**

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

# सरकारी खरीद में अब अनिवार्य होंगी सीवीसी की गाइडलाइन

**❑ भ्रष्टाचार रोकने को शुभेंदु सरकार का बड़ा कदम**

**कोलकाता, समाज्ञा :** राज्य की पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में विभिन्न सरकारी परियोजनाओं में भ्रष्टाचार, 'कट-मनी' और कमीशनखोरी के लगे अनगिनत आरोपों से सबक लेते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई राज्य सरकार ने एक बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। राज्य में सरकारी खरीद प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों में अब केंद्रीय सतर्कता

आयोग (सीवीसी) के दिशानिर्देशों का पालन अनिवार्य कर दिया गया है। चालू सप्ताह में राज्य के वित्त विभाग द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में इस बड़े फैसले की घोषणा की गई है। वित्त विभाग की ओर से जारी इस अधिसूचना के अनुसार, अब से राज्य सरकार के अधीन आने वाले सभी विभागों, निगमों और सरकारी संस्थानों को किसी भी वस्तु की खरीद, सेवाओं को लेने तथा विभिन्न कार्यों के टेंडर जारी करते समय सीवीसी के निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। गौरतलब है कि अब तक राज्य में सरकारी खरीद के लिए मुख्य रूप से बंगाल के अपने 'फाइनेंशियल रूल्स' का पालन किया जाता था। प्रशासनिक हलकों के एक वर्ग का दावा है कि पूर्व में इस प्रक्रिया की आड़ में कई बार बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप उठ चुके हैं।

नवान्न (राज्य सचिवालय) के सूत्रों के मुताबिक, पूर्ववर्ती तृणमूल सरकार के दौर में विभिन्न परियोजनाओं के क्रियान्वयन और टेंडर प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर हुई अनियमितताओं के मद्देनजर ही नई भाजपा सरकार ने यह सख्त रुख अपनाया है। प्रशासन का मानना है कि सीवीसी के दिशानिर्देश लागू होने से सरकारी खरीद में न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि पक्षपात और कमीशनखोरी जैसी आदतों पर भी पूरी तरह से लगाम लगेगी। राज्य के वित्त सचिव प्रभात मिश्रा द्वारा हस्ताक्षरित इस अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि मौजूदा वित्तीय नियमों के साथ-साथ सीवीसी के सभी दिशानिर्देशों का पालन करना अब बाध्यकारी होगा। वित्त विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी शुरुआत से ही भ्रष्टाचार के सभी रास्ते बंद करने के पक्ष में हैं, इसीलिए कार्यभार संभालने के मात्र 15 दिनों के भीतर यह निर्णय लिया गया है।

## सीएम शुभेंदु के पीए की हत्या मामले में पांचवी गिरफ्तारी, बलिया से आरोपी गिरफ्तार

**बलिया/कोलकाता :** मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने बलिया जिले से एक कथित अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी का नाम फेफना थाना क्षेत्र के थम्हनपुरा गांव निवासी नवीन कुमार सिंह (35) है। उसे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा साझा की गई जानकारी के आधार पर पकड़ा गया। एसटीएफ अधिकारियों के मुताबिक, 19 मई को वाराणसी इकाई की टीम बलिया पहुंची और तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान आरोपी के कब्जे से हथियारों और कारतूसों का जखीरा बरामद किया गया। एसटीएफ निरीक्षक अनिल कुमार सिंह की शिकायत पर फेफना थाने में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि बलिया के ही एक अन्य अपराधी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मन्नू और उसके दो सहयोगियों ने उसे हथियारों से भरा बैग सौंपा था। बाद में, एसटीएफ ने राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे स्थित एक कार शोरूम से हथियार बरामद किए, जिनमें तीन पिस्तौल, दो रिवाल्वर और 45 कारतूस शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, बरामद हथियारों में एक पिस्तौल अमेरिका निर्मित भी है। अधिकारियों ने बताया कि नवीन कुमार सिंह के खिलाफ पहले से भी रंगदारी और मारपीट के मामले दर्ज हैं। उसे अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में मऊ जेल भेज दिया गया है।

**❑ हत्या में इस्तेमाल कार बलिया से खरीदी गई थी : पुलिस**

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या में इस्तेमाल की गई कार उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से खरीदी गई थी। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बांसडीह रोड थाना क्षेत्र के फुलवरिया गांव निवासी जितेंद्र सिंह ने दावा किया कि 'मिट्ठू' उर्फ दीपक नामक व्यक्ति ने पिछले वर्ष अक्टूबर में उसके माध्यम से 35 हजार रुपये में एक निसान माइक्रा कार खरीदी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि यही वाहन बाद में एक मई को ज्ञानेंद्र प्रताप उर्फ मन्नू को 50 हजार रुपये में बेच दिया गया। जितेंद्र ने संवाददाताओं को बताया कि हाल ही में सीबीआई की एक टीम उनके घर आई थी और वाहन के संबंध में पूछताछ की थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने जांच एजेंसी को पूरी जानकारी उपलब्ध कराई है।

## गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने 19% की वृद्धि के साथ जैव विविधता के संरक्षण को मजबूत किया

**कोलकाता :** अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने अपने 'गुड एंड ग्रीन' दृष्टिकोण और विज्ञान आधारित स्थिरता दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, अपने सभी व्यवसायों और समुदायों में जैव विविधता संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। जैव विविधता संरक्षण कंपनी के व्यापक स्थिरता एजेंडे में शामिल है, जो संसाधन दक्षता, जलवायु कार्रवाई और जिम्मेदार सोर्सिंग पर केंद्रित है। तेजश्री जोशी, हेड ऑफ एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने कहा, अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस हमारे लिए एक बिल्कुल सही अवसर है, जब हम मापने योग्य, विज्ञान-आधारित और परिणाम-उन्मुख पहलों के माध्यम से व्यावसायिक प्रथाओं में जैव विविधता संरक्षण को शामिल करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर सकें।

## भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट के आरोप में परमब्रत और स्वास्तिका के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

**कोलकाता, समाज्ञा :** राज्य में 2021 के चुनाव के बाद हुई हिंसा के दौरान सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने के आरोप में अभिनेता परमब्रत चट्टोपाध्याय और अभिनेत्री स्वास्तिका मुखर्जी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह शिकायत गरियाहाट थाने में अधिवक्ता जॉयदीप सेन द्वारा दर्ज कराई गई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि दोनों कलाकारों ने सोशल मीडिया पर ऐसी टिप्पणियां की थीं जो मई 2021 में विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद तनावपूर्ण माहौल में राजनीतिक हिंसा को भड़का सकती थीं। शिकायत के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस द्वारा बहुमत का आंकड़ा पार करने के बाद परमब्रत ने दो मई 2021 को 'एक्स' (तब ट्विटर) पर पोस्ट किया था कि आज के दिन को विश्व पिटाई दिवस घोषित

किया जाए। स्वास्तिका ने कथित तौर पर उस पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा था कि हाहाहा, जाने दो। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इस तरह की टिप्पणियों से राज्य भर में चुनाव के बाद की अशांति के दौरान राजनीतिक शत्रुता और हिंसा का माहौल बना। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गरियाहाट थाने में शिकायत प्राप्त हुई है और प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की कानून के अनुसार जांच की जा रही है।

## मुख्यमंत्री की बैठक में शामिल होने बस से पहुंचे पुरुलिया के अधिकारी

**कोलकाता, समाज्ञा :** राज्य सरकार के व्यय पर अंकुश लगाने के निर्देश के अनुरूप, पुरुलिया जिले के वरिष्ठ अधिकारी मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा बुलाई गई समीक्षा बैठक में भाग लेने के लिए बस से दुर्गापुर पहुंचे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दुर्गापुर सिटी सेंटर के सृजनी सभागार में बैठक में राज्य के पांच पश्चिमी जिलों पुरुलिया, बांकुड़ा, पश्चिम बर्दवान, पूर्व बर्दवान और बीरभूम के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भाग ले रहे हैं। पुरुलिया के जिलाधिकारी सुधीर कोंथम ने कहा कि बस यात्रा की यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन बचाने की अपील और राज्य सरकार के सरकारी वाहनों के उपयोग को कम करने के निर्देश के अनुरूप की गई है। कोंथम ने कहा कि उन निर्देशों

का पालन करते हुए, हम दुर्गापुर में मुख्यमंत्री की विकास समीक्षा बैठक में भाग लेने के लिए बस से यात्रा कर रहे हैं। सुबह करीब 9.45 बजे, जिलाधिकारी, अतिरिक्त जिलाधिकारी, उप-विभागीय अधिकारियों और बीडीओ को ले जाने वाली दो बसें जिला प्रशासनिक मुख्यालय से दुर्गापुर के लिए रवाना हुईं।

## स्पीकर रथींद्र बोस से कथित दुर्व्यवहार मामले में तृणमूल पार्षद गिरफ्तार

**कूचबिहार :** विधानसभा में वर्तमान स्पीकर रथींद्र बोस से कथित दुर्व्यवहार के मामले में कूचबिहार कोतवाली थाने की पुलिस ने कूचबिहार नगरपालिका के वार्ड 2 के तृणमूल कांग्रेस पार्षद उज्ज्वल तर को गिरफ्तार कर लिया है। तृणमूल कांग्रेस ने इस कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया है। घटना प्रथम चरण के चुनाव से पहले की बताई जा रही है। आरोप है कि चुनाव से एक रात पहले रथींद्र बोस वार्ड 2 में एक भाजपा कार्यकर्ता से मिलने गए थे। उसी दौरान तृणमूल की ओर से आरोप लगाया गया था कि भाजपा प्रत्याशी इलाके में पैसे बांटने पहुंचे थे। तृणमूल पार्षद उज्ज्वल तर के नेतृत्व में उस समय रथींद्र बोस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया था। हालांकि, भाजपा का दावा था कि विधानसभा

अध्यक्ष केवल एक बीमार भाजपा कार्यकर्ता का हालचाल जानने गए थे और वहां पैसे बांटने या चुनाव प्रचार जैसा कोई मामला नहीं था। घटना के समय कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कुछ दिन पहले विधायक के साथ दुर्व्यवहार की शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर यह गिरफ्तारी की गई है। वहीं, गिरफ्तार पार्षद का कहना है कि उन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं है और उन्हें राजनीतिक प्रतिशोध के तहत गिरफ्तार किया गया है।

## शिवपुर में बमबाजी मामले के फरार तीन आरोपी मुंबई से गिरफ्तार, मास्टरमाइंड भी पकड़ा गया

**मुंबई/कोलकाता :** मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट-6 ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हावड़ा जिले के शिवपुर थाना क्षेत्र में बमबाजी और फायरिंग मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। मुंबई के देवनार इलाके से गिरफ्तार आरोपियों में मामले का मुख्य साजिशकर्ता भी शामिल है। मुंबई क्राइम ब्रांच के अनुसार, तीनों आरोपी पश्चिम बंगाल में वारदात को अंजाम देने के बाद अपनी पहचान छिपाकर देवनार स्थित एकता एसआरए बिल्डिंग के एक कमरे में रह रहे थे। मुंबई पुलिस को हावड़ा पुलिस से इनपुट मिला कि शिवपुर बमबाजी मामले के आरोपी मुंबई में छिपे हुए हैं। गुप्त सूचना मिलने के बाद मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट-6 ने जाल बिछाकर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों का नाम शमीम अहमद अब्दुल रशीद (40), जमील अख्तर अली (43) और अफताब अनवर खुर्शीद अनवर (44) है। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने शिवपुर बमबाजी और फायरिंग मामले में अपनी संलिप्तता

स्वीकार कर ली है। जांच में यह भी सामने आया है कि तीनों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी है। पुलिस ने बताया कि शिवपुर थाने की एक टीम मुंबई पहुंच चुकी है और आरोपियों को हिरासत में लेने की प्रक्रिया जारी है। कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद तीनों को ट्रांजिट रिमांड पर पश्चिम बंगाल पुलिस को सौंप दिया जाएगा। मुंबई क्राइम ब्रांच ने कहा कि पश्चिम बंगाल में दर्ज मामले में आगे की जांच शिवपुर पुलिस द्वारा की जाएगी।

## महानंदा नदी में नहाने उतरे दो बच्चे लापता, तलाश जारी

**मालदह :** पुरातन मालदह जिले में गुरुवार को महानंदा नदी में नहाने के दौरान दो नाबालिग बच्चे डूब गए। घटना पुरातन मालदह नगरपालिका के वार्ड दो स्थित बांशहाट घाट की है। लापता बच्चों की पहचान अर्पण सरकार (10) और बासुदेव हालदार (8) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, अर्पण दक्षिण दिनाजपुर जिले के कुशमंडी का रहने वाला था और अपने मामा के घर बांशहाट आया हुआ था, जबकि देव हालदार स्थानीय निवासी था। बताया जा रहा है कि गुरुवार की दोपहर दोनों बच्चे अपने कुछ दोस्तों के साथ महानंदा नदी में नहाने गए थे। इसी दौरान अचानक गहरे पानी और तेज धारा में बहकर दोनों डूब गए। घटना के

बाद साथ मौजूद बच्चों के शोर मचाने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। सूचना पाकर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। आपदा प्रबंधन टीम को भी बुलाया गया, लेकिन काफी देर तक तलाशी के बावजूद दोनों बच्चों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इस घटना से इलाके में शोक का माहौल है। फिलहाल, प्रशासन की ओर से नदी में तलाशी अभियान जारी है।

## पूर्व रेलवे का स्वच्छता अभियान तेज, सियालदह मंडल में एजीएम ने किया व्यापक निरीक्षण

**कोलकाता, समाज्ञा**

पूर्व रेलवे द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता जागरूकता अभियान के दूसरे चरण के तहत सियालदह मंडल में गुरुवार को व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया गया। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर के नेतृत्व में 16 मई से 30 मई 2026 तक विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी के तहत रेलवे प्रशासन ने 30 मिनट क्लीननेस चैलेंज की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य रेलवे स्टेशनों और ट्रैकों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखना है। अभियान की जमीनी स्थिति का जायजा लेने के लिए पूर्व रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक शीलेंद्र प्रताप सिंह ने सियालदह मंडल का उच्चस्तरीय निरीक्षण किया। उनके साथ उप महाप्रबंधक (जनरल), अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (ऑपरेशन) तथा वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन) भी मौजूद रहे। निरीक्षण की शुरुआत सियालदह रेलवे स्टेशन से हुई।

इसके बाद टीम ने विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के जरिए सियालदह से पार्क सर्कस रेलवे स्टेशन तक रेलवे ट्रैकों की साफ-सफाई का जायजा लिया। इस दौरान बालीगंज रेलवे स्टेशन, ब्रेस ब्रिज रेलवे स्टेशन, संतोषपुर रेलवे स्टेशन और नांगी रेलवे स्टेशनों पर स्काउट्स एवं गाइड्स की ओर से स्वच्छता रैलियां निकाली गईं।

निरीक्षण का समापन बजबजब रेलवे स्टेशन में हुआ, जहां स्टेशन परिसर, पार्किंग, पे-एंड-यूज शौचालय, खाद्य स्टॉल और वन स्टेशन वन प्रोडक्ट स्टॉलों की जांच की गई। दिव्यांगजन अनुकूल शौचालयों और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग केबिन का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल सफाई नहीं, बल्कि यात्रियों में स्वच्छ यात्रा की स्थायी आदत विकसित करना है।

## इसुजु मोटर्स इंडिया ने पेश किया डी-मैक्स एस-कैब का नया लीजिंग मॉडल

**कोलकाता, समाज्ञा :** इसुजु मोटर्स इंडिया ने अपने लोकप्रिय कमर्शियल वाहन इसुजु डी-मैक्स एस-कैब के लिए नया लीजिंग सॉल्यूशन लॉन्च किया है। कंपनी का दावा है कि इस पहल से व्यवसाय मालिकों और फ्लीट ऑपरेटरों को बिना बड़े निवेश के आधुनिक और भरोसेमंद वाहन उपलब्ध हो सकेंगे। नई योजना के तहत ग्राहक केवल 38,999 रुपये प्रति माह की शुरुआती लागत पर वाहन लीज पर ले सकेंगे। इसमें डाउन पेमेंट, रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस और सर्विसिंग जैसे अतिरिक्त खर्च शामिल नहीं होंगे। कंपनी के अनुसार, पारंपरिक फाइनेंसिंग मॉडल की तुलना में ग्राहकों को 1.81 लाख रुपये तक की बचत हो सकती है। इसुजु मोटर्स इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश मित्तल ने कहा कि यह पहल उद्यमियों के लिए कमर्शियल वाहन संचालन को अधिक किफायती और सुविधाजनक बनाएगी। कंपनी का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर वित्तीय लचीलापन और संचालन क्षमता उपलब्ध कराना है।

## ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के 52 कर्मचारियों को अधिकारी संवर्ग में पदोन्नति

**संक्टोरिया/कोलकाता :** ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा 52 कर्मचारियों को सम्मानित करने हेतु एक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया, जिन्होंने विभागीय परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर अधिकारी संवर्ग में पदोन्नति प्राप्त की। इस कार्यक्रम में सतीश झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, मो. अंजर आलम, निदेशक (वित्त), गुंजन कुमार सिन्हा, निदेशक (मानव संसाधन) तथा गिरीश गोपीनाथन नायर, निदेशक (तकनीकी) सहित विभिन्न विभागाध्यक्षों एवं अन्य कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रबंधन ने नव-पदोन्नत कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण एवं उपलब्धि के लिए बधाई दी। पदोन्नत कर्मचारियों ने ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की तथा कंपनी द्वारा प्रदान किए गए विकास एवं करियर उन्नति के अवसरों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान सभी पदोन्नत कर्मचारियों को अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एवं निदेशकों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल समन्वय एवं संचालन दिव्यज्योती घोष, विभागाध्यक्ष (नियोजन एवं भर्ती) द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन अबीर मुखोपाध्याय, विभागाध्यक्ष (प्रशासन) द्वारा प्रस्तुत किया गया।

फलता में पुनर्मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ एवं भारी संख्या में निर्भय होकर मतदाताओं ने मताधिकार किया

## डब्ल्यूबीजेईई और सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए 24 मई को चलेंगी अतिरिक्त लोकल ट्रेनें

**कोलकाता, समाज्ञा :** पश्चिम बंगाल जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (डब्ल्यूबीजेईई)-2026 और सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा-2026 के दौरान परीक्षार्थियों और यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए सियालदह मंडल ने 24 मई को अतिरिक्त उपनगरीय ट्रेन सेवाएं चलाने का फैसला किया है। जानकारी के अनुसार, रविवार को बंद रहने वाली कई उपनगरीय लोकल सेवाएं 24 मई को कार्यदिवस की समय-सारणी के अनुसार संचालित की जाएंगी। यह व्यवस्था दिन की पहली सेवा से लेकर सुबह 11 बजे तक मूल स्टेशन से खुलने वाली ट्रेनों पर लागू रहेगी, ताकि परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में सुविधा मिल सके। हालांकि, अधिकांश एसी ईएमयू लोकल ट्रेनें रविवार के समयानुसार चलेंगी, लेकिन दो विशेष एसी ईएमयू सेवाएं अतिरिक्त रूप से संचालित की जाएंगी। इनमें 31638/31637 रानाघाट-सियालदह-रानाघाट एसी ईएमयू लोकल तथा 31847/31848 सियालदह-कृष्णानगर-सियालदह एसी ईएमयू लोकल शामिल हैं।

## टाटा मोटर्स फाउंडेशन का ग्रामीण विकास मॉडल 200 गांवों तक पहुंचा, 1.15 लाख लोग हुए लाभान्वित

**कोलकाता, समाज्ञा :** टाटा मोटर्स फाउंडेशन ने अपने प्रमुख इंटीग्रेटेड विलेज डेवलपमेंट प्रोग्राम (आईवीडीपी) का विस्तार देशभर के करीब 200 गांवों तक कर दिया है। यह कार्यक्रम वर्तमान में 5 राज्यों की 103 ग्राम पंचायतों में संचालित हो रहा है और आदिवासी एवं कृषि-प्रधान क्षेत्रों में सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से ग्रामीण विकास को बढ़ावा दे रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में इस पहल से 1.15 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं। फाउंडेशन के अनुसार, करीब 20 करोड़ रुपये मूल्य की 50 सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के साथ समन्वय स्थापित कर गांवों में प्रशासनिक और संस्थागत ढांचे को मजबूत किया गया है। वर्ष 2018 में महाराष्ट्र के पालघर जिले से शुरू हुआ यह कार्यक्रम अब राष्ट्रीय स्तर पर आत्मनिर्भर ग्रामीण विकास मॉडल के रूप में उभर रहा है। टाटा मोटर्स फाउंडेशन के सीईओ विनोद कुलकर्णी ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य समुदायों को आत्मनिर्भर बनाते हुए टिकाऊ ग्रामीण विकास सुनिश्चित करना है।

## आईईटी इंडिया स्कॉलरशिप अवार्ड के 10वें संस्करण के लिए आवेदन शुरू, पुरस्कार राशि बढ़कर 20 लाख

**कोलकाता, समाज्ञा :** दुनिया की अग्रणी प्रोफेशनल इंजीनियरिंग संस्था इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) ने आईईटी इंडिया स्कॉलरशिप अवार्ड के 10वें संस्करण के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है। इस वर्ष स्कॉलरशिप की कुल पुरस्कार राशि दोगुनी कर 20 लाख कर दी गई है। आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और इच्छुक छात्र 15 जून 2026 तक आवेदन कर सकेंगे। आईईटी इंडिया स्कॉलरशिप अवार्ड देशभर के अंडरग्रेजुएट इंजीनियरिंग छात्रों के लिए प्रमुख मंचों में से एक माना जाता है। पिछले एक दशक में इस कार्यक्रम ने उन छात्रों को पहचान दी है, जिन्होंने इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी के माध्यम से स्वास्थ्य, टिकाऊ खेती, कचरा प्रबंधन और सामाजिक चुनौतियों के समाधान प्रस्तुत किए हैं। स्कॉलरशिप के सलाहकार समिति अध्यक्ष अभिजीत चक्रवर्ती ने कहा कि यह पहल छात्रों को वास्तविक समस्याओं के व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित करती है। चयन प्रक्रिया में ऑनलाइन टेस्ट, क्षेत्रीय प्रस्तुति और राष्ट्रीय फाइनल शामिल होंगे।

## केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने हिंदुस्तान जिंक के दरीबा कॉम्प्लेक्स का किया दौरा

**कोलकाता, समाज्ञा :** केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने राजस्थान स्थित हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के राजपुरा-दरीबा कॉम्प्लेक्स का दौरा कर कंपनी की आधुनिक तकनीक, सुरक्षा व्यवस्था और सामुदायिक विकास पहलों की सराहना की। दौरे के दौरान उन्होंने विश्व की प्रमुख चांदी उत्पादक खदानों में शामिल सिंदेसर खुर्द माइन और दरीबा स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स की संचालन प्रणाली का अवलोकन किया। मंत्री ने कंट्रोल रूम, सेल हाउस और कैथोड यार्ड का निरीक्षण करने के साथ टेली-रिमोट ऑपरेशन और पेस्ट फिलिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की जानकारी ली। उन्होंने देश की पहली महिला माइन रेस्क्यू टीम के लाइव प्रदर्शन की भी सराहना की। श्री रेड्डी ने कहा कि कंपनी की कार्यप्रणाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत 2047' के विजन के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार माइनिंग, घरेलू क्षमता बढ़ाने और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से भारत खनिज क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

दौरे के दौरान मंत्री ने श्रमिकों के साथ भोजन किया और महिला माइनिंग इंजीनियरों से संवाद किया। उन्होंने कंपनी की शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और स्वच्छ पेयजल से जुड़ी सीएसआर पहलों की भी समीक्षा की। मंत्री ने कहा कि हिंदुस्तान जिंक न केवल माइनिंग क्षेत्र में बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

## केएमसी ने आरजी कर के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के अवैध निर्माण को तोड़ने का दिया आदेश

**कोलकाता, समाज्ञा :** आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल के पूर्व वित्तीय और प्रशासनिक विवादों में घिरे पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने उनके खिलाफ एक बड़ा एक्शन लेते हुए उनके बेलेघाटा स्थित आवास के अवैध हिस्से को ढहाने का कड़ा निर्देश जारी किया है। यह कार्रवाई संदीप घोष और उनकी पत्नी संगीता घोष के संयुक्त मालिकाना हक वाली संपत्ति पर की जाएगी। नगर निगम के सूत्रों के अनुसार, बेलेघाटा के वार्ड 33 के अंतर्गत 83, बदन राय

लेन स्थित इस मकान के खिलाफ अंशुमान सरकार नामक व्यक्ति ने अवैध निर्माण की शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले पर चली लंबी सुनवाई के बाद, गत 14 मई को निगम ने अंतिम आदेश पारित किया। आदेश के तहत मकान की छत पर बने अवैध हिस्से को अगले 45 दिनों के भीतर पूरी तरह से ध्वस्त करना होगा। निगम की जांच और आधिकारिक मानचित्र के मुताबिक, इस इमारत में मुख्य रूप से तीन नियमों का घोर उल्लंघन पाया गया है।

छत पर बिना किसी अनुमति के 5.425 वर्ग मीटर क्षेत्र में 2.05 मीटर ऊंची एक 'परगोला' (छज्जा जैसी संरचना) खड़ी कर दी गई थी, जो मूल बिल्डिंग प्लान का हिस्सा नहीं थी। इसके अलावा, लिफ्ट के मशीन रूम तक पहुंचने के लिए छत पर एक लोहे की घुमावदार सीढ़ी लगाई गई थी और दूसरी मंजिल पर एक दरवाजे की जगह ईंट की दीवार खड़ी कर दी गई थी। निगम की रिपोर्ट के अनुसार, यह निर्माण कार्य केएमसी के 2009 के बिल्डिंग एक्ट की धारा 133 और 134 का सीधा उल्लंघन है। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता ने इस अवैध ढांचे को तुरंत हटाने की पुरजोर मांग की, वहीं दूसरी तरफ संदीप घोष की ओर से भी यह स्वीकार किया कि यह परगोला 'कम्प्लीशन प्लान' में शामिल नहीं था। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, कोलकाता नगर निगम के विशेष अधिकारी ने इस अवैध निर्माण को 45 दिनों के भीतर जमींदोज करने का अंतिम फरमान सुना दिया है।

# मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार बेलूर मठ पहुंचे शुभेंदु, लिया आशीर्वाद

**हावड़ा, समाज़ा :** मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पदभार संभालने के बाद पहली बार ऐतिहासिक बेलूड़ मठ का दौरा किया। गुरुवार की सुबह वह रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन के मुख्यालय पहुंचे। उनके इस दौरे को लेकर मठ परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी और श्रद्धालुओं व आम लोगों में खासा उत्साह देखा गया। बेलूड़ मठ पहुंचकर मुख्यमंत्री सबसे पहले मुख्य श्रीरामकृष्ण मंदिर में गए। वहां उन्होंने श्रीरामकृष्ण परमहंस की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर पूजा की। इसके बाद, उन्होंने स्वामी विवेकानंद के स्मृति कक्ष में जाकर श्रद्धापूर्वक नमन किया। आगे बढ़ते हुए उन्होंने स्वामी ब्रह्मानंद मंदिर और मां सारदा देवी मंदिर में भी जाकर श्रद्धा अर्पित की। मठ के शांत वातावरण में कुछ समय बिताने के बाद मुख्यमंत्री ने मठ के अध्यक्ष महाराज से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान मठ के वरिष्ठ संन्यासियों ने उन्हें उत्तरिय पहनाकर सम्मानित किया और पवित्र प्रसाद भेंट किया। स्वामी गौतमानंद महाराज ने राज्य की शांति, जनकल्याण और समृद्धि की कामना करते हुए मुख्यमंत्री को आशीर्वाद दिया। मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के आदर्श और रामकृष्ण मिशन की मानव सेवा की भावना समाज को सदैव दिशा देती है। उन्होंने कहा कि राज्य के साढ़े दस करोड़ लोगों की सेवा की जो जिम्मेदारी उन्हें मिली है, उसे सफलतापूर्वक निभाने और प्रदेश में शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए वह यहां आशीर्वाद लेने आए हैं। उन्होंने मठ के संन्यासियों और उनके निस्वार्थ सेवा कार्यों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।

# मेयर परिषद की बैठक बाद अब केएमसी का मासिक अधिवेशन स्थगित

**कोलकाता, समाज़ा :** हालिया संपन्न विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के करारी हार के बाद भाजपा ने राज्य पर कब्ज़ा कर लिया है। राजनीतिक उथल-पुथल के कारण कोलकाता नगर निगम (केएमसी) में काफी तनाव है। ऐसे में नगर निगम का मासिक अधिवेशन स्थगित कर दिया गया है। नगर निगम सचिव ने गुरुवार को एक नोटिफिकेशन में इस फैसले की घोषणा की। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि शुक्रवार का नगर निगम अधिवेशन टाल दिया गया है। नोटिफिकेशन में बैठक टालने का कोई कारण नहीं बताया गया है। अभी यह साफ नहीं है कि बैठक दोबारा कब होगी। बता दें कि इससे पहले कोलकाता नगर निगम की तय

मेयर काउंसिल की बैठक रद्द कर दी गई थी। यह बैठक सोमवार, 18 मई को होनी थी। लेकिन, आखिरी समय में इसे रद्द कर दिया गया। नगर निगम सूत्रों के मुताबिक, नगर निगम कमिश्नर स्मिता पांडे बैठक के लिए समय नहीं दे पाएंगी। इसलिए बैठक रद्द कर दी गई। उसके बाद, मेयर फिरहाद हकीम ने भी बैठक रद्द करने की घोषणा की। नई तारीख बाद में तय की जाएगी। उस समय फिर से समय की घोषणा की जाएगी।

### राज्य ने केएमसी सचिव पद में किया फेरबदल

राज्य सरकार कोलकाता नगर निगम (केएमसी) को लेकर कड़े फैसले ले रही है। इस बार, सचिव के पद पर फेरबदल किया गया है। अभी तक स्वप्न कुमार कुंडू केएमसी के सचिव थे। उन्हें ओएसडी (स्टेट गजेटियर्स) बनाकर भेजा गया है। उनकी जगह किशोर कुमार बिस्वास को केएमसी का सचिव बनाया गया है। वे पूर्व बर्दवान जिला परिषद के डिप्टी सचिव थे। ये दोनों डब्ल्यूबीसीएस एग्जीक्यूटिव ऑफिसर हैं।

### गिरफ्तारी के डर से अदिति-देबराज ने हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दी

**कोलकाता, समाज़ा :** तृणमूल कांग्रेस की पूर्व विधायक अदिति मुंशी के पति पार्षद देबराज चक्रवर्ती मंगलवार की रात से ही अपनी गिरफ्तारी की खबरों की वजह से चर्चा में हैं। हालांकि, आखिरकार पता चला कि वह रिहा हो गए हैं। हालांकि, इस डर से कि उन्हें कभी भी आय से ज़्यादा संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार किया जा सकता है, अदिति मुंशी और देबराज चक्रवर्ती ने हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दी है। जस्टिस जॉय सेनगुप्ता ने केस फाइल करने की इजाज़त दे दी है। केस की सुनवाई आज होने की संभावना है। पता चला है कि आरोप यह है कि चुनावी हलफनामे में संपत्ति की सही रकम नहीं दिखाई गई थी। डर है कि इसी आरोप के आधार पर उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। इसीलिए अदिति और देबराज ने इस बार एंटीसिपेटरी बेल अर्जी लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

### बकाया डीए को लेकर शनिवार को मुख्यमंत्री के साथ बैठक

**कोलकाता, समाज़ा :** संग्रामी संयुक्त मंच के सदस्य आगामी शनिवार, 30 मई को नवान्न में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ बैठक करने जा रहे हैं। मंच के संयोजकों में से एक भास्कर घोष ने यह जानकारी दी है। पता चला है कि इस बैठक में बकाया महंगाई भत्ते (डीए) पर चर्चा होगी। भास्कर घोष ने कहा कि इस बैठक में संस्थागत भ्रष्टाचार के खिलाफ मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी का ध्यान आकर्षित किया जाएगा।

### भाटपाड़ा नगरपालिका में चेयरमैन समेत 29 पार्षदों ने दिया सामूहिक इस्तीफा

**कोलकाता, समाज़ा :** कांचरापाड़ा, हालिशहर के बाद अब भाटपाड़ा। बैरकपुर औद्योगिक अंचल में तृणमूल की नगरपालिकाओं में बड़े पैमाने पर इस्तीफों की मांग तेज हो गई है। गुरुवार को भाटपाड़ा नगरपालिका के चेयरमैन समेत 29 पार्षदों ने एक साथ इस्तीफा दे दिया। सूत्रों का दावा है कि पिछले कुछ दिनों से असंतुष्ट पार्षदों के बीच कई बैठकें चल रही थीं। गुरुवार को वह गुस्सा सामने आ गया। भाटपाड़ा नगरपालिका के 35 वार्डों में से दो पार्षदों की मौत हो चुकी है। बाकी 33 में से चेयरमैन समेत 29 पार्षदों के एक साथ इस्तीफे की खबर राजनीतिक गलियारों में फैल गई।

## गोघाट में तृणमूल नेता के घर के पास भारी मात्रा में बारूद और हथियार बरामद

**हुगली :** गोघाट इलाके में गुरुवार को तृणमूल नेता के घर के पास झाड़ियों से भारी मात्रा में बारूद और हथियार बरामद होने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना गोघाट-2 पंचायत समिति के कर्माध्यक्ष तथा पश्चिमपाड़ा क्षेत्र तृणमूल अध्यक्ष फरीद खान के घर से करीब 500 मीटर दूर झरिया इलाके की बताई जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गोघाट थाने की पुलिस ने झाड़ियों के पास जमीन की खुदाई के दौरान बारूद से भरे बोरे और हथियार बरामद किए। सूचना मिलने के बाद पुलिस और केंद्रीय बल के जवान मौके पर पहुंचे तथा पूरे इलाके को घेरकर विस्फोटक सामग्री को अपने कब्जे में लिया। घटना की खबर फैलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। हथियार और विस्फोटक बरामद होने के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। इस मामले में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि चुनाव परिणाम प्रतिकूल आने की स्थिति में इलाके में आतंक फैलाने के उद्देश्य से हथियार और बारूद जमा किए गए थे। भाजपा नेताओं ने फरीद खान और उनके भाई पर लंबे समय से इलाके में आतंक और लूटपाट फैलाने का आरोप भी लगाया। हालांकि, खबर लिखे जाने तक तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

## बशीरहाट में भाजपा नेता के घर के बाहर बम और धमकी भरा खत मिला

**कोलकाता, समाज़ा :** उत्तर 24 परगना जिले में गुरुवार की सुबह एक भाजपा नेता के घर के बाहर से एक देसी बम और एक धमकी भरा खत बरामद हुआ, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना बशीरहाट थाना अंतर्गत शासिना गांव में हुई, जहां भाजपा बूथ अध्यक्ष अनिल बरन मल्लिक रहते हैं। आरोप है कि बदमाशों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाया और भागने से पहले उनके घर के प्रवेश द्वार पर दो देसी बम रख दिए। यह मामला सुबह में तब सामने आया जब मल्लिक ने दरवाजा खोला और उन्हें वे विस्फोटक दिखाई दिए। जैसे ही इस मामले की सूचना अन्य लोगों को हुई, इलाके में तनाव फैल गया और ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी।पुलिसक र्मी और क्षेत्र में तैनात केंद्रीय बल तुरंत मौके पर पहुंचे और विस्फोटकों को सुरक्षित रूप से हटा दिया। बालकनी की ग्रिल से बंधा एक धमकी भरा पत्र और बोतलें भी मिलीं, जो भाजपा नेता के अनुसार, पहले भी डराने-धमकाने की कोशिशों का संकेत थीं। पुलिस ने बताया कि एक लिखित शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं और जनता का विश्वास बहाल करने के लिए पुलिस ने गांव में फ्लैग मार्च किया। पुलिस स्थानीय लोगों से यह पता लगाने के लिए भी पूछताछ कर रही है कि बम कहां से लाए गए थे और आधी रात को घर में कौन घुसा था। पुलिस ने बताया कि एक लिखित शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

## हावड़ा स्टेशन पर संदिग्ध पैकेट में लगी आग, सीसीटीवी में कैद हुआ युवक

❑ **मिथिला एक्सप्रेस घटना से जुड़ाव की जांच**

**हावड़ा :** हावड़ा स्टेशन के कैब रोड इलाके में एक संदिग्ध पैकेट में आग लगने की घटना के बाद आरपीएफ और रेलवे प्रशासन सतर्क हो गया है। यह घटना 19 मई को 13021 हावड़ा-रक्सौल मिथिला एक्सप्रेस के एक जनरल कोच से धुआं निकलने की घटना से करीब एक घंटे पहले की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, मिथिला एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर 8 से रवाना होने की तैयारी में थी, तभी एक जनरल डिब्बे से धुआं उठता देखा गया। घटना के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर आरपीएफ और रेलवे अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। एहतियात के तौर पर प्रभावित कोच को ट्रेन से अलग कर दूसरे डिब्बे को जोड़ा गया, जिसके बाद ट्रेन को रवाना किया गया। जांच के दौरान पुराने कैब रोड इलाके के सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध युवक टिकट काउंटर के पास पैकेट फेंकते दिखाई दिया। कुछ देर बाद पैकेट में आग लग गई। फुटेज में युवक को दूर खड़े होकर घटना पर नजर रखते भी देखा गया। पूर्व रेलवे हावड़ा मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त चोखा रघुवीर ने बताया कि आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए छह विशेष टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। प्राथमिक जांच में घटनास्थल से पेट्रोल जैसी ज्वलनशील पदार्थ की गंध मिलने की पुष्टि हुई है। फिलहाल, मामले की गहन जांच जारी है।

## कोट्टी में जोड़ासांको के नवनिर्वाचित विधायक विजय ओझा का सम्मान

**कोलकाता :** चेंबर ऑफ टेक्सटाइल ट्रेड एंड इंडस्ट्री (कोट्टी) द्वारा जोड़ासांको विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक विजय ओझा का सम्मान चैंबर सभागार में किया गया। इस अवसर पर चेंबर के अध्यक्ष महेंद्र जैन ने स्वागत करते हुए कहा कि 4 मई 2026 का दिन ऐतिहासिक है। इतनी प्रचंड जीत के बाद बीजेपी सरकार की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। लोगों की बहुत अपेक्षाएं है। उम्मीद है, सरकार आम जनता के समक्ष किए अपने वादों पर खरी उतरेगी। उन्होंने कहा कि आज हम यहां विजय ओझा के सम्मान हेतु एकत्रित हुए हैं। उनसे जो भी उम्मीदें है, उसके बारे में हम उनके अन्य अवसरों पर बात करेंगे। कोटी परिवार उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हैं।

चेंबर के अध्यक्ष महेंद्र जैन एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिरम प्रकाश प्रकाश सुल्तानिया द्वारा नवनिर्वाचित विधायक का शॉल ओढा कर एवं पुष्पहार पहनकर स्वागत किया गया। अपने व्यक्तव्य में विजय ओझा ने कहा कि कोट्टी एक तरह से मेरा अपना घर ही है। मैं बचपन से इसी क्षेत्र में पला बढा हूं और कोट्टी से मेरा वर्षों से रिश्ता रहा है। वर्तमान सरकार व्यापारियों के हित में कार्य करेगी इसका आप पूरा भरोसा रखें। उन्होंने कहा की कोट्टी ने व्यापार के उत्थान के लिए अपना बहुत योगदान दिया है और इसे मैं नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि व्यापारियों एवं सरकार के बीच मुझे सेतु के रूप में कार्य करना है।

इस अवसर पर वार्ड 22 की पार्षद मीना पुरोहित एवं पूर्व पार्षद सुनीता झंवर एवं किसन झंवर भी उपस्थित थे। कोट्टी के मंत्री देवेंद्र कुमार बोथरा ने कहा कि राज्य में डबल इंजन की सरकार बनी है, किंतु हमारे यहां पर चार इंजन की सरकार बनी है क्योंकि हमारे विधायक और पार्षद सभी सरकार की पार्टी के ही हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक पश्चिम बंगाल की जनता की अंगुली से वोट की स्याही सूखी भी नहीं है और वर्तमान सरकार ने अपना कार्य करना आरंभ कर दिया है।

इस अवसर पर कोट्टी के पूर्व अध्यक्ष मुरारी लाल खेतान, विजय कुमार विनायकिया, अरुण भुवालका, संयुक्त सचिव विजय सिंह जैन बावलिया एवं आयुष पोद्दार तथा कार्यकारिणी सदस्य बालकृष्ण धेलिया, बिनोद मिन्नी, राकेश सराफ, सरोज सिंघल, संतोष खेड़िया, बजरंग लाल खेडिया, सुशील शाह, विकास लखोटिया, अजय सिंघी, सुशांत शाह, संजय कंदोई, ललित सिंघी भी उपस्थित थे। मंत्री देवेंद्र बोथरा ने कार्यक्रम का संचालन किया करते हुए सभी को धन्यवाद दिया।

## चौथी बार बेटी होने पर नवजात की हत्या, शव नाले में फेंकने वाले दंपति को उम्रकैद

**हुगली :** लगातार चौथी बार बेटी पैदा होने के बाद नवजात बच्ची की हत्या कर शव नाले में फेंकने के मामले में हुगली के एक दंपति को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। चूंचुड़ा की तृतीय जिला एवं सत्र अदालत के न्यायाधीश कौस्तभ मुखोपाध्याय ने गुरुवार को आरोपी माता-पिता पूर्णिमा टुडू और नारायण टुडू को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही दोनों पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना अदा नहीं करने पर अतिरिक्त छह महीने की जेल काटनी होगी।

मामला हुगली जिले के मानुसमारी गांव का है। जानकारी के अनुसार, 24 दिसंबर 2020 को पूर्णिमा टुडू ने अपने घर में चौथी बार एक बेटी को जन्म दिया था। आरोप है कि उसी दिन पति नारायण टुडू के साथ मिलकर उसने नवजात बच्ची की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद सबूत मिटाने के लिए बच्ची के शव को एक नायलॉन बैग में भरकर घर के पास स्थित मानुसमारी नाले में फेंक दिया गया।

बाद में नाले से बच्ची का शव बरामद हुआ। पड़ोसी गणेश मुर्मू ने पूर्णिमा और नारायण के खिलाफ हत्या की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पांडुआ थाने के पुलिस अधिकारी बुद्धदेव सरकार ने मामले की जांच शुरू की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि नवजात की हत्या गला दबाकर की गई थी।

जांच के दौरान पुलिस ने दंपति को गिरफ्तार किया, लेकिन शव मिलने के बाद भी दोनों ने बच्ची को अपना संतान मानने से इनकार कर दिया। इसके बाद अदालत के निर्देश पर डीएनए परीक्षण कराया गया। डीएनए रिपोर्ट में साबित हो गया कि मृत नवजात पूर्णिमा और नारायण की ही बेटी थी।

मामले में कुल 17 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। सभी साक्ष्यों, गवाहों और डीएनए रिपोर्ट के आधार पर अदालत ने बुधवार को दोनों को दोषी करार दिया था। इसके बाद गुरुवार को सजा सुनाई गई।

हुगली जिले के मुख्य सरकारी वकील शंकर गंगोपाध्याय ने बताया कि 24 दिसंबर 2020 को पांडुआ थाने में एफआईआर दर्ज होने के बाद जांच शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि डीएनए जांच इस मामले का सबसे महत्वपूर्ण सबूत साबित हुई, जिसके आधार पर अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई।

### कैनिंग पश्चिम के तृणमूल विधायक को हाई कोर्ट से राहत

**कोलकाता, समाज़ा :** कलकत्ता हाई कोर्ट ने दक्षिण 24 परगना के कैनिंग पश्चिम से तृणमूल विधायक परेश राम दास को सुरक्षा दी है। चुनाव के नतीजों की घोषणा के बाद से ही तृणमूल विधायक कई मामलों में शामिल रहे हैं। गिरफ्तारी के डर से उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उस मामले की सुनवाई में जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने साफ आदेश दिया था कि 30 जून तक परेश राम दास के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जा सकती। हालांकि, जांच का काम अभी रुक नहीं रहा है। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि पुलिस को जांच के लिए शिकायतकर्ता को हर संभव सहयोग देना होगा।

### जेल में बंद शेख शाहजहां गिरफ्तार

**कोलकाता, समाज़ा :** जेल में बंद शेख शाहजहां को गिरफ्तार किया गया है। शेख शाहजहां के खिलाफ नैजाट थाने में बशीरहाट उपजिला के संदेशखली ब्लॉक नंबर 1 में गैर-कानूनी तरीके से ज़मीन हड़पने और लूटपाट के आरोप में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। उस शिकायत के आधार पर, शेख शाहजहां को फिर से गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उस पर अभी भी जेल में मुकदमा चल रहा था। शेख शाहजहां के वकील राजा भौमिक ने कहा कि नैजाट थाने की पुलिस ने उसे संदेशखली ब्लॉक नंबर 1 के दो मामलों, नंबर 89 और नंबर 59 में गिरफ्तार किया। उसके बाद, शाहजहां को आज बशीरहाट उपजिला कोर्ट ले जाया गया। शेख शाहजहां को 14 दिनों के बाद फिर से बशीरहाट उपजिला कोर्ट ले जाया जाएगा।

## बंगाल में नहाने लायक हुई गंगा नदी, नमामि गंगे अभियान से संभव हुआ शुद्धिकरण

❑ **'नमामि गंगे' परियोजनाओं से प्रदूषण में उल्लेखनीय सुधार**

❑ **5,028 करोड़ की 34 सीवेज परियोजनाएं बनीं आधार**

**कोलकाता, समाज़ा :** गंगा नदी का वह भाग जो पहले अत्यधिक प्रदूषित था अब काफी साफ हो चुका है। दावा किया गया है कि बंगाल में गंगा का अधिकांश हिस्सा अब नहाने लायक हो गया है। नमामि गंगे के अनुसार प्रवाह क्षेत्र वाले अन्य राज्यों से सीवेज और प्रदूषक को वहन करने के बावजूद प्रदूषण के स्तर में उल्लेखनीय सुधार दिख रहा है। बंगाल में ही गंगा नदी समुद्र में मिलती है। 'नमामि गंगे' गंगा नदी का प्रदूषण समाप्त करने और नदी को पुनर्जीवित करने का मिशन है।नमामि गंगे ने यह भी कहा कि बंगाल में उपचारित अपशिष्ट जल के सुरक्षित पुन: उपयोग से संबंधित नीतिगत कार्य लगभग पूरा हो चुका है। राज्य की उपचारित जल के सुरक्षित पुन: उपयोग नीति को अगले दो महीनों के भीतर अधिसूचित किए जाने की उम्मीद है। स्वच्छ गंगा राष्ट्रीय मिशन (एमएमसीजी) ने कहा कि एक्स पर पोस्ट में कहा कि जब तक गंगा नदी बंगाल पहुंचती है, तब तक वह हिमालय से लेकर प्रवाह क्षेत्र में स्थित हर राज्य, हर शहर, हर नाले का संयुक्त भार वहन कर रही होती है। यही वह हिस्सा है जिसमें प्रदूषण में सबसे ज्यादा सुधार हुआ है। स्वच्छ गंगा राष्ट्रीय मिशन 'नमामि गंगे' पहल को लागू करने वाली नोडल एजेंसी है।

एमएमसीजी ने पिछले सात वर्षों में जल की गुणवत्ता में आए बदलाव को रेखांकित करने के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के प्रदूषित नदी क्षेत्रों (पीआरएस) के आकलन का हवाला दिया। नमामी गंगे के अनुसार, बंगाल में त्रिवेणी से डायमंड हार्बर तक फैले नदी के हिस्से को 2018 में 'प्राथमिकता तीन' प्रदूषित नदी क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया गया था। सीपीसीबी के नवीनतम आकलन के अनुसार, बंगाल में गंगा के अधिकांश हिस्से अब स्नान-योग्यता मानकों के अनुरूप हैं, केवल बहरामपुर से डायमंड हार्बर तक का निचला हिस्सा ही प्राथमिकता पांच श्रेणी के अंतर्गत है। हालांकि नवीनतम आकलन में प्रदूषित क्षेत्र भौगोलिक रूप से लंबा दिखाई देता है, लेकिन वास्तविक प्रदूषण भार में काफी कमी आई है।

## डानकुनी के तृणमूल पार्षद सूर्य दे गिरफ्तार

**हुगली :** डानकुनी नगरपालिका के वार्ड संख्या 18 के पार्षद और तृणमूल नेता सूर्य दे को डानकुनी थाने की पुलिस ने गुरुवार तड़के गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार उन्हें गुरुवार को श्रीरामपुर अदालत में पेश किया जाएगा। बताया गया है कि एक व्यक्ति के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में दर्ज एक पुराने मामले में उनकी गिरफ्तारी हुई है। आरोप है कि यह घटना 2021 विधानसभा चुनाव के बाद की है, लेकिन आरोपी के डर से पीड़ित उस समय थाने में लिखित शिकायत दर्ज नहीं करा सका था। बाद में परिस्थितियां बदलने के बाद पीड़ित ने दोबारा शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के बाद गुरुवार तड़के पुलिस ने डानकुनी स्थित उनके

आवास से उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एसआईआर की अंतिम सूची में अपना नाम मृत घोषित किए जाने को लेकर सूर्य दे ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए थे। बाद में उन पर संबंधित बीएलओ के साथ मिलीभगत कर खुद ही अपना नाम मृतकों की सूची में शामिल करवाने का आरोप लगा था। इस घटना को लेकर राजनीतिक हलकों में भी काफी चर्चा हुई थी।

# राज्य सरकार ने किया बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 17 आईएएस अधिकारियों का तबदला

❑ **बिधाननगर एवं आसनसोल नगर निगम में नया कमिश्नर नियुक्त**

❑ **हावड़ा, दक्षिण दिनाजपुर को मिले नए जिलाधिकारी**

**कोलकाता, समाज़ा :** पश्चिम बंगाल सरकार के कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग ने राज्य में एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 17 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के तबादले और नई नियुक्तियों की अधिसूचना जारी की है। राज्यपाल के आदेश पर जारी इस अधिसूचना के तहत कई नगर निगमों के कमिश्नर और जिलों के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) बदले गए हैं। अधिसूचना के अनुसार, सुजय सरकार (बैच 2010) को बिधाननगर नगर निगम के कमिश्नर पद से हटाकर अब इन्हें 'कमिश्नर ऑफ टेक्सटाइल्स एंड सेरीकल्चर' बनाया गया है। साथ ही, इन्हें तंतुजा के एमडी का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। नितिन सिंघानिया (बैच 2013) को केएमडीए के सीईओ पद से ट्रांसफर कर इन्हें गृह एवं पर्वतीय मामलों विभाग में सीनियर स्पेशल सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, वह सत्येंद्रनाथ टैगोर सिविल सर्विसेज़ स्टडी सेंटर के कोर्स डायरेक्टर और 'सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस इन पब्लिक मैनेजमेंट' के मेंबर सेक्रेटरी की अतिरिक्त ज़िम्मेदारियां भी संभालेंगे। रवि अग्रवाल (बैच 2017) को पुरुलिया के एडीएम पद से पदोन्नत कर इन्हें बिधाननगर नगर निगम का नया कमिश्नर नियुक्त किया गया है। हिंदोल दत्त (बैच 2014) को आसनसोल नगर निगम का नया कमिश्नर बनाया गया है। इससे पहले वह नेताजी सुभाष प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान में एसोसिएट प्रोफेसर थे। सुब्रत मलिक को कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग में ओएसडी पद से हटाकर हावड़ा का जिलाधिकारी (डीएम) एवं डीसी बनाया गया है। इसी तरह उसी विभाग में ओएसडी पद पर तैनात सुप्रतीक साहा को वहां से हटाकर दक्षिण दिनाजपुर जिले के डीएम एवं डीसी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बुलबुल बाकची को वरिष्ठ उप सचिव, पीयूए विभाग से हटाकर एडीएम, बीरभूम बनाया गया है। डॉ. सुरेश चंद्र रानो को वरिष्ठ उप सचिव, जनजातीय विकास विभाग से हटाकर एडीएम, बीरभूम नियुक्त किया गया है। सप्तर्षि नाग को स्थानीय निकाय निदेशालय से हटाकर एडीएम, अलीपुरद्वार बनाया गया है। तापस कुमार भट्टाचार्य को हावड़ा नगर निगम (एचएमसी) के संयुक्त आयुक्त पद से हटाकर एसडीओ, खटरा (बांकुड़ा) नियुक्त किया गया है। राज्य सरकार के इस प्रशासनिक फेरबदल को जिलों में प्रशासनिक कामकाज को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | www samagya.in
230, C. R. Ave, 3rd Floor, Kolkata-700 006, Contact : 7044444522, 7044444527

## जयपुर में व्यापारी से पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी, गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम पर मिली धमकी

**जयपुर :** राजस्थान की राजधानी जयपुर के श्याम नगर इलाके में एक व्यापारी से पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। धमकी देने वाले ने खुद को कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा बताया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, श्याम नगर निवासी व्यापारी के पिता ने इस संबंध में थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया है कि 18 मई की शाम करीब चार बजे उनके मोबाइल फोन पर एक विदेशी नंबर से कॉल आया। फोन कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को गैंगस्टर रोहित गोदारा बताते हुए पांच करोड़ रुपये की मांग की। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने धमकी दी कि यदि तय समय में रकम नहीं दी गई तो व्यापारी की हत्या कर दी जाएगी। शिकायत के अनुसार फोन करने वाले ने कहा, ''दो दिन में पैसे दे देना, नहीं तो जान से मार दूंगा।'' पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर कॉल डिटेल और मोबाइल नंबर की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि यह भी जांच की जा रही है कि धमकी वास्तव में किसी गैंगस्टर गिरोह की ओर से दी गई है या किसी व्यक्ति ने फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर कॉल किया है।

## डीआरआई ने लखनऊ में बस यात्री से जब्त की 10 करोड़ रुपये से अधिक की हेरोइन

**लखनऊ :** राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने काठमांडू से दिल्ली जा रहे एक यात्री को लखनऊ में गिरफ्तार कर उसके पास से 10 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 5.24 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। डीआरआई द्वारा जारी बयान के अनुसार, सूचना मिली थी कि एक यात्री बस से काठमांडू से दिल्ली जा रहा है और उसके पास मादक पदार्थ है। इसके आधार पर डीआरआई अधिकारियों ने लखनऊ में संदिग्ध यात्री के सामान की जांच की। जांच के दौरान दो पैकेटों में रखे गए 5,240 ग्राम सफेद पाउडर जैसे पदार्थ बरामद किए गए, जिसकी जांच में हेरोइन के रूप में पुष्टि हुई। इसके बाद डीआरआई ने आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। बयान में कहा गया है कि जब्त हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत लगभग 10.48 करोड़ रुपये आंकी गई है। बरामद हेरोइन को मादक पदार्थ एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस), 1985 के तहत जब्त किया गया है। आरोपी को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, एनडीपीएस अदालत लखनऊ के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बयान के अनुसार, डीआरआई ने पिछले छह महीनों में लखनऊ में कुल 21.34 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में अनुमानित कीमत 42.68 करोड़ रुपये है।

# बिहार में बाढ़ और सूखे की आशंका पर सतर्क रहें अधिकारी : सम्राट चौधरी

**पटना :** बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने संभावित बाढ़ और सूखे की दोहरी चुनौती को देखते हुए बृहस्पतिवार को अधिकारियों को पूरी सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी आपदा को विकराल रूप नहीं लेने देना है। मुख्यमंत्री सचिवालय के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में चौधरी ने कहा कि आपदा की किसी भी स्थिति में लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा, ''सरकार जनता के साथ खड़ी है। राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है।' मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान के अनुसार, चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तटबंधों और सड़कों के निर्माण कार्य 31 मई तक पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने आपदा प्रबंधन विभाग को स्थिति की लगातार निगरानी बनाए रखने का निर्देश देते हुए भूजल स्तर को बनाए रखने और पेयजल की पर्याप्त उप-

लब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाए। इस बैठक में बिहार मौसम सेवा केंद्र के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि इस वर्ष मानसून के दौरान जून और जुलाई में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है, जबकि अगस्त में सामान्य वर्षा हो सकती है। सितंबर में फिर सामान्य से कम वर्षा होने का अनुमान है। बयान के अनुसार, दक्षिण बिहार में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है, जबकि उत्तर बिहार में सामान्य वर्षा हो सकती है। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने श्रावणी मेला-2026 की तैयारियों को लेकर भी समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा, ''यह सुनिश्चित किया जाए कि कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पैदल मार्गों को व्यवस्थित रखा जाए तथा शौचालय, स्वच्छता और पेयजल की समुचित व्यवस्था हो। कांवड़िया पथ के प्रमुख विश्राम केंद्रों के पास स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित की जाएं।'' बैठकों में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव सहित अन्य मंत्री, वरिष्ठ नौकरशाह और पुलिस अधिकारी मौजूद थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने पटना स्थित सरदार पटेल भवन ऑडिटोरियम (बिहार पुलिस मुख्यालय) में आयोजित कार्यक्रम में 61 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को लगभग 37 करोड़ रुपये की बीमा राशि के चेक वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वीर पुलिसकर्मियों के परिवारों के प्रति पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ हमेशा उनके साथ खड़ी है।

# राजस्थान: नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, प्रधान के इस्तीफे की मांग

**जयपुर :** कांग्रेस की राजस्थान इकाई ने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट- यूजी) के प्रश्नपत्र लीक प्रकरण को लेकर यहां बृहस्पतिवार को विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय की ओर रैली निकालने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें बैरिकेड लगाकर रोक दिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार की। कांग्रेस नेताओं ने इस मामले में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को भंग करने की मांग की। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता पार्टी मुख्यालय से पैदल मार्च निकाला। वे शहीद स्मारक होते हुए रैली के रूप में भाजपा कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे और हाथों में तख्तियां व बैनर लिए हुए थे। शहीद स्मारक के पास पुलिस ने भारी सुरक्षा बल तैनात किए और बैरिकेड लगाकर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका। जब कुछ कार्यकर्ता बैरिकेड पर चढ़ गए और उन्हें लांघकर भाजपा कार्यालय की ओर बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार की। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने डोटासरा को अपने कंधों पर उठा लिया। पुलिसकर्मियों द्वारा प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश के दौरान दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। विरोध प्रदर्शन के दौरान पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास शहीद स्मारक के पास पुलिस कमिश्नरेट के सामने धरने पर बैठ गए। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस कार्यकर्ता भी शामिल हुईं। उन्होंने गीत गाकर तथा डफली बजाकर प्रदर्शन किया। कुछ युवा भी मेडिकल छात्रों की वेशभूषा में इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन के बाद, मामूली चोटिल कुछ कार्यकर्ताओं को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया।

## गलत पहचान के कारण दूसरे व्यक्ति के शव को दफनाया; लापता व्यक्ति जीवित लौटा

**रांची :** झारखंड के खूंटी जिले में विश्राम मुंडा के लापता होने के कुछ दिन बाद परिजनों ने उनका अंतिम संस्कार कर दिया, लेकिन वे उस समय हैरान रह गए जब वह करीब 70 किलोमीटर दूर रामगढ़ से अपने घर लौट आए। बुधवार को अधिकारियों ने कहा कि परिवार ने पुलिस द्वारा बरामद एक शव की पहचान गलती से मुंडा के रूप में की थी और उसका अंतिम संस्कार कर दिया। खूंटी के उपमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) वरुण रजक ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पत्राटोली गांव के निवासी 45 वर्षीय मुंडा 10 मई को एक शादी में शामिल होने के लिए घर से निकलने के बाद लापता हो गए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया, उनके परिवार ने बहुत खोजबीन की, लेकिन उनका पता नहीं चल सका।

# झारखंड: रांची में 27 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया

**रांची :** झारखंड की डीजीपी तदाशा मिश्रा की उपस्थिति में बृहस्पतिवार को यहां पुलिस के समक्ष कुल 27 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया और इन नक्सलियों का पूर्ण समर्थन के साथ पुनर्वास किया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) से जुड़े उग्रवादियों ने झारखंड पुलिस, झारखंड जगुआर और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) सहित अन्य इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष हथियार डाल दिए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, विभिन्न मामलों में वांछित 27 माओवादियों ने 'ऑपरेशन नवजीवन' के तहत पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। 2026 में कुल 22 माओवादी मारे गए, 44 गिरफ्तार

किए गए और 29 ने आत्मसमर्पण किया। हम शेष बचे कुछ माओवादियों से मुख्यधारा में लौटने की अपील करते हैं। मिश्रा ने कहा कि राज्य में उग्रवाद को खत्म करने के लिए सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार को आत्मसमर्पण करने वाले 27 माओवादियों का पुनर्वास किया जाएगा। सीआरपीएफ के आईजी साकेत सिंह ने कहा, जिन्होंने आत्मसमर्पण नहीं किया है, हम उन लोगों से अपील करते हैं कि वे हिंसा का मार्ग त्यागकर मुख्यधारा में आ जाएं। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले भाकपा (माओवादी) के अंतिम सक्रिय पोलित ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा के समूह से संबंधित हैं, जिस पर एक करोड़ रुपये का इनाम है और जो सारंडा और कोल्हान क्षेत्रों में सक्रिय था। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में सात 'उप-क्षेत्रीय कमांडर' थे, जिनमें 123 मामलों में वांछित सागेन आंगारिया उर्फ डोकोल (50), 48 मामलों में वांछित गादी मुंडा उर्फ गुलशन (34), 38 आपराधिक मामलों में वांछित नागेंद्र मुंडा उर्फ प्रभांत मुंडा (50) और जेजेएमपी के सचिन बेग शामिल हैं। छह 'क्षेत्रीय कमांडरों' ने भी हथियार डाल दिए। इनमें से सात में से पांच पर पांच लाख रुपये का इनाम था।

# प्रधानमंत्री के 'विजन' ने खेलों के लिए बेहतर माहौल बनाया : मुख्यमंत्री

**गोरखपुर (उप्र) :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विजन' ने पिछले एक दशक में देश और खासकर उत्तर प्रदेश में खेलों के लिए बेहतर माहौल बनाने में मदद की है। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर स्थित रामगढ़ ताल में 46वीं जूनियर राष्ट्रीय नौकायन प्रतियोगिता के समापन और पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि खेल के बुनियादी ढांचे के तेजी से विकास और खिलाड़ियों को लगातार प्रोत्साहन देने से राज्य का खेल परिदृश्य पूरी तरह बदल गया

है। उन्होंने कहा कि रामगढ़ ताल का कायाकल्प इसी बदलाव को दिखाता है। आदित्यनाथ ने कहा, 2017 से पहले लोग गंदगी और अपराध की वजह से यहाँ आने से बचते थे। आज, यहां राष्ट्रीय नौकायन प्रतियोगिताएं और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की तैयारी कर रही महिला खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विजन' ने पिछले एक दशक में देश में और खासकर उत्तर प्रदेश में खेलों के लिए एक मजबूत माहौल बनाने में मदद की है। भारतीय रोइंग महासंघ द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप में 20 राज्यों के लगभग 300 नौकायन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

# मायावती से मुलाकात पर दलित नेताओं के स्पष्टीकरण से कांग्रेस संतुष्ट : अविनाश पांडेय

**लखनऊ :** कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रभारी अविनाश पांडेय ने पार्टी आलाकमान की अनुमति के बगैर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती से बुधवार को मुलाकात करने गए अपने दो दलित नेताओं के इस सिलसिले में दिए गए स्पष्टीकरण पर संतोष जाहिर किया है। कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम और विभाग के उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष व सांसद तनुज पुनिया कुछ अन्य नेताओं के साथ मंगलवार शाम को मायावती के आवास पर गए थे लेकिन उनकी मायावती से मुलाकात नहीं हो पायी थी। कांग्रेस प्रदेश नेतृत्व ने पार्टी के आलाकमान की अनुमति के बगैर मायावती से मुलाकात करने जाने पर संबंधित नेताओं को नोटिस जारी करके स्पष्टीकरण मांगा था। पांडेय ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पार्टी ने इन नेताओं को अपनी बात रखने का मौका दिया था और उनका जवाब संतोषजनक रहा। उन्होंने कहा, ''बसपा प्रमुख से मुलाकात करने गए कांग्रेस नेताओं ने अपने स्पष्टीकरण में कहा कि वे बसपा प्रमुख के आवास पर सद्भावना के तौर पर गए थे। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया है कि भविष्य में ऐसी किसी भी पहल को लेकर वे ज्यादा सावधानी बरतेंगे। पार्टी उनकी सफाई से संतुष्ट है।'' पांडेय ने इससे

पहले बताया था कि हालांकि कांग्रेस मायावती का 'बहुत सम्मान' करती है लेकिन उनसे मिलने गए कांग्रेस नेताओं का दल पार्टी की ओर से कोई अधिकृत प्रतिनिधिमंडल नहीं था।

# बिहार के युवाओं के साथ विश्वासघात कर रही राजग सरकार : तेजस्वी यादव

**पटना :** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बृहस्पतिवार को शिक्षक भर्ती परीक्षा ( टीआरई-4 ) को लेकर राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर युवाओं के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार चुनाव से पहले नौकरी का वादा करती है, लेकिन अब परीक्षा और भर्ती की मांग करने वाले युवाओं पर लाठीचार्ज कराया जा रहा है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि टीआरई-4 परीक्षा की मांग करना अपराध नहीं हो सकता और पेपर लीक का विरोध करने वालों पर कार्रवाई करना गलत है। उन्होंने सवाल किया कि परीक्षा और भर्ती की मांग करने वाले अभ्यर्थियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों की जा रही है? नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बिहार के युवा केवल वही मांग कर रहे हैं, जिसका वादा राजग नेताओं ने चुनाव के दौरान किया था। उन्होंने दावा किया कि राज्य में एक करोड़ नौकरी देने की बात कही गई थी, लेकिन अब अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि

युवाओं को रोजगार देने के बजाय उन पर प्रशासनिक दबाव बनाया जा रहा है। तेजस्वी ने कहा कि यदि सरकार को पुलिस कार्रवाई का उपयोग करना ही है, तो उसका इस्तेमाल अपराध और भ्रष्टाचार रोकने में किया जाना चाहिए। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि बिहार में अपराध की घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन कार्रवाई युवाओं पर की जा रही है। उनका कहना था कि परीक्षा और भर्ती की मांग करने वाले छात्रों पर बार-बार लाठीचार्ज किया जाना गलत संदेश दे रहा है। टीआरई-4 भर्ती प्रक्रिया में देरी को लेकर सरकार को घेरते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार की मंशा टीआरई-4 की रिक्तियां निकालने की नहीं है।

## उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी, अगले तीन दिन लू का अलर्ट

**लखनऊ :** उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी से फिलहाल राहत मिलने के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी और लू चलने की चेतावनी जारी की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार बढ़ती गर्मी को देखते हुए अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों के संबंध में पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। लखनऊ स्थित मौसम विज्ञान केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, किसी सक्रिय मौसम प्रणाली के अभाव, साफ आसमान और शुष्क मौसम के कारण प्रदेश में गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है। इसके अलावा मध्य भारत के ऊपर बने एंटीसाइक्लोन के प्रभाव से मध्य क्षोभमंडल स्तरों से नीचे उतर रही गर्म हवाओं ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। मौसम विभाग ने 21 से 25 मई के बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में दिन के समय भीषण लू चलने का अनुमान जताया है। वहीं, 22 से 24 मई के बीच कुछ स्थानों पर रातें भी गर्म रहने की संभावना है। विभाग के अनुसार, इसी अवधि में पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति बनी रह सकती है।



# बल्लेबाजों और गेंदबाजों के ऑलराउंड प्रदर्शन से टाइटंस ने सुपरकिंग्स को 89 रन से रौंदा

**अहमदाबाद :** सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल के शानदार अर्धशतकों तथा गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत गुजरात टाइटंस ने गुरुवार को आईपीएल मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स को 89 रन से हराकर अंक तालिका में शीर्ष दो में अपनी जगह मजबूत कर ली।पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने चार विकेट पर 229 रन बनाए। साई सुदर्शन ने 53 गेंदों में 84 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें सात चौके और चार छक्के शामिल रहे। कप्तान शुभमन गिल ने 37 गेंदों पर 64 रन बनाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 125 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। इसके बाद जोस बटलर ने 27 गेंदों में नाबाद 57 रन बनाकर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।चेन्नई की ओर से मुकेश चौधरी, स्पेंसर जॉनसन और अंशुल कंबोज को एक-एक विकेट मिला।230 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपरकिंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही। मोहम्मद सिराज ने पहली ही गेंद पर संजू सैमसन को आउट कर दिया, जबकि कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी जल्द पवेलियन लौट गए। टीम लगातार विकेट गंवाती रही और 13.4 ओवर में 140 रन पर सिमट गई।चेन्नई की ओर से शिवम दुबे ने 17 गेंदों में 47 रन बनाकर संघर्ष किया, जबकि मैथ्यू शॉर्ट ने 24 रन बनाए। गुजरात के लिए सिराज, राशिद खान और कागिसो रबाडा ने तीन-तीन विकेट झटके। इस जीत के साथ गुजरात के 14 मैचों में 18 अंक हो गए हैं।

## ईस्ट बंगाल बना आईएसएल चैंपियन, 22 साल का इंतजार खत्म किया

**कोलकाता :** ईस्ट बंगाल एफसी बृहस्पतिवार को यहां पहली बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल चैंपियन बना। इसके साथ ही देश की इस शीर्ष टियर प्रतियोगिता में उसका 22 साल से चला आ रहा खिताब का सूखा खत्म हो गया। खिताब के लिए शीर्ष पांच टीम के बीच हुए रोमांचक मुकाबले के बीच ईस्ट बंगाल ने बाजी मारी। ईस्ट बंगाल ने किशोर भारती क्रीड़ांगन में इंटर काशी पर कड़े मुकाबले में 2-1 की जीत के साथ खिताब अपने नाम किया। वहीं मोहन बागान ने युवा भारती क्रीड़ांगन में स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली को 2-1 से हराया। ईस्ट बंगाल के अलावा मोहन बागान, मुंबई सिटी एफसी, पंजाब सिटी और बेंगलुरु एफसी अंतिम दौर के मुकाबलों से पहले खिताब के दावेदारों में शामिल थे। मुंबई एफसी ने पंजाब एफसी को 2-0 से हराया जबकि ओडिशा एफसी और जमशेदपुर एफसी के बीच मुकाबला गोल रहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ। हालाकि ईस्ट बंगाल को आखिरी मिनट तक कड़ी मेहनत करनी पड़ी। अल्फ्रेड के शानदार गोल ने 15वें मिनट में इंटर काशी को बढ़त दिला दी। मध्यांतर से पहले बराबरी करने के कई मौके गंवाने के बाद ईस्ट बंगाल ने 50वें मिनट में स्ट्राइकर यूसुफ एजेजारी के गोल से बराबरी हासिल की। यूसुफ एजेजारी गोल्डन बूट के विजेता भी हैं। उन्होंने 13 मैच में 11 गोल करके लीग के सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी के तौर पर अपनी जगह बनाई। मोहम्मद राशिद ने 73वें मिनट में ईस्ट बंगाल के लिए दूसरा गोल किया और कोलकाता के इस दिग्गज क्लब ने शानदार अंदाज में मैच का पासा पलटते हुए खिताब जीता।

## आरसीबी की निगाहें शीर्ष स्थान पर, सनराइजर्स हैदराबाद की कोशिश पहले क्वालीफायर में जगह बनाने पर

**हैदराबाद :** आईपीएल में शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच मुकाबला शीर्ष दो में जगह तय करने के लिहाज से अहम होगा। आरसीबी 18 अंकों और बेहतर नेट रन रेट के साथ

तालिका में शीर्ष पर है। जीत मिलने पर उसे पहले स्थान के साथ फाइनल में पहुंचने के दो मौके मिलेंगे। दूसरी ओर, 16 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर काबिज एसआरएच को शीर्ष दो में पहुंचने के लिए बड़ी जीत दर्ज करनी होगी और गुजरात टाइटन्स की हार की भी उम्मीद करनी होगी।रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने संतुलित प्रदर्शन किया है। विराट कोहली 13 मैच में 542 रन बनाकर शानदार फॉर्म में हैं, जबकि भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने गेंदबाजी में अहम भूमिका निभाई है।एसआरएच की बल्लेबाजी अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन पर निर्भर रहेगी। कप्तान पैट कमिंस और युवा तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा ने भी टीम को मजबूती दी है।

## तेलंगाना के तुलसी रेड्डी ने माउंट एवरेस्ट फतह किया

**हैदराबाद :** कई लोगों के लिए माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना सबसे बड़ा रोमांच होता है लेकिन भारतीय पर्वतारोही तुलसी रेड्डी पालपुनूरी के लिए यह दृढ़ता, अनुशासन, बदलाव और लगन की एक ऐसी यात्रा बन गई जिसने लोगों को प्रेरित किया। हैदराबाद के पास बोवरमपेट गांव के रहने वाले तुलसी ने वर्षों के अनुशासन, प्रशिक्षण और लगातार तैयारी के बाद सफलतापूर्वक माउंट एवरेस्ट की चोटी फतह की। तुलसी की कहानी को जो बात प्रेरित करने वाली बनाती है वह यह है कि इसकी

शुरुआत कितने साधारण तरीके से हुई थी। कभी खाने-पीने के शौकीन रहे तुलसी बस फिट होना चाहते थे। धीरे-धीरे जिम में वर्कआउट और स्वस्थ जीवनशैली एंड्यूरेंस खेल और पर्वतारोहण के प्रति जुनून में बदल गई। समय के साथ उन्होंने कई स्थानीय दौड़, कठिन 'आयरनमैन' चुनौती और दुनिया भर में कई ऊंची चोटियों पर चढ़ाई के अभियान पूरे किए। इस सफर के दौरान तुलसी ने दुनिया भर की कई चुनौतीपूर्ण चोटियों पर चढ़ाई की जिनमें माउंट एल्ब्रस (5,642 मीटर), एकॉनकागुआ (6,961 मीटर), माउंट किलिमंजारो (5,895 मीटर) और कांग यात्से (6,400 मीटर) शामिल हैं। तुलसी ने कहा, ''एवरेस्ट पर चढ़ना वर्षों के अनुशासन, त्याग और लगातार तैयारी का नतीजा है।

## हार्दिक पंड्या पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना, गिल्ली गिराने पर एक डिमेरिट अंक मिला

**कोलकाता :** मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान क्रिकेट के सामान का गलत इस्तेमाल करने के लिए उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और एक डिमेरिट अंक दिया गया है। बुधवार को हुए इस मैच के दौरान पंड्या ने निराशा में विकेट की गिल्लियां गिरा दी थीं। उन्हें आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करते हुए पाया गया। ईडन गार्डन्स में हुए इस मैच में मुंबई इंडियंस चार विकेट से हार गई थी। पंड्या ने 'अपने रन-अप पर वापस जाते समय विकेट की गिल्लियां जोर से गिरा दी थीं।' आईपीएल ने एक बयान में कहा, 'हार्दिक पंड्या को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन करते हुए पाया गया जो 'मैच के दौरान क्रिकेट के सामान या कपड़ों, मैदान के सामान और फिटिंग्स का गलत इस्तेमाल' करने से संबंधित है।

# फेड कप : राष्ट्रमंडल खेलों में जगह बनाने के लिये उतरेंगे एथलीट

**रांची :** देश के शीर्ष ट्रैक और फील्ड सितारे यहां शुक्रवार से शुरू हो रहे चार दिवसीय सीनियर फेडरेशन कप के जरिये 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में जगह पाने के लिये राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान खींचने की कोशिश करेंगे। यह टूर्नामेंट इसलिये भी अहम है क्योंकि भारतीय एथलेटिक्स महासंघ पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर 'एसआरवाय जीन टेस्ट' (जैविक लिंग परीक्षण) करायेगा ताकि जैविक रूप से महिला प्रतियोगी ही महिला वर्ग में उतर सकें। यह 'स्वैब' या रक्त की जांच के जरिये कराया जायेगा। एएफआई भारतीय खिलाड़ियों के डीएनए टेस्ट भी शुरू करेगा ताकि ये आंकड़े बाद में अनुसंधान और विकास के काम आ सके। एसआरवाय टेस्ट और डीएनए टेस्ट के नतीजे और रिकॉर्ड गोपनीय रखे जायेंगे। ग्लास्गो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों का अंतिम चयन टूर्नामेंट होने के अलावा यह चीन में नौ से 12 जुलाई तक होने वाली पहली एशियाई अंडर 23 चैम्पियनशिप का ट्रायल भी होगा। इसमें ओलंपिक पदक विजेता भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा और 3000 मीटर स्टीपलचेस खिलाड़ी अविनाश साबले भाग नहीं लेंगे।

## नौसेना प्रमुख के रूप में सेवानिवृत्त होने से पहले एडमिरल त्रिपाठी ने राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की

**नयी दिल्ली :** निवर्तमान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। एडमिरल त्रिपाठी 31 मई को सेवानिवृत्त होंगे। राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को अगले नौसेना प्रमुख के रूप में नामित किया गया है।

## तमिलनाडु: राज्यपाल ने शपथ के दौरान नेताओं के नाम लेने पर कांग्रेस सदस्य को टोका

**चेन्नई :** तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बृहस्पतिवार को मंत्री पद की शपथ ले रहे कांग्रेस नेता एस राजेश कुमार को टोकते हुए उन्हें लिखित शपथ ही पढ़ने को कहा। कांग्रेस विधायक दल के नेता राजेश कुमार किल्लियूर से विधायक हैं और वह आज शपथ ग्रहण करने वाले मंत्रियों में शामिल रहे। यहां लोक भवन में राज्य के मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने के दौरान जब कुमार लिखित शपथ पढ़ रहे थे, तभी अचानक वह कांग्रेस नेताओं कामराज, राजीव गांधी और राहुल गांधी की प्रशंसा में नारे लगाने लगे। इसके बाद राज्यपाल ने टोकते हुए कुमार से कहा, यह आपकी शपथ का हिस्सा नहीं है। कुमार के शपथ लेने के कुछ ही मिनट बाद सलेम दक्षिण से टीवीके विधायक ए विजय तमिलन पार्थिबन ने मंत्री पद की शपथ लेने के बाद मंच पर उप-स्थित पार्टी नेता और मुख्यमंत्री सी जोसफ विजय की प्रशंसा करते हुए नारे लगाए। श्रीपेरंबदूर से टीवीके सदस्य थेन्नारासु ने भी मंत्री के रूप में अपनी शपथ लेते हुए कहा कि वह पार्टी और उसके नेता के प्रति निष्ठावान रहेंगे।

## मॉस्को में ड्रोन हमले में मारे गए ओडिशा के श्रमिक का शव लाया गया

**भुवनेश्वर :** रूस की राजधानी मॉस्को में ड्रोन हमले में मारे गए ओडिशा के एक मजदूर का शव बृहस्पतिवार को इस राज्य में लाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गंजाम जिले के चिकीटी ब्लॉक स्थित मधाबंधा गांव का निवासी अंजाराना रमाया (30) रूस की एक कंपनी में काम करता था। 17 मई को यूक्रेन द्वारा रूस की राजधानी मॉस्को पर किए गए ड्रोन हमले में उसकी मौत हो गई। उसकी मौत की खबर मिलने के बाद परिवार के सदस्यों ने राज्य सरकार से शव को वापस लाने की अपील की थी। अधिकारियों ने बताया कि इस अनुरोध पर कार्रवाई करते हुए राज्य सरकार ने विदेश मंत्रालय की सहायता से शव को वापस लाने की व्यवस्था की। ओडिशा परिवार के विशेष कार्य अधिकारी प्रीतीश पांडा ने भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर शव को प्राप्त किया। पांडा ने कहा, ''श्रमिक के शव को गंजाम स्थित उसके पैतृक गांव ले जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।''

## चुनाव में भ्रष्ट आचरण का आरोप : अदालत ने टीवीके नेता विजय को नोटिस जारी किया

**चेन्नई :** मद्रास उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के संस्थापक और मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय तथा अन्य को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस एक याचिका पर जारी किया गया है, जिसमें निर्वाचन आयोग को यह निर्देश देने की मांग की गई है कि वह तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान कथित भ्रष्ट आचरण की जांच करे, जिसमें मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए बच्चों के उपयोग जैसे आरोप शामिल हैं। मद्रास उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को टीवीके के संस्थापक और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय तथा अन्य को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति जी आर स्वामीनाथन और न्यायमूर्ति वी. लक्ष्मीनारायणन की अवकाशकालीन पीठ ने निर्वाचन आयोग, तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन और अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी को भी नोटिस जारी किया। यह जनहित याचिका कडलूर जिले के अधिवक्ता एल वासुकी द्वारा दायर की गई है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 29 मई की तारीख तय की है।

# देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी, उप्र के बांदा में सबसे अधिक 47.6 डिग्री तापमान

**नयी दिल्ली :** देश के कई राज्यों में बृहस्पतिवार को भी भीषण गर्मी और लू का कहर जारी रहा। उत्तर प्रदेश का बांदा जिला 47.6 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ देश का सबसे गर्म स्थान रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में लू चलने की चेतावनी जारी की है।राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी गर्मी ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया। दिल्ली रिज क्षेत्र में अधिकतम तापमान 45.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि आयानगर में 44.5 डिग्री, पालम और लोधी रोड में

44.3 डिग्री तथा सफदरजंग में 43.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली में इस मौसम का पहला लू का मामला भी सामने आया, जहां पश्चिम बंगाल का 24 वर्षीय छात्र गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया।उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ती गर्मी को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों में पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग ने राज्य में अगले तीन दिनों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है।हरियाणा और पंजाब में भी हालात गंभीर बने हुए हैं। पंजाब के फरीदकोट में 45.9 डिग्री और हरियाणा के सिरसा में 45.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। चंडीगढ़ में पारा 44.2 डिग्री तक पहुंच गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस रहा।हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी तापमान सामान्य से कई डिग्री अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने हिमाचल के कई जिलों में बारिश, तेज हवाओं और ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, उत्तराखंड में बच्चों, बुजुर्गों और बाहर काम करने वाले श्रमिकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

## यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा: रविवार को मेट्रो की कई लाइन पर सुबह छह बजे से ट्रेन सेवाएं

**नयी दिल्ली :** दिल्ली मेट्रो रेल कॉरप-ोरेशन (डीएमआरसी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित की जाने वाली सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए 24 मई को चुनिंदा मार्गों पर मेट्रो सेवाएं सुबह छह बजे से शुरू होंगी। डीएमआरसी के अनुसार, 24 मई को लाइन 7 (पिंक लाइन), लाइन 8 (मैजेंटा लाइन) और लाइन 9 (ग्रे लाइन) के टर्मिनल स्टेशन से ट्रेन सेवाएं रविवार के सामान्य समय से एक घंटा पहले शुरू हो जाएंगी। बयान में कहा गया है कि पिंक लाइन मजलिस पार्क और शिव विहार को जोड़ती है, जबकि मैजेंटा लाइन पर मेट्रो कृष्णा पार्क एक्सटेंशन और बॉटनिकल गार्डन के बीच तथा दीपाली चौक और मजलिस पार्क के बीच परिचालित होती है।

## प्रधानमंत्री के उपहार: इटली की प्रधानमंत्री को भेंट किया मूगा रेशम स्टॉल

**नयी दिल्ली :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में संपन्न अपनी पांच देशों की यात्रा के दौरान विभिन्न देशों के नेताओं को भारत की समृद्ध कला, संस्कृति और हस्तशिल्प से जुड़े विशेष उपहार भेंट किए। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को असम का प्रसिद्ध मूगा रेशम दुपट्टा और 'मेलोडी' टॉफी भेंट की गई। मेलोनी ने सोशल मीडिया पर टॉफी को बहुत बढ़िया बताया। मूगा रेशम अपने प्राकृतिक सुनहरे रंग और उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन को मछली की आकृति वाली मधुबनी चित्रकला भेंट की गई, जबकि स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन को लद्दाखी शुद्ध ऊन का दुपट्टा दिया गया। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर को सूखे ऑर्किड से बनी कलाकृतियां और नॉर्वे के राजा हेराल्ड पंचम को ओडिशा की प्रसिद्ध तारकासी कला से निर्मित चांदी की पाल वाली नाव का मॉडल भेंट किया गया। इसके अलावा, विभिन्न देशों के नेताओं को जयपुर की नीली मिट्टी कला, मीनाकारी-कुंदन आभूषण तथा बिदरी पच्चीकारी जैसी भारतीय हस्तशिल्प कृतियां भी उपहार में दी गईं।

## बांद्रा में अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस पर पथराव करने वालों को गिरफ्तार किया गया : फडणवीस

**मुंबई :** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में अतिक्रमण हटाने के लिए चलाए जा रहे ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव किया, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, '' बुधवार को अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव किया। स्थिति को नियंत्रण में लाया गया और पत्थरबाजी में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस ने हमले के बाद कार्रवाई की। बंबई उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पश्चिमी रेलवे के अंतर्गत आने वाले बांद्रा रेलवे स्टेशन के पूर्वी हिस्से से सटे गरीब नगर में अतिक्रमण रोधी अभियान चलाया गया और करीब 500 अवैध ढांचे ध्वस्त कर दिये गए। पश्चिमी रेलवे ने कहा है कि वह रेलवे बुनियादी ढांचे के विकास के लिए अनधिकृत से उसकी जमीन पर कब्जा कर बनाई गई झुग्गियों को हटाना चाहता था। अधिकारियों द्वारा बुधवार को कथित तौर पर एक अवैध मस्जिद को ध्वस्त करने के अभियान के दौरान हुई पत्थरबाजी में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। हिंसा के संबंध में कम से कम 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

# असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विधायक के रूप में शपथ ली

**गुवाहाटी :** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को नयी विधानसभा के पहले दिन विधायक के रूप में शपथ ली। असम विधानसभा के अस्थायी अध्यक्ष चंद्र मोहन पटवारी ने शर्मा को 16वीं विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ दिलाई। शर्मा ने असमिया भाषा में शपथ ली। अस्थायी अध्यक्ष पटवारी ने कहा, सभी सदस्य अपनी इच्छानुसार किसी भी मान्यता प्राप्त भाषा में शपथ ले सकते हैं। वे अपनी शपथ की प्रतियां विधानसभा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री के बाद, अन्य विधायकों ने भी असमिया, बांग्ला, बोडो और संस्कृत जैसी विभिन्न भाषाओं में शपथ ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने राज्य विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करते हुए 126 सदस्यीय सदन में 102 सीटों पर जीत दर्ज की। इस गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम गण परिषद (एजीपी) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) शामिल हैं। भाजपा ने अकेले 82 सीटें जीतीं, जबकि एजीपी और बीपीएफ ने

10-10 सीटों पर जीत हासिल की। वहीं, छह दलों के विपक्षी गठबंधन का हिस्सा रहीं कांग्रेस और रायजोर दल ने क्रमशः 19 और दो सीटें जीतीं। इसके अलावा अकेले चुनावी मैदान में उतरने वाले ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) ने दो और तृणमूल कांग्रेस ने एक सीट पर जीत हासिल की।

## एनिमेटेड फिल्म 'महाप्रभु जगन्नाथ' 300 से अधिक सिनेमाघरों में रिलीज होगी

**मुंबई :** भुवनेश्वर का एनिमेशन स्टूडियो 'एली एनिमेशंस' अपनी लोकप्रिय टेलीविजन श्रृंखला जय जगन्नाथ को अब बड़े पर्दे पर लाने जा रहा है। स्टूडियो इस सिलसिले में महाप्रभु जगन्नाथ नाम से एक एनिमेटेड फीचर फिल्म बना रहा है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, स्टूडियो ने मल्टीप्लेक्स श्रृंखला 'सिनेपोलिस' के सहयोग से इस फिल्म को हिंदी, उड़िया और तेलुगु भाषाओं में देश भर के 300 से अधिक सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बनाई है। इससे पहले जय जगन्नाथ श्रृंखला का प्रसारण 'पोगो' चैनल पर हुआ था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। यह फीचर फिल्म भगवान जगन्नाथ की पौराणिक कथाओं पर आधारित होगी और इसमें एनिमेशन के साथ भक्तिपूर्ण कहानियों का मिश्रण होगा। 'एली एनिमेशंस' के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दुर्गा प्रसाद दलाई ने कहा कि टेलीविजन श्रृंखला की जबरदस्त सफलता के बाद इसे बड़े पर्दे पर लाना एक स्वाभाविक कदम था।

## कांथा कढ़ाई शिल्पी तृप्ति मुखर्जी को पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा

**नयी दिल्ली :** पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध कांथा कढ़ाई शिल्पी तृप्ति मुखर्जी को पारंपरिक हस्तशिल्प कला के संरक्षण और ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान के लिए 25 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। कांथा कढ़ाई में 37 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाली तृप्ति मुखर्जी ने कम उम्र में अपनी मां से प्रेरणा लेकर इस कला को अपनाया। उन्होंने पश्चिम बंगाल के सूरी में एक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया, जहां महिलाओं को कांथा कढ़ाई, साड़ी डिजाइन, वॉल हैंगिंग, बेडशीट, स्टोल और दुपट्टे तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाता है।उनके प्रशिक्षण से जुड़ी कई महिलाएं आज सरकारी मेलों और प्रदर्शनियों में अपने उत्पाद बेचकर आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। मुखर्जी ने विदेशों में भी भारतीय हस्तशिल्प का प्रतिनिधित्व किया है। उन्हें इससे पहले राष्ट्रीय पुरस्कार, शिल्प गुरु सम्मान और बंगश्री पुरस्कार भी मिल चुका है।

## इंजेक्शन से लगाए जाने वाले कॉस्मेटिक उत्पादों की कानून के तहत अनुमति नहीं है : सीडीएससीओ

**नयी दिल्ली :** केंद्रीय औषधि नियामक ने स्पष्ट किया है कि इंजेक्शन के रूप में आपूर्ति किए जाने वाले कॉस्मेटिक उत्पाद कानून के तहत 'कॉस्मेटिक्स' की परिभाषा में नहीं आते हैं और उपभोक्ताओं या पेशेवरों द्वारा इनका उपयोग करने की अनुमति नहीं है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की यह सलाह ऐसे समय में आई है जब देश भर के ब्यूटी क्लीनिक और वेलनेस सेंटर में इंजेक्शन द्वारा की जाने वाली सौंदर्य संबंधी प्रक्रियाओं को 'कॉस्मेटिक उपचार' के रूप में प्रचारित किया जा रहा है और इनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। एक सूत्र ने बताया कि यह स्पष्टीकरण उपचार के उद्देश्य से कॉस्मेटिक उत्पादों के दुरुपयोग को रोकने और उपभोक्ता सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से है, खासकर जब शहरी क्षेत्रों में और सोशल मीडिया प्रचार के माध्यम से ऐसी प्रक्रियाएं लोकप्रियता हासिल कर रही हैं। नियामक ने 18 मई को जारी सार्वजनिक सूचना में कहा है कि सौंदर्य प्रसाधनों का उद्देश्य केवल बाहरी तौर पर इस्तेमाल करने के लिए है, न कि इंजेक्शन द्वारा। नोटिस में कहा गया है, ''इंजेक्शन के रूप में आपूर्ति किए जाने वाले उत्पाद सौंदर्य प्रसाधनों की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आते हैं। किसी भी कॉस्मेटिक उत्पाद को उपभोक्ता/पेशेवर/सौंदर्य क्लिनिक द्वारा इंजेक्शन के रूप में उपयोग करने की अनुमति नहीं है।''

## दिल्ली में राशन कार्ड के लिए पात्र होने की आय सीमा बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये सालाना की जाएगी: गुप्ता

**नयी दिल्ली :** मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली सरकार ने सात लाख से अधिक राशन कार्ड रद्द कर दिए हैं और नए राशन कार्ड जारी करने के लिए आय सीमा को बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये प्रति वर्ष करने की योजना है। गुप्ता ने यहां पत्रकारों से कहा कि सरकार ने लगभग 7.72 लाख अमान्य राशन कार्ड रद्द कर दिए हैं और ऑनलाइन नए आवेदन आमंत्रित किए हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली में पिछले 13 वर्षों में कोई राशन कार्ड जारी नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, गहन ऑडिट के बाद, सरकार ने आय मानदंड को पूरा न करने वाले 1.44 लाख लाभार्थियों, राशन प्राप्त न करने वाले 35,800 लाभार्थियों, मृत पाए गए 29,580 लाभार्थियों को हटा दिया, जबकि

23,394 राशन कार्ड 'डुप्लिकेट' पाए गए। फिलहाल, दिल्ली में राशन कार्ड के लिए पात्र होने की आय सीमा 1.2 लाख रुपये प्रति वर्ष निर्धारित है। गुप्ता ने कहा कि आय पात्रता में बढ़ोतरी जरूरतमंद लोगों की अधिकतम संख्या को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से की गई है। गुप्ता ने कहा, गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को कल्याणकारी योजनाओं के दायरे में लाने के लिए दिल्ली खाद्य सुरक्षा नियम, 2026 के तहत राशन कार्ड के लिए वार्षिक पारिवारिक आय पात्रता सीमा पहले ही एक लाख रुपये से बढ़ाकर 1.20 लाख रुपये कर दी गई है। उन्होंने बताया कि अगली कैबिनेट बैठक में इस सीमा को बढ़ाकर 2.5 लाख रुपये करने पर चर्चा होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए राशन कार्डों के लिए तथा परिवार के सदस्यों को जोड़ने के लिए ऑनलाइन आवेदन 15 मई, 2026 से ई-जिला पोर्टल के माध्यम से शुरू हो गए हैं। उन्होंने बताया कि नए राशन कार्डों के लिए 3,72,367 आवेदन और परिवार के सदस्यों को शामिल करने के लिए 99,501 आवेदन वर्तमान में लंबित हैं।

## दिल्ली में तीन दिवसीय परिवहन हड़ताल शुरू, कई इलाकों में यात्रियों ने परेशान होने की शिकायत की

**नयी दिल्ली :** दिल्ली सरकार की ओर से वाणिज्यिक वाहनों पर पर्यावरण मुआवजा उपकर लगाए जाने और सीएनजी की कीमतों में वृद्धि के विरोध में ट्रांसपोर्ट और टैक्सी संगठनों ने बृहस्पतिवार को दिल्ली-एनसीआर में तीन दिवसीय हड़ताल की शुरुआत की जिसकी वजह से कई इलाकों में यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ट्रांसपोर्ट और टैक्सी संगठनों के मुताबिक उनकी हड़ताल 23 मई तक जारी रहेगी। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ सबसे व्यस्त स्थानों, जिनमें नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन, आनंद विहार, मंडी हाउस मेट्रो और अन्य स्थान शामिल हैं, पर यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हड़ताल के तहत संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में ट्रक खड़े रहे। एक यात्री ने बताया, ''हमने घर जाने के लिए टैक्सी बुक करने की कोशिश की, लेकिन प्रतीक्षा समय सामान्य से अधिक था, और स्टेशन पर ऑटो-रिक्शा भी बहुत कम उपलब्ध थे। टैक्सी बुक करने का शुल्क भी अधिक था।'' ट्रक चालकों, निजी बसों, टैक्सी और मैक्सी कैब संचालकों की सर्वोच्च संस्था 'ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस' (एआईएमटीसी) ने इस हड़ताल का आह्वान किया है। एआईएमटीसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीश सभरवाल ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''हम प्रदूषण कम करने के प्रयासों का समर्थन करते हैं, लेकिन पिछले 10-12 वर्षों में पर्यावरण क्षतिपूर्ति उपकर के माध्यम से लगभग 1,500 करोड़ रुपये एकत्र करने के बावजूद, सरकार ने परिवहन कल्याण, पार्किंग, सड़कों या प्रदूषण नियंत्रण उपायों के लिए इस धन का उचित उपयोग नहीं किया है।''

## यदि आरोपी को कोई आपत्ति न हो तो न्यायालय राजद्रोह के मुकदमे चला सकते हैं : उच्चतम न्यायालय

**नयी दिल्ली :** उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि अदालतें राजद्रोह से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए से जुड़े मुकदमों की सुनवाई कर सकती हैं, यदि आरोपी को इस पर कोई आपत्ति नहीं है। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने राजद्रोह से संबंधित एक मामले में 17 वर्षों से जेल में बंद एक आरोपी की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह स्पष्टीकरण दिया। आरोपी द्वारा दायर अपील मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में लंबित है। पीठ ने कहा, ''याचिकाकर्ता की शिकायत यह है कि यदि उसकी आपराधिक अपील की पूरी सुनवाई की जाए, जिसमें धारा 124ए के तहत आरोप भी शामिल हो, तो उसे कोई आपत्ति नहीं है। ऐसे में, हम स्पष्ट करते हैं... कि जहां भी आर-ोपी को मुकदमे, अपील या किसी अन्य कार्यवाही के खिलाफ कोई आपत्ति नहीं है, जिसमें उस पर धारा 124ए आईपीसी के तहत भी आरोप पत्र दाखिल किया गया है, तो न्यायालयों को ऐसे मामलों में गुण-दोष और कानून के अनुसार निर्णय लेने में कोई बाधा नहीं होनी चाहिए।'' उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को याचिकाकर्ता की अपील पर सुनवाई करने और गुण-दोष के आधार पर निर्णय लेने का निर्देश दिया।

# आदिवासी अपराधी नहीं, बल्कि भारत के गौरव हैं: वनवासी कल्याण आश्रम के प्रमुख

**नयी दिल्ली :** अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को देश में आदिवासियों के बारे में 'विकृत' औपनिवेशिक धारणाओं को सुधारने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि वे भारत के गौरव और इसकी संस्कृति के रक्षक हैं, न कि अपराधी। उन्होंने कहा कि ब्रिटिशों शासकों ने उनके अपराधी होने की छवि पेश की थी। सिंह ने 'पीटीआई-वीडियो' के साथ साक्षात्कार में कहा कि वनवासी कल्याण आश्रम से संबद्ध जनजाति सुरक्षा मंच, आदिवासी प्रतीक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर भारत के 'वनवासी' समुदाय के बारे में दुनिया को एक सकारात्मक संदेश देने के लिए रविवार को यहां आदिवासियों का एक विशाल सांस्कृतिक सम्मेलन आयोजित कर रहा है। उन्होंने कहा, ''अब तक आदिवासी समुदायों के बारे में जो कुछ भी लिखा और पढ़ाया गया है, उसका अधिकांश भाग ब्रिटिश विद्वानों और औपनिवेशिक विचारकों द्वारा लिखा गया है। उन्होंने आदिवासी समाज को सही ढंग से प्रस्तुत नहीं किया। उन्होंने आदिवासियों को अपराधी या पिछड़े लोग के रूप में पेश किया। लेकिन आदिवासी समाज का सच्चा इतिहास इससे बहुत अलग है। आदिवासी समुदायों ने इस देश और इसकी संस्कृति में बहुत बड़ा योगदान दिया है।'' सिंह ने कहा, ''रामायण काल हो, महाभारत काल हो, मुगल युग हो या ब्रिटिश शासन-आदिवासी समुदायों ने अपनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कभी अधीनता स्वीकार नहीं की। यही आदिवासी समाज का आत्मसम्मान है।'' उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदायों की संस्कृति, परंपराएं, जीवनशैली और लोक कलाएं देश के लिए गर्व का विषय हैं, इसलिए, वनवासी कल्याण आश्रम यह संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचाना चाहता है कि आदिवासी समाज राष्ट्र का गौरव और इसकी संस्कृति का रक्षक है।

## डीआरआई ने 120 करोड़ रुपये मूल्य की तीन लाख ई-सिगरेट जब्त की

**नयी दिल्ली :** राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में तस्करी गिरोह के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान 120 करोड़ रुपये मूल्य की तीन लाख इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट और 'वेप' जब्त की। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के बयान के अनुसार प्रतिबंधित ई-सिगरेट हर मामले में चीन से मंगाई गई थीं और उन्हें फर्नीचर तथा धातु की कुर्सियों के पुर्जों जैसी वस्तुओं के बीच छिपाकर आयात किया गया था। विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर डीआरआई ने कई संदिग्ध आयात खेपों की पहचान की, उनका पता लगाया और उन्हें रोका। इन खेपों को सीमा शुल्क जांच से बचने के लिए गलत तरीके से घोषित किया गया था। विस्तृत जांच के परिणामस्वरूप विभिन्न ब्रांड, फ्लेवर और विशिष्टताओं वाली लगभग तीन लाख इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट/वेप जब्त की गईं, जिनकी कीमत 120 करोड़ रुपये से अधिक है। इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट और सभी इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन वितरण प्रणालिया भारत में इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध (उत्पादन, निर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, बिक्री, वितरण, भंडारण और विज्ञापन) अधिनियम, 2019 के तहत प्रतिबंधित हैं, जिसे जन स्वास्थ्य के हित में और लोगों को नुकसान से बचाने के लिए लागू किया गया है।

# राजनाथ ने सियोल में भारतीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन किया

**नयी दिल्ली :** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में कोरियाई युद्ध की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कोरियाई प्रायद्वीप में शांति और मानवीय सहायता के लिए भारत के योगदान को स्थायी विरासत बताया।रक्षा मंत्री ने दक्षिण कोरिया के देशभक्ति एवं पूर्व सैनिक मामलों के मंत्री क्योव ओह-युल के साथ इमजिंगक पार्क में बने इस स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। यह स्मारक भारतीय सेना की '60 पैरा फील्ड एम्बुलेंस' और 'कस्टोडियन फोर्स ऑफ इंडिया' (सीएफआई) की बहादुरी, बलिदान और मानवीय सेवाओं को समर्पित है। अपने

संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया का साझा इतिहास तथा सैनिकों का बलिदान दोनों देशों की विशेष रणनीतिक साझेदारी की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों की भूमिका को याद करना दोनों देशों के बीच आपसी समझ और ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत बनाता है। दक्षिण कोरिया के मंत्री क्योव ओह-युल ने कोरियाई युद्ध के दौरान भारत की भूमिका की सराहना करते हुए भारतीय सैनिकों के मानवीय दृष्टिकोण और बलिदान को अविस्मरणीय बताया। दोनों देशों के मंत्रियों ने युद्ध के पूर्व सैनिकों के सम्मान और सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. ए.जी. रंगराज के नेतृत्व वाली 60 पैरा फील्ड एम्बुलेंस ने कठिन परिस्थितियों में हजारों घायल सैनिकों और नागरिकों का उपचार किया। उनकी बहादुरी और सेवा भावना के कारण उन्हें मैरून एंजल्स कहा गया। युद्धविराम के बाद भारत ने 'न्यूट्रल नेशंस रिपैट्रिएशन कमीशन' के तहत लगभग 22 हजार युद्धबंदियों की सुरक्षित वापसी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

# भारत को समृद्ध बनाने का जो सपना पापा ने देखा था उसे मैं साकार करूंगा: राहुल

**नयी दिल्ली :** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया और कहा कि उनके पिता ने भारत को समृद्ध बनाने का जो सपना देखा था उसे वह साकार करेंगे। राजीव गांधी की पुण्यतिथि के मौके पर कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा सहित पार्टी के कई नेताओं ने राजीव गांधी के स्मारक 'वीर भूमि' जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राहुल गांधी ने अपने पिता राजीव गांधी के साथ अपने बचपन की एक तस्वीर साझा की और कहा, '' पापा, आपने जिस कुशल, समृद्ध और मजबूत भारत का

सपना देखा था, उसे साकार करने की जिम्मेदारी मैं पूरी करूंगा। आपकी सीख, आपके संस्कार और आपकी यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी।'' खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' भारत के एक सपूत, जिन्होंने देश भर में लाखों लोगों में आशा और आकांक्षा को प्रेरित किया, पूर्व प्रधानमंत्री और 'भारत रत्न' राजीव गांधी को उनके शहादत दिवस पर हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने कहा, राजीव गांधी ने दूरदर्शिता, साहस और भारत के भविष्य में गहरी आस्था के साथ, 21वीं सदी में देश की यात्रा की नींव रखी। उनकी परिवर्तनकारी पहलों में मतदान की आयु को घटाकर 18 करना, पंचायती राज के माध्यम से स्थानीय स्वशासन को सशक्त बनाना, दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति की शुरुआत करना, कम्प्यूटरीकरण को आगे बढ़ाना, महत्वपूर्ण शांति समझौते हासिल करना, सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम शुरू करना और समावेशी शिक्षा पर केंद्रित एक दूरदर्शी शिक्षा नीति पेश करना शामिल है।

## जेप्टो की जुलाई में 11,000 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने की योजना

**नयी दिल्ली :** फटाफट सामान की आपूर्ति करने वाले कंपनी जेप्टो जुलाई में 11,000 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना बना रही है। मामले से जुड़े लोगों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यदि सूचीबद्धता की योजना पूरी होती है तो जेप्टो शेयर बाजार में पहले से सूचीबद्ध प्रतिस्पर्धी जोमैटो और स्विगी की श्रेणी में शामिल हो जाएगी। जेप्टो को इस महीने की शुरुआत में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से आईपीओ लाने की मंजूरी मिली थी। अब कंपनी नियामक के पास संशोधित आईपीओ दस्तावेज (यूडीआरएचपी) दाखिल करने की तैयारी में है। जेप्टो ने दिसंबर, 2025 में गोपनीय मार्ग के जरिये आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे। मामले से परिचित लोगों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आदित पालिचा और कैवल्य वोहरा द्वारा स्थापित जेप्टो 31 जुलाई से पहले शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने का लक्ष्य बना रही है।

## पंजाब एंड सिंध बैंक एपीवाई वार्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित

**नयी दिल्ली :** पंजाब एंड सिंध बैंक को अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पीएफआरडीए से एपीवाई वार्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार बुधवार को पेंशन कोष विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के एक कार्यक्रम में वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने पंजाब एंड सिंध बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी स्वरूप कुमार साहा को प्रदान किया। बयान के अनुसार, यह सम्मान अटल पेंशन योजना को व्यापक स्तर पर अपनाने के जरिए देशभर में वित्तीय समावेश को मजबूत करने और सामाजिक सुरक्षा पहल को बढ़ावा देने के प्रति बैंक की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बैंक ने कहा कि वह लगातार वंचित और असंगठित क्षेत्रों तक पेंशन दायरा का विस्तार करने की दिशा में काम कर रहा है, ताकि प्रत्येक नागरिक को वित्तीय सुरक्षा और बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।

# अगले महीने व्यापार वार्ता के लिए भारत आ सकता है अमेरिकी दल : गोयल



**नयी दिल्ली :** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि व्यापार वार्ता के लिए अमेरिकी दल अगले महीने भारत आ सकता है। अंतरिम समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के तहत वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय पक्ष ने अप्रैल में वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी समकक्षों के साथ आमने-सामने बैठक की थी। यह पूछे जाने पर कि क्या बीटीए के लिए अमेरिका के मुख्य वार्ताकार, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ आएंगे तो गोयल ने कहा,' वह उनके साथ नहीं आ रहे हैं, लेकिन उनके अगले महीने आने की योजना है।'' रुबियो 23 मई से भारत की चार दिवसीय यात्रा पर आएंगे जिसका उद्देश्य व्यापार, रक्षा एवं ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाना है। यह उनकी भारत की पहली यात्रा होगी। भारत और अमेरिका ने सात फरवरी को एक संयुक्त बयान जारी कर अंतरिम व्यापार समझौते के लिए एक रूपरेखा को अंतिम रूप दिया था। हालांकि, अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले ने सभी जवाबी शुल्कों को निरस्त कर दिया जिसे अमेरिकी प्रशासन साझेदार देशों के साथ व्यापार समझौते करने के लिए एक साधन के तौर पर इस्तेमाल कर रहा था। इसके बाद अमेरिका ने इस वर्ष 24 फरवरी से 150 दिन के लिए व्यापार अधिनियम की धारा 122 के तहत सभी आयात पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगा दिया। साथ ही, उसने धारा 301 के तहत प्रमुख निर्यातकों के खिलाफ उनकी अतिरिक्त उत्पादन क्षमता एवं श्रम मानकों को लेकर दो जांच भी शुरू कीं। धारा 122 के तहत अधिकतम 150 दिन के लिए 15 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है। वहीं धारा 301 के तहत जांच में यदि यह पाया जाता है कि व्यापारिक साझेदारों के कदम अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचा रहे हैं तो शुल्क पर कोई सीमा नहीं होती। भारत ने दोनों जांच पर अपना जवाब दे दिया है और दोनों पक्षों के बीच परामर्श जारी है। गोयल ने एक कार्यक्रम में कहा कि कई बड़ी अमेरिकी कंपनियों ने भारत में निवेश की घोषणा की है क्योंकि देश, दुनिया के लिए एक पसंदीदा निवेश गंतव्य बना हुआ है। उन्होंने कहा,' पिछले छह महीनों में अगर मैं अमेरिकी उद्योग से मिली विभिन्न निवेश प्रतिबद्धताओं को देखूं, तो यह आंकड़ा संभवतः 60 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक होगा। अमेजन के डेटा केंद्र निवेश और गूगल के डेटा केंद्र निवेश को देखें। मेरी समझ यह है कि अमेरिका और भारत स्वाभाविक साझेदार की तरह काम कर रहे हैं।

## मारुति की कारें जून से 30,000 रुपये तक महंगी होंगी

**नयी दिल्ली :** देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया बढ़ती मुद्रास्फीति और लागत में बढ़ोतरी के कारण जून, 2026 से अपने विभिन्न मॉडल की कीमतों में 30,000 रुपये तक की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने अपने पूरे मॉडल पोर्टफोलियो में वाहनों की कीमतों में जून से 30,000 रुपये तक की वृद्धि करने का निर्णय लिया है। कंपनी ने कहा, ''पिछले कुछ महीनों से लागत में बढ़ोतरी के प्रभाव को कम करने के लिए कंपनी लागत कटौती उपायों के जरिये लगातार प्रयास कर रही है। कंपनी ने कहा कि मुद्रास्फीति का दबाव अब ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है और प्रतिकूल माहौल लगातार बना हुआ है। ऐसे में बढ़ी हुई लागत का एक हिस्सा बाजार पर डालना आवश्यक हो गया है, जबकि ग्राहकों पर इसका प्रभाव न्यूनतम रखने का प्रयास जारी रहेगा। मारुति सुजुकी इंडिया फिलहाल शुरुआती श्रेणी की मारुति सुजुकी एस-प्रेसो से लेकर प्रीमियम यूटिलिटी इनविक्टो बेचती है।

## उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स 135 अंक टूटा, निफ्टी स्थिर




**मुंबई:** स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बीच शुरुआती बढ़त कायम नहीं रह सकी और दोनों प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। प्रमुख कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली के दबाव से बीएसई सेंसेक्स 135.03 अंक टूटकर 75,183.36 अंक पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 4.30 अंक की मामूली गिरावट के साथ 23,654.70 अंक पर रहा। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में करीब 949 अंकों का उतार-चढ़ाव देखा गया।सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस और भारती एयरटेल के शेयर नुकसान में रहे। वहीं इंटरग्लोब एविएशन, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और अदाणी पोर्ट्स में तेजी दर्ज की गई।विश्लेषकों के अनुसार सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बावजूद ऊंचे स्तर पर बिकवाली और आर्थिक चिंताओं के कारण बाजार दबाव में रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली, वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों में सतर्कता बनी हुई है। एशियाई बाजारों में जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त में रहे, जबकि चीन और हांगकांग के बाजार गिरावट के साथ बंद हुए।

## एसबीआई कर्मचारियों ने दी 25 मई से दो दिवसीय हड़ताल पर जाने की चेतावनी

**नयी दिल्ली :** भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारियों ने पर्याप्त कर्मियों की नियुक्ति सहित विभिन्न मांगों को लेकर 25 मई से दो दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल की चेतावनी दी है। एसबीआई के कर्मचारी यह हड़ताल अखिल भारतीय स्टेट बैंक कर्मचारी महासंघ (एआईएसबीआईएसएफ) के तहत करेंगे। यदि हड़ताल होती है, तो इससे भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बैंकिंग कार्यों पर पांच दिनों तक असर पड़ेगा, क्योंकि हड़ताल की तारीख से पहले चौथा शनिवार और रविवार पड़ रहा है। इसके अलावा, हड़ताल समाप्त होने के एक दिन बाद, 27 मई को ईद अल-अजहा के कारण कई राज्यों में छुट्टी रहेगी। कर्मचारी महासंघ ने एक बयान में कहा कि मांगों में संदेशवाहकों, सशस्त्र गार्डों की नियुक्ति और एनपीएस कर्मचारियों के लिए पेंशन कोष प्रबंधक बदलने के विकल्प की मांग भी शामिल है।

## फसल ऋण को किसानों के 'सिबिल स्कोर' से न जोड़ें बैंक : फडणवीस



**मुंबई :** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को बैंकों से कहा गया है कि वे किसानों के फसल ऋण की मंज़ूरी को उनके 'सिबिल' स्कोर से न जोड़ें। आगामी खरीफ फसल के मौसम की तैयारियों की समीक्षा के लिए हुई एक बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने उन उर्वरक डीलर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी, जो किसानों को अतिरिक्त उत्पाद खरीदने के लिए मजबूर करते हैं। फडणवीस ने कहा, ''हर बैंक को, मुख्यालय से लेकर शाखा स्तर तक, यह बता दिया गया है कि फसल ऋण को 'सिबिल' की शर्तों से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारियों ने भी इसकी पुष्टि की है। 'सिबिल' स्कोर से जुड़ी समस्याओं के कारण किसी भी किसान को परेशानी नहीं होनी चाहिए।'' 'सिबिल' स्कोर का उपयोग वित्तीय संस्थानों द्वारा किसी व्यक्ति की ऋण पात्रता को आंकने के लिए किया जाता है। फडणवीस ने कहा कि बैठक के दौरान कृषि ऋण माफी और कृषि ऋण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही घोषित कृषि ऋण माफी योजना को लागू करेगी, और कहा, 'हम इन कर्जों को माफ करेंगे। मंत्रिमंडल में पहले ही चर्चा हो चुकी है, और बाकी जिलों से आंकड़ों के आने के बाद, 30 जून से पहले ऋण माफी लागू कर दी जाएगी।'' महाराष्ट्र में खरीफ की खेती का क्षेत्र लगभग 152 लाख हेक्टेयर है, जिसमें सोयाबीन और कपास का हिस्सा लगभग 88 लाख हेक्टेयर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार संभावित रूप से कठिन मानसून के मौसम के लिए कमर कस रही है। फडणवीस ने कहा कि प्रारंभिक पूर्वानुमानों से पता चलता है कि जून से सितंबर तक वर्षा धीरे-धीरे कम हो सकती है।

## न्यूज अपडेट

### एलआईसी का चौथी तिमाही का मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़कर 23,420 करोड़ रुपये

**नयी दिल्ली :** भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 23 प्रतिशत बढ़कर 23,420 करोड़ रुपये रहा है। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 19,013 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। एलआईसी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 2,53,592 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान अवधि में 2,22,805 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी की पहले साल की प्रीमियम आय बढ़कर 12,970 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 11,069 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन अवधि में नवीकरण प्रीमियम से आय बढ़कर 81,933 करोड़ रुपये हो गई, जबकि एक साल पहले यह 79,138 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ 19 प्रतिशत बढ़कर 57,419 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 48,151 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 9,73,288 करोड़ रुपये रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 8,84,148 करोड़ रुपये थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने 2025-26 के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 10 रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है।

### सोने 600 रुपये मजबूत, चांदी में 5,000 रुपये का उछाल

**नयी दिल्ली :** राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमत 600 रुपये बढ़कर 1.65 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं और चांदी भी 2.71 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। भू-राजनीतिक तनाव के बीच कारोबारी कीमती धातुओं को लेकर सतर्क रूप से आशावादी बने रहे। स्थानीय बाजार के जानकारों के अनुसार, लगातार तीसरे सत्र में बढ़त जारी रखते हुए, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 600 रुपये बढ़कर 1,65,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया, जो बुधवार के बंद भाव 1,64,900 रुपये से अधिक है। इस कीमती धातु की कीमतों में पिछले तीन सत्रों में कुल 2,700 रुपये की बढ़त दर्ज की गई है। कारोबारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक स्तर पर महंगाई को लेकर चिंताओं ने अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में मजबूती के बावजूद, इस धातु की खरीद को समर्थन दिया। बाजार के जानकारों के अनुसार, चांदी की कीमतों में भी सुधार देखने को मिला, और इसकी कीमत 5,000 रुपये उछलकर 2,71,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इसे सस्ते भाव पर खरीदारी और औद्योगिक मांग में सुधार के रुख से मदद मिली। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका-ईरान संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी बाधाओं को लेकर चिंताओं ने कीमती धातुओं की मांग को लगातार बनाए रखा और रुपये में कमजोरी ने भी स्थानीय कीमतों को समर्थन दिया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में गिरावट के बावजूद घरेलू सर्राफा कीमतें मजबूत बनी रहीं। हाजिर सोने का भाव मामूली रूप से गिरकर 4,534.54 डॉलर प्रति औंस रह गया, जबकि चांदी लगभग एक प्रतिशत फिसलकर 75.39 डॉलर प्रति औंस रह गई।

### 'कॉकरोच जनता पार्टी' नाम के लिए तीन ट्रेडमार्क आवेदन दाखिल

नयी दिल्ली : 'कॉकरोच जनता पार्टी' नाम पर अधिकार हासिल करने के लिए तीन अलग-अलग ट्रेडमार्क आवेदन दाखिल किए गए हैं। आधिकारिक रिकॉर्ड से यह जानकारी मिली है। ये आवेदन ऐसे समय में दाखिल किए गए हैं जब एक व्यंग्य के रूप में शुरू किया गया राजनीतिक संगठन 'कॉकरोच जनता पार्टी' सोशल मीडिया पर टिप्पणियों और डिजिटल मौजूदगी के कारण कुछ ही दिन में लाखों लोगों तक पहुंच बनाने और बड़ी संख्या में फॉलोअर्स जुटाने के कारण चर्चा में आया है। हालांकि, संगठन के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के खाते पर भारत में रोक लगा दी गई है, लेकिन ट्रेडमार्क पंजीकरण पोर्टल पर दाखिल आवेदनों में राजनीतिक और सामाजिक सेवाएं उपलब्ध कराने की श्रेणी के तहत ट्रेडमार्क पंजीकरण की मांग की गई है।

श्री गणेशाय नमः
श्री हनुमंते नमः
ॐ नमः शिवाय



पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर लेकटाउन धाम में दशम बार
श्री श्री १,२५,००० (सवा लाख)
हनुमान चालीसा पाठ महायज्ञ
का सामुहिक संगीतमय आयोजन (३१ पंडितों द्वारा)

प्रेरणा स्त्रोत

ब्रह्मलीन श्री लाल बाबा जी

पावन सानिध्य

पूज्य श्री बजरंग लाल शर्मा "भाईजी"

शनिवार २३ मई से शनिवार १३ जून २०२६

नित्य पाठ का समय (२३ मई से १२ जून)
प्रातः ८ बजे से १:३० बजे तक ▪ सायं ४ बजे से ८:३० बजे तक

ध्वजा शोभायात्रा : २३ मई, सुबह ७:३० बजे
मंदिर प्रांगण से आरम्भ होकर बांगुड एवेन्यू, जैशोर रोड, लेकटाउन होते हुए पुनः मंदिर पहुंचेगी।

पूर्णाहुति : शनिवार १३ जून २०२६
सुंदरकाण्ड पाठ, हवन, भंडारा एवं भजन संध्या

स्थान :- श्री बाल हनुमान मंदिर, लेकटाउन धाम, कोलकाता

सह-यजमान, पाठ-संकल्प एवं अन्य सेवा हेतु संपर्क करें
सुधीर शर्मा - 98360 42183
संदीप अग्रवाल - 74395 30925
अमित कुमार धानुका - 98310 61411
दीपक सोमानी - 98300 48131
मनोज कुमार अग्रवाल - 98301 15016
प्रवीण मित्तल - 83340 00855
मंदिर में सवामणी बनाने की व्यवस्था है

तन-मन-धन से सहयोग करें और अक्षय पुण्य के भागी बनें
आयकर की धारा 80जी के अंतर्गत छूट उपलब्ध है

सभी भक्त सपरिवार सादर आमंत्रित हैं

विशिष्ट अतिथि वृन्द
श्री दिलीप जी महाराज (भारत सेवाश्रम संघ)
डॉ. शारद्वत मुख़र्जी (माननीय विधायक)
श्री पीयूष कानोडिया (माननीय विधायक)
श्री विजय ओझा (माननीय विधायक)
श्री मृगांक भट्टाचार्य (पूर्व पार्षद)

सहयोगी संस्थाएं
श्री बाल हनुमान महिला समिति
अखिल भारतीय गौड़ ब्राह्मण सभा
श्रीभूमि संसद
श्रीभूमि विकास मंच
बांगुड़ एवेन्यू संघ
बांगुड़ जागरण मंच
भारतीय संस्कृति संवर्द्धन समिति
पूर्व कलकत्ता नागरिक परिषद
श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार महिला समिति

विशिष्ट शुभेच्छु वृन्द

| | | |
|---|---|---|
| पद्मश्री श्री प्रह्लाद राय अग्रवाला | श्री ललित बेरीवाल | श्री अनिल गोयल |
| श्री बिस्वनाथ सेकसरिया | श्री निकुंज बेरीवाल | श्री अशोक अग्रवाल |
| श्री प्रदीप सराफ | श्री त्रिलोक कोठारी | श्री उत्तम अग्रवाल |
| श्री अमित गोयल | श्री श्रेयांश सुराणा | श्री दीपू शर्मा |
| श्री किशन मिरानिया अग्रवाल | श्री मनोज गुप्ता | श्री अनूप गाड़ोदिया |
| श्री राजेश चिड़ीमार | श्री प्रमोद अग्रवाल | श्री गोपाल अग्रवाल |
| श्री कालीचरण अग्रवाल | श्री पवन मूंधड़ा | श्री विकास अग्रवाल |
| श्री ओम जालान | श्री संजय बगड़िया | श्री गोपाल जैन |
| श्री बनवारीलाल सोती | श्री बिजय डोकानिया | श्री लक्ष्मण अग्रवाल |
| श्री जगदीश प्रसाद जाजू | श्रीमती मंजु डागा | श्री विनोद जाजू |
| श्री बैजनाथ मित्तल | श्री मोंटी अग्रवाल | श्री गोविन्द कलोया |
| श्री बिरम प्रकाश सुल्तानिया | श्री विद्यासागर मंत्री | श्री संजय कंसल |
| श्री द्वारिका आयुष टेकड़ीवाल | श्री सुभाष मुरारका | श्री पिंटू सुल्तानिया |
| श्री शंकरलाल कारीवाल | श्री सुधीर भट्टाचार्य | श्री सुभम बगड़िया |
| श्री लक्खी प्रसाद पसारी | श्री सीताराम गोयल | श्री सतीश तापडिया |
| श्री प्रेम कुमार अग्रवाल | श्री बाबूलाल बंका | श्री पवन गोयनका |
| श्री महावीर प्रसाद दमानी | श्री सुब्रत दास | श्री अशोक कुमार जैन |
| (प्रोस्पेरा फाइनेंसियल सोल्युशंस) | श्री जुगल सरिया | श्री शिव चौधरी |
| श्री हरी प्रसाद बुधिया | श्री सुशील ओझा | श्री संदीप गुप्ता |

आयोजन एवं व्यवस्था समिति
श्री हरि किशन राठी (चेयरमैन)

| | |
|---|---|
| सुधीर शर्मा | गंगा प्रसाद चौधरी |
| संदीप अग्रवाल | प्रमोद बगड़िया |
| अमित कुमार धानुका | मनोज बजाज |
| दीपक सोमानी | श्यामसुंदर मंत्री |
| प्रकाश चंडालिया | प्रणय अग्रवाल |
| अनूप जोशी | गोपाल बंका |
| प्रवीण मित्तल | प्रकाश शर्मा |
| सुदर्शन गाड़िया | दुष्यंत केडिया |
| दीनदयाल जोशी | संजय बगड़िया |
| गगन कडेल | दीपक बजाज |
| नरेंद्र कुमार गोयल | राकेश चंडालिया |
| ओम प्रकाश चौधरी | पंकज केशान |
| अरुण शर्मा | अरुण गोयनका |
| अविनाश शर्मा | संजय अग्रवाल |
| मनोज कुमार अग्रवाल | पंकज केशान |
| सुनील तोषावर | राज कुमार टिबड़ेवाल |
| दयाराम कडेल | मनोहरलाल अग्रवाल |
| गणेश शर्मा | बालकृष्ण सराफ |
| डॉ. आर. के. पोद्दार | कौशल अग्रवाल |
| नरेश सांगानेरिया | राकेश जैन |
| विवेक सांगानेरिया | हर्ष गाड़ोदिया |
| राजेश अग्रवाल | प्रशांत सोनी |
| गोपाल कानोडिया | आदित्य अग्रवाल |
| मनमोहन अग्रवाल | रोहित केडिया |
| प्रवीण चौधरी | महेश भुवालका |
| संजय गुप्ता | अजय चिडिपाल |

दिव्य शुभारम्भ कल

-: पुनीत स्मरण :-

स्व. दिलीप कुमार अग्रवाल

FOLLOW US

प्रसारण

कोलकाता महानगर में प्रथम बार ११,२५,००० (सवा ग्यारह लाख) हनुमान चालीसा पाठ संपन्न

आयोजक
श्री बाल हनुमान (लाल बाबाजी) सेवा ट्रस्ट
358, लेकटाउन ब्लॉक-ए, कोलकाता - 700089. फोन : 033-25346931

१२,५१,००० (बारह लाख इक्यावन हज़ार) हनुमान चालीसा पाठ

वर्ष 11, पूर्णांक 3599 अंक 065 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in